IIM

विद्या परं दैवतम्

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

4था वार्षिक प्रतिवेदन 2018-2019

Indian Institute of Management Visakhapatnam

4th Annual Report 2018-19

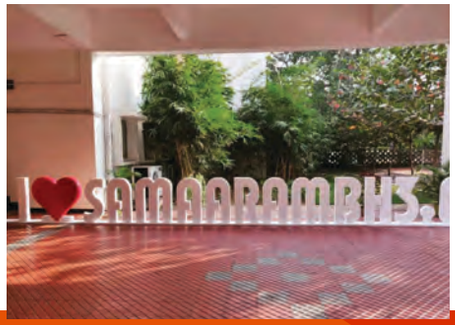

विद्या परं दैवतम्

IIM
भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

4था वार्षिक प्रतिवेदन 2018-2019

विषय-वस्तु

अध्यक्ष का संदेश		2
निदेशक का संदेश		3
1.	शासी निकाय	4
2.	कार्यक्रम	6
3.	कार्यकारी शिक्षा	10
4.	संकाय	11
5.	शोध एवं प्रकाशन	12
6.	उद्यमिता	13
7.	अधोसंरचना	14
8.	पूर्व-छात्र गतिविधियाँ	17
9.	नीति और पहल	18
10.	कार्मिक और प्रशासन	19
11.	वित्तीय स्थिति	20
12.	विवरणियाँ	21
13.	निदेशक की रिपोर्ट	32
14.	लेखा विवरणिया	45

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 1 06/12/2019 19:08:32

अध्यक्ष का संदेश

हरि एस. भरतिया

प्रिय हितधारक और संरक्षक गण,

वर्ष 2018-19 में संस्थान द्वारा प्रगति के पथ में कई महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल किए गए हैं।

विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ-साथ संकाय सदस्यों की संख्या भी वर्ष के दौरान लगभग दोगुनी हो गई है। लगभग 20% विद्यार्थी लड़कियां हैं और लगभग 33% संकाय महिलाएं हैं, जो विविधता के प्रति संस्थान की सजगता दर्शाता है। लगभग 20 राज्यों से आए विद्यार्थियों और लगभग 10 राज्यों से आए संकाय के साथ, संस्थान सच्चे मायनों में राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिनिधित्व करता है।

संस्थान कई मायनों में विशेष, और कई मोर्चों पर प्रथम, है जो इसे अपने समकक्षों की श्रेणी में अग्रणी बनाता है। इसने कम समय में एक अच्छा नाम कमाया है और इसे देश में मूल्यवान शिक्षण संस्थान माना जा रहा है।

विशाखपट्टणम में और उसके आसपास प्रबंधन-शिक्षा के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए संस्थान ने अनुभवी पेशेवरों के लिए पोस्ट-ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू किया है, जिसकी कक्षाओं को सुविधा की दृष्टि से सप्ताहांत में आयोजित किया जाता है। प्रबंधन में नए ज्ञान और शोध पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 2019 से एक नया पीएचडी कार्यक्रम भी प्रारंभ किया जा रहा है। इस प्रकार, संस्थान उम्मीदवारों में प्रबंधन क्षमताओं के निर्माण के लिए अतिरिक्त काम कर रहा है।

वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा पूरे किए गए सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट और एक समान रूप से सक्षम प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म की नियुक्ति है। इसलिए विश्व-स्तरीय परिसर बनाने की प्रक्रिया को गति प्रदान की गई है। प्रस्तावित परिसर पहाड़ियों, घाटियों और जल निकायों के आसपास के परिदृश्य के साथ मिश्रित होगा, स्थानीय कला और वास्तुकला, इतिहास और विरासत को प्रतिबिंबित करेगा। यह भविष्योन्मुख, वैश्विक मानकों के परिवेश और सौंदर्यशास्त्र के साथ ऊर्जा-कुशल और जल-सकारात्मक परिसर होगा। यह परिकल्पना की गई है कि परिसर को एक पौराणिक स्थल का रूप दिया जाएगा।

31 जनवरी, 2018 से आईआईएम अधिनियम 2017 प्रभावी हो गया है। भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया है। जैसा कि अधिनियम में निहित है, संस्थान प्रबंधन शिक्षा, प्रबंधन शोध और ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह समावेशी, न्यायसंगत और सतत राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में अपने प्रयासों को निर्देशित करेगा, इस प्रक्रिया में सामाजिक और लैंगिक समानता को बढ़ावा देगा।

केंद्र और राज्य सरकारें संस्थान के सुचारू कामकाज में महत्वपूर्ण योगदान देती रहती हैं। संस्थान को स्वायत्तता प्रदान करने संस्थान के विकास में हमें और उत्साहजनक समर्थन देने के लिए हम उनके आभारी हैं।

मैं इस अवसर पर भा.प्र.सं. बैंगलोर की मेंटरशिप को धन्यवाद देता हूँ, जो यह सुनिश्चित करता है कि यह संस्थान शिक्षा और शासन में उच्च स्तर के मानकों पर काम करे।

अंत में, मैं यह बताना चाहूंगा कि संस्थान की विभिन्न पहलों को अच्छी तरह सोच-समझकर तैयार किया गया है और एक योग्य शासीमंडल, जिसने वर्ष के दौरान अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्रभार ग्रहण किया है, द्वारा समर्थित हैं। मैं शासी मंडल में अपने सभी साथी सदस्यों को उनके मूल्यवर्धक सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।

निदेशक और शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की उनकी टीम भा.प्र.सं.वि. को एक बेहतरीन संस्थान बनाने की दिशा में उनके प्रयासों के लिए बधाई के पात्र हैं।

मैं सकारात्मक हूं, कि संस्थान अपने उद्देश्य के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता की गहरी भावना के साथ प्रदर्शन के उच्च लक्ष्यों को निर्धारित करते हुए, सरकार, व्यापार और समाज में जो सद्भावना अर्जित कर रहा है, वह उसे सुस्थापित करने में मददगार होगी।

Hari S. Bhartia

हरि एस. भरतिया
अध्यक्ष, शासी मंडल
भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम

दिनाँक: 08 नवं. 2019

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 2 06/12/2019 19:08:32

निदेशक का संदेश

प्रो. एम. चंद्रशेखर

प्रिय महोदय / महोदया,

यह भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम परिवार के लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है कि संस्थान को व्यापक रूप से प्रबंधन शिक्षा में लगे सार्वजनिक संस्थानों की अपनी पीढ़ी के बीच सर्वश्रेष्ठ के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। हमारी स्थापना के केवल चार वर्षों में इस तरह की पूर्व-प्रतिष्ठित स्थिति को प्राप्त करने के कारणों की तलाशने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं है। संस्थान की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के कारण हैं:

एमएचआरडी से समय पर प्राप्त नीति और निधि की सहायता; प्रतिष्ठित शासी मंडल से निरंतर मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और निरीक्षण; भवन और निर्माण समिति के साथ-साथ संस्थान के वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति के बुद्धिमान परामर्श और सक्षम निर्णय; और, विश्व स्तर पर बिजनेस स्कूलों में अग्रणी माने जाने वाले भा.प्र.सं. बैंगलोर की मेंटरशिप।

संस्थान अपनी सभी पहलों और प्रयासों में उत्कृष्टता की खोज में चार 'I' के बल पर अपनी गतिविधियों की प्रकृति और सीमा, गुंजाइश और विशेषज्ञता बढ़ाने में सक्षम हो पाया है; वे हैं Intellectual resources अर्थात उच्च-गुणवत्ता के बौद्धिक संसाधन (संकाय और छात्र); Infrastructural resources अर्थात अवसंरचनात्मक संसाधन (श्रेणी में सर्वोत्तम); Institutional processes यानी संस्थागत प्रक्रियाएं (मजबूत और सुव्यवस्थित); और Investment यानी निवेश (समय, प्रयास और ऊर्जा का)।

संस्थान न केवल विद्यार्थियों के शैक्षिक कौशल पर बल्कि व्यवहारिक कौशल और सामाजिक सरोकार, आत्म-जागरूकता, स्व-विनियमन, सामाजिक जिम्मेदारी, स्थिरता के प्रति संवेदनशीलता, साझा मूल्यों और मानवतावाद के प्रति प्रतिबद्धता की ईमानदारी को बढ़ावा देने पर भी ध्यान दे रहा है।

अपने पाठ्यक्रम की सामग्री को समसामयिक और परिदृश्य को सामयिक बनाते हुए, संस्थान शैक्षिक दृढ़ता की गहराई और व्यापकता बनाए रखने, विद्यार्थियों की सोच और विचारों को व्यापक बनाने और उनकी सहज ज्ञान, सहज बोध, जिज्ञासा, पहल और बुद्धि को तीक्ष्णता प्रदान करने में सक्षम है जो उन्हें नई अंतर्दृष्टि और विचारों की ओर अग्रसर करता है ताकि वे उनकी पूर्वदर्शिता और दूरदर्शिता को संयोजित कर सकें; और उनकी कैरियर संबंधित दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार हो।

परिणामस्वरूप, संस्थान एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और बनाए रखने में सक्षम हो गया है जो उच्च-प्रभाव वाली शिक्षा और शोध परिणामों के लिए अनुकूल है। डिजाइन सोच, समाधान मानसिकता और हितधारकों की प्रसन्नता के प्रति प्रतिबद्धता संस्थान के डीएनए में मजबूती से समाहित हो गई है।

संक्षेप में, हमारे एमबीए कार्यक्रम छात्रों को अकादमिक रूप से उत्कृष्ट; भावनात्मक रूप से विकसित; सामाजिक रूप से संलग्न बनाने और सफलतापूर्वक उभरने में मदद करते हैं। हम नए भारत के सपनों और विकासात्मक लक्ष्यों को साकार करने के लिए सक्षम प्रबंधकों और सक्षम नेतृत्व कर्ताओं का एक पूल प्रदान करने में एक रचनात्मक और योगदानकारी भूमिका निभाते रहेंगे।

एमएचआरडी के अटल समर्थन और शासी मंडल के अध्यक्ष और सदस्यों के प्रेरणादायक ध्येय और नेतृत्व का भरपूर लाभ लेते हुए, संस्थान के प्रयासों को अच्छी सराहना, प्रगति, विकास और सफलता प्राप्त हो रही है। मेरी टीम और मैं, हमारे सभी हितधारकों के सतत विश्वास और भरोसे के प्रति आभार प्रकट करते हैं। इस विकासशील सार्वजनिक संस्था की दृश्यता और जीवंतता; छवि और पहचान; प्रतिष्ठा और लोकप्रियता में वृद्धि ही हमारा सतत प्रयास रहेगा।

प्रो. एम. चंद्रशेखर
निदेशक, भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम

दिनाँकः 08 नवं. 2019

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 3 06/12/2019 19:08:32

1. शासी निकाय (प्रकाशन की तिथि तक अद्यतन)

1.1 शासी मंडल

अध्यक्ष **हरि एस. भरतिया** संस्थापक एवं सह-अध्यक्ष, जुबिलेंट भरतिया समूह	
सदस्य	
संजय कुमार सिन्हा, आईएफएस संयुक्त सचिव (प्रबंधन और भाषा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	जे एस वेंकटेश्वर प्रसाद, आईएएस विशेष मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, आंध्र प्रदेश सरकार
उमा सुधीद्र सुरक्षा रणनीतिकार और संस्थापक और प्रबंध भागीदार गो मैजिक ट्रेल्स; सह-संस्थापक, मैं हर महिला हूं	प्रसाद दाहपुते प्रबंध निदेशक द वरहद ग्रुप
सतीश रेड्डी अध्यक्ष डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज़	नौशाद डी फोर्ब्स सह-अध्यक्ष फोर्ब्स मार्शल ग्रुप ऑफ कंपनीज
जी रघुराम निदेशक भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर	राजीव कपूर, आईएएस (सेवानिवृत्त) पूर्व सचिव, भारत सरकार और पूर्व निदेशक, LBSNAA
मालविका हरिता प्रतिष्ठित पूर्व-छात्रा, भा.प्र.सं. बैंगलोर संस्थापक, ब्रांड सर्कल	अमिता चटर्जी प्रबंधक ट्रस्टी, एकम फाउंडेशन मुंबई
एम चंद्रशेखर निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखपट्टणम	

कलीम वी खान, सचिव शासी मंडल, भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम

1.2 भवन निर्माण एवं कार्य समिति

अध्यक्ष

सतीश रेड्डी

अध्यक्ष, डॉ. रेड्डीज लैब्स और सदस्य (शासी मंडल), भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम

सदस्य

लिगी फिलिप प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग डीन (नियोजन), IIT मद्रास	राजीव मिश्रा प्राचार्य, सर जे जे स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर मुंबई विश्वविद्यालय
वी नागदेवरा पूर्व प्रोफेसर, डीन और अध्यक्ष, भवन निर्माण समिति, भा.प्र.सं. बैंगलोर	पी. कोटेश्वर राव, आईएएस महानगर आयुक्त, विशाखपट्टणम महानगरीय क्षेत्र विकास प्राधिकरण
एम चंद्रशेखर निदेशक, भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम	अमित बरन चक्रवर्ती सहायक प्रोफेसर, भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
साईकृष्ण राजू परियोजना प्रमुख भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम (सदस्य-संयोजक)	आमंत्रित व्यक्तिः सुशांत बालिगा (पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक, CPWD) सलाहकार (भवन निर्माण एवं कार्य), भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 4 06/12/2019 19:08:32

1.3 वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति

अध्यक्ष

अमिता चटर्जी

प्रबंधक ट्रस्टी, एकम फाउंडेशन मुंबई और सदस्य, शासी मंडल, भा.प्र.सं.विशाखपट्टणम

सदस्य

दर्शना एम डबराल संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार एमएचआरडी, भारत सरकार	पद्मिनी श्रीनिवासन सह-प्राध्यापक (वित्त और लेखा) भा.प्र.सं. बैंगलोर
ए राधा कृष्ण वित्तीय नियंत्रक और कंपनी सचिव बार्कलेज़ शेअर्ड सर्विसेस	श्रीनिवास कुमार अलामुरु, आईए एण्ड एएस (सेवानिवृत्त) पूर्व महालेखाकार (ए एण्ड ई), आंध्र प्रदेश
एम चंद्रशेखर निदेशक भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम	सी पी विट्टल प्रबंधक (वित्त और लेखा) भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम (सदस्य-संयोजक)

शासी मंडल, भवन निर्माण और कार्य समिति और वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति की बैठकों का विस्तार **विवरणी 1** में दिया गया है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 5 06/12/2019 19:08:32

2. कार्यक्रम

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखपट्टणम वर्तमान में दो लंबी अवधि के कार्यक्रम प्रदान करता है - प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PGP) और अनुभवी पेशेवरों के लिए व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (PGCEP)। PGCEP का पहला बैच ०६ अक्टूबर, 2018 से शुरू हुआ।

2.1 प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PGP)

दो साल के पूर्णकालिक आवासीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), छात्रों को एक तेजी से जटिल और गतिशील बन रहे वैश्विक परिदृश्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया है। एक वर्ष में तीन सत्रों और दो साल के मध्य में एक ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षुता के साथ, यह कार्यक्रम वैचारिक और विश्लेषणात्मक तर्क की नींव रखता है और छात्रों को व्यावसायिक वातावरण की गतिशीलता पर एक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

2.1.1 शैक्षणिक

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखपट्टणम का एमबीए पाठ्यक्रम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पाठ्यक्रमों के अनुसार तैयार किया गया है, जो यह सुनिश्चित करता है कि विद्यार्थियों को भारतीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित रखते हुए इस संस्थान के गतिशील शैक्षणिक प्रथाओं के आधार पर विश्व स्तरीय व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाए। यह पाठ्यक्रम असाधारण विद्यार्थियों के समूह को गतिशील व्यावसायिक लीडर्स में विकसित करने पर केंद्रित है, जहाँ विशिष्ट संकाय के मार्गदर्शन और विभिन्न शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, और प्रख्यात व्यक्तित्वों के अतिथि व्याख्यान द्वारा भी विद्यार्थियों को प्रबुद्ध किया जाता है।

पाठ्यक्रमों को व्याख्यान, कक्षा में चर्चा, केस स्टडी, व्यक्तिगत और समूह परियोजनाओं, टर्म पेपर, भूमिका निर्वाह, व्यावसायिक कार्यक्रम आदि के संयोजन के माध्यम से वितरित और मूल्यांकित किया जाता है।

2018-20 में कुल 105 विद्यार्थियों को पीजीपी बैच में प्रवेश दिया गया था जिनमें 17 अनुसूचित जाति के विद्यार्थी, 18 महिला विद्यार्थी, 74 कार्य अनुभव वाले विद्यार्थी और 99 इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के विद्यार्थी थे।

2018-19 के दौरान, 35 वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए गए थे। पाठ्यक्रमों की सूची को **विवरणी 2** के रूप में जोड़ा गया है।

2.1.2 अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर अंतर्दृष्टि प्रदान करना है। कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में वैकल्पिक पाठ्यक्रम 'बिजनेस प्लानिंग एण्ड इंटरनेशनल मार्केट्स' के एक भाग के रूप में, छात्र व्यवसाय और उद्योग पर केंद्रित व्याख्यानों में भाग लेते हैं। इसके अलावा, जापान / दुबई की अपनी अध्ययन यात्रा के दौरान, वे स्थानीय चुनौतियों और अवसरों से खुद को परिचित कराते हैं। छात्रों को देश चुनने का मौका मिलता है। यह यात्रा अगस्त - सितंबर 2018 में सात दिनों के अंतराल के दौरान आयोजित की गयी थी। यह पूरी तरह से संस्थान द्वारा वित्त पोषित की गयी थी। इस यात्रा में शैक्षिक और औद्योगिक क्षेत्र के लोगों से बातचीत, ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा और अन्य शिक्षा संबंधित गतिविधियाँ शामिल हैं। यात्रा से लौटने के बाद, प्रत्येक छात्र को एक रिपोर्ट और महत्वपूर्ण सीखों पर प्रस्तुति देनी होती है।

2.1.3 निदेशक की वरीयता सूची

पहले वर्ष के अंत में शैक्षणिक प्रदर्शन (CGPA) के आधार पर बैच के शीर्ष 5% छात्रों को निदेशक की योग्यता सूची में शामिल किया जाता है। पीजीपी 2018-20 के आठ विद्यार्थियों को निदेशक की वरीयता सूची के लिए चुना गया था। प्रत्येक छात्र को रू. 5,000 मूल्य की पुस्तकों का अनुदान और योग्यता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

2.1.4 वरीयता प्रमाण पत्र

जो विद्यार्थी 1, 2 और 3 सत्र के अंत में शैक्षणिक प्रदर्शन (TGPA) के आधार पर पहले स्थान पर हैं, उन्हें वरीयता प्रमाणपत्र सूची में शामिल किया जाता है। पीजीपी 2018-20 के प्रत्येक सत्र के सात विद्यार्थियों को वरीयता प्रमाणपत्र के लिए चुना जाता है। प्रत्येक छात्र को रू. 3000/- का पुस्तक अनुदान और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है।

2.1.5 आर्थिक सहायता

संस्थान जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करता है। आर्थिक सहायता नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संस्थान में कोई भी विद्यार्थी आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे। वे सभी विद्यार्थी जिनकी वार्षिक घरेलू आय रू. 6,00,000 से कम है, वे आवेदन करने के पात्र हैं। गंभीर वित्तीय कठिनाइयों वाले अन्य विद्यार्थियों पर भी विचार किया जाता है।

आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या और

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 6 06/12/2019 19:08:32

सहायता की मात्रा तय करने के लिए वित्तीय सहायता समिति दो-चरणीय प्रक्रिया का पालन करती है। पहले चरण में, आवेदकों का दो मानदंडों पर मूल्यांकन किया जाता है - आय (भा.प्र.सं.वि. में शामिल होने से पहले परिवार की व्यक्तिगत आय) और बकाया ऋण (बशर्ते इसे अन्य किसी विशिष्ट उपभोग के लिए न लिया गया हो)। इस मूल्यांकन के आधार पर, उन्हें संकाय पैनल के साथ निजी पारस्परिक चर्चा के लिए बुलाया जाता है।

इन चर्चाओं के दौरान, संकाय पैनल आवेदकों का श्रेणी क्रम निर्धारित करने के लिए प्रत्येक आवेदक की तरलता, ऋण-पात्रता और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करता है। इन मापदंडों पर आधारित औसत अंकों के आधार पर, समिति की सिफारिशों के अनुसार आवेदकों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान, कार्यक्रम शुल्क में छूट और जीवनयापन सहायता के रूप में 9 विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता के रूप में रू. 33.60 की राशि उपलब्ध कराई गई थी।

लाभार्थियों के वर्गीकरण नीचे दिया गया है:

आर्थिक सहायता 2018-19			
श्रेणी	**आवेदन**	**स्वीकृत**	**स्वीकृत राशि (रू.)**
अनुसूचित जाति	05	02	
दिव्यांग	00	00	
एन.सी.-ओ.बी.सी.	08	04	
सामान्य	07	03	
कुल	**20**	**09**	रू. 33,60,000

2.1.6 उपाधि वितरण

30 मार्च 2019 को आयोजित तृतीय वार्षिक दीक्षांत समारोह में 61 छात्रों ने एमबीए की उपाधि प्राप्त की। 61 विद्यार्थियों में से, 55 को व्यक्तिगत रूप से और 5 को अनुपस्थित में उपाधि प्रदान की गई। श्री एम. वेंकैया नायडू, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। श्री हरि एस. भरतिया, अध्यक्ष, शासी मंडल ने सभा को संबोधित किया और भा.प्र.सं.वि. के निदेशक प्रोफेसर एम. चंद्रशेखर ने निदेशक की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

गिरीश मेनन ने प्रथम रैंक के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त किया, पारुल चौधरी को द्वितीय रैंक के लिए गोल्ड मेडल मिला, पोचमपल्ली कार्थिक कौन्डिन्या ने सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए पुरस्कार जीता। पारुल चौधरी ने वाणी रो मेमोरियल गोल्ड मेडल (बालिकाओं में प्रथम रैंक) भी जीता। पुरस्कार भारत के माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए गए।

2.1.7 स्थानन

कैरियर विकास सेवाएं (सीडीएस) कार्यालय ने स्थानन समिति के समन्वय से वर्ष के दौरान ग्रीष्मकालीन और अंतिम स्थानन सुविधा प्रदान की।

2.1.8 ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षुता – पीजीपी 2018-20

उद्योग में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले पिछले बैचों की सफलता से प्रभावित होकर, भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम के चौथे बैच को उद्योग का उत्साहित करने वाला समर्थन प्राप्त हुआ, जिसमें सभी 103 भाग लेने वाले विद्यार्थियों को वैतनिक अंतःशिक्षुता प्राप्त हुई। एक विद्यार्थी ने प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना।

उच्चतम वजीफा रु.2.50 लाख का था। शीर्ष चतुर्थांश का औसत वजीफा रू.93,200/- था। जबकि पूरे बैच का औसत रू.50,630/- था जो पिछले सभी रिकॉर्डों से बढ़कर था।

प्रमुख भूमिकाओं में विक्रय और विपणन (34%), सामान्य प्रबंधन (23%), रणनीति और सलाह (19%), और ग्राहक संबंध प्रबंधन (15%) की पेशकश की गई। वित्त, संचालन और उत्पाद प्रबंधन भूमिकाएं 9% थी।

2.1.9 अंतिम स्थानन – पीजीपी 2017-19

सतत सफलता भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम में जीने का एक तरीका है। शुरुआत के मात्र तीन वर्ष में, संस्थान ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए, पीजीपी 2017-19 के स्नातक बैच के लिए 100% स्थानन प्राप्त किया। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद,विद्यार्थी समुदाय ऊंची उम्मीदों पर खरा उतरा और परिसर आने वाली प्रसिद्ध कंपनियों से समृद्ध प्रोफाइल और आला भूमिकाओं के साथ आकर्षक प्रस्ताव प्राप्त किए। इस प्रकार उद्योग जगत ने भी विविध और समृद्ध प्रोफाइल वाली आला भूमिकाएं प्रदान करके अपने समर्थन को स्पष्ट कर दिया।

भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम की अंतिम स्थानन प्रक्रिया रोलिंग के आधार पर कैंपस में आयोजित की गई थी, और संस्थान के विद्यार्थियों को इस प्रक्रिया में भाग लेने वाली 50 कंपनियों से कई प्रस्ताव प्राप्त हुए। 60 पात्र छात्रों में से, 4 छात्रों ने अपने स्थानन को अगले साल तक स्थगित करने का अनुरोध किया।

शीर्ष 25% प्रस्तावों का औसत वेतन रु.17.07 लाख प्रति वर्ष, और शीर्ष 50% का औसत वेतन रु.14.82 लाख प्रति वर्ष था। संपूर्ण बैच का औसत वेतन रु.12.61 लाख प्रति वर्ष जबकि मध्यिका रु.12.00 लाख प्रति वर्ष और उच्चतम वेतन रु.22.00 लाख प्रति वर्ष रहा। बैच ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए और नए बेंचमार्क स्थापित किए।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 7 06/12/2019 19:08:32

प्रमुख भूमिकाओं में ऑटोमोबाइल (1.8%), BFSI (25.0%), केमिकल (1.8%), कांग्लोमरेट (7.1%), कंसल्टिंग (10.7%), एनर्जी (8.9%), FMCG (1.8%), सरकार (1.8%), हॉस्पिटैलिटी (3.6%), इन्फ्रास्ट्रक्चर 3.6%), IT / ITES (25.0%), लग्जरी गुड्स (3.6%), मैन्युफैक्चरिंग (1.8%), मार्केट रिसर्च (1.8%) और माइनिंग (1.8%) थीं।

2.1.10 विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- श्री साई गणेश, के सुथेश और लक्ष्मी प्रिया एसजे की टीम कंसल्टिंग ज़ार, ध्रुव 19, एक केस स्टडी प्रतियोगिता में नेशनल फाइनलिस्ट थी जिसका आयोजन कांसुलेट - आईआईएम त्रिची के रणनीति और परामर्श समूह द्वारा किया गया था।
- जॉयदीप दत्ता और अभिषेक कुमार ब्लैककॉफ़र इनसाइट्स 8.0 में बिग डेटा एंड एनालिटिक्स पर लेख लेखन प्रतियोगिता के विजेता थे।
- जॉयदीप दत्ता और अभिषेक कुमार डेटा एनालिटिक्स पर केस स्टडी के विजेता थे, जिसका संचालन 'परिवैशक 2019' द्वारा आईआईएम रायपुर में किया गया था।
- बैभव सिंह राजपूत, सयाली बाटले और अनुभव चतुर्वेदी, के जे सोमैया इंस्टीट्यूट, मुंबई में 'अबकी बार' द्वारा संचालित सिमुलेशन ऑफ पोलिटिकल मार्केटिंग एण्ड पीआर कैंपेन के नेशनल फाइनलिस्ट थे।
- बैभव सिंह राजपूत, सयाली बाटले और अनुभव चतुर्वेदी आईएफएमआर ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस, बेंगलुरु द्वारा संचालित 'विपणन - मोस्ट वांटेड', (अभ्युदय १९ का एक विपणन कार्यक्रम) के नेशनल फाइनलिस्ट थे।
- बैभव सिंह राजपूत और अनुभव चतुर्वेदी एक्सआईएमबी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 'केस ज़ार' 2019 में शीर्ष 10 में शामिल थे।
- वैभव सिंह राजपूत और अनुभव चतुर्वेदी बिट्स पिलानी हैदराबाद कैंपस द्वारा संचालित 'वॉल स्ट्रीट बिजनेस चैलेंज' के विजेता थे और इंटर्नशिप ऑफर भी जीते।
- मोहित गनीगर, राहुल प्रसाद और भारती गोयल, आईआईएम नागपुर द्वारा आयोजित एन्ट्री-प्रिन्योरशिप (ए केस स्टडी प्रतियोगिता) में उपविजेता थे।
- वेमुरी कृष्ण चैतन्य, गणदीप अप्पारी और श्रवण कुमार, 'रणभूमि 2019' - आईआईएम काशीपुर का परामर्श और रणनीति क्लब-कंसिलियम द्वारा आयोजित एक केस स्टडी प्रतियोगिता में नेशनल फाइनलिस्ट थे।
- अरिजीत घोष और अनुभव चतुर्वेदी, एफएमएस दिल्ली के ई-सेल की वार्षिक पत्रिका में एक लेख लेखन प्रतियोगिता, एंट्रोस्पेक्टिव में विजेता थे।
- जॉयदीप दत्ता आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित एक राष्ट्रव्यापी डेटा एनालिटिक्स प्रतियोगिता 'टेक ट्रॉनिक्स' में द्वितीय रनर अप थे।
- हिमांत एसारापू, एलक्किया नेदुन्चेज़ियन, शांथन निम्मागड्डा और कड्डा निजा, कॉर्पोरेट बिजनेस क्विज़ टाटा क्रूसिबल विजाग के फाइनलिस्ट थे।
- सौरभ यादव मुंबई में के जे सोमैया इंस्टीट्यूट में फोर्से (FORSE) ऑपरेशंस मैगज़ीन 'मोमेंटम' - एक लेख लेखन प्रतियोगिता के विजेता थे।
- श्रीहर्षा पलवाडी ने ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ रिस्क प्रोफेशनल्स द्वारा आयोजित एफआरएम लेवल १ परीक्षा उत्तीर्ण की।
- अभिनव आकाश, रोहित रस्तोगी और वैभव राज एल एंड टी आउटथिंक 2018 के राष्ट्रीय फाइनलिस्ट थे।
- केवीएस प्रणव कुमार, आदित्य आनंद लाल गोगिकर, पोचमपल्ली कार्तिक कौंडिन्या, सुमित सौरव और गिरीश मेनन CFA इंस्टिट्यूट रिसर्च चैलेंज के जोनल फाइनलिस्ट थे।
- तेजस्वी वीरमचानेनी और आदिश भंडारी ने फ़्लिप नेशनल चैलेंज 2018 में राष्ट्रीय स्तर पर ६वां और 28वां स्थान हासिल किया।
- नावासाई कृष्णा अलापार्थी, जी एस मोहित और सूरज जेम्स, आईएसबी, हैदराबाद द्वारा आयोजित स्ट्रैटोस्फीयर (केस प्रतियोगिता), अद्वैत-2018 में नेशनल फाइनलिस्ट थे।
- अभिनव आकाश, अरिजीत घोष, बैभव कुमार सिंह, प्रेक्षा पालीवाल, सयाली बाटले, भावना वोंटेदु, सौरभ यादव, राहुल प्रसाद और आदित्य आनंद लाल गोगिकर यस बैंक ट्रांसफॉर्मेशन सीरीज़ 2018 में कैंपस विजेता थे।
- कुणाल अहिरवाल आईआईएम शिलॉन्ग द्वारा आयोजित एक लेख लेखन प्रतियोगिता, आई२आई मार्केथोन में विजेता थे।

- मानसी गुप्ता और नावासाई कृष्णा अल्पारी ने आईआईएम बैंगलोर में जीईएलएफ लाइफ चैलेंज, विस्टा 2018 में द्वितीय स्थान हासिल किया।
- मयूर भोसले टीम नॉनीस, द लिटररी क्लब ऑफ एनएमआईएमएस हैदराबाद द्वारा आयोजित 2रे रनर अप (महीने के लेखक) थे।
- पवन कुमार ने टर्बो मेक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में समर 2018 के लिए बेस्ट इंटर्न अवार्ड प्राप्त किया।
- मधु अरविंद स्टालिन और श्रीहर्षा पलवाड़ी ने जून 2018 में सीएफए लेवल 1 परीक्षा उत्तीर्ण की।
- अरिजीत घोष और तनवीर सिंह, एक्सआईएमबी द्वारा संचालित अश्वमेध 18 में व्हाइट पेपर प्रतियोगिता के प्रथम रनर अप थे।

2.1.11 विभिन्न विद्यार्थी क्लबों द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उन्नति के लिए व्यवसाय, खेल, सांस्कृतिक दृष्टिकोण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न विद्यार्थी क्लब बनाए गए हैं। इन क्लबों द्वारा आयोजित कुछ प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- बिज़नेस क्लब ने 28 अक्टूबर, 2018 को अपने बिजनेस फेस्ट कॉनफ्लक्स 3.0 का आयोजन किया।
- कल्चरल क्लब ने 15-16 दिसंबर, 2018 को अपने तीसरे सांस्कृतिक उत्सव, समारंभ 3.0 का आयोजन किया।
- आंध्र प्रदेश इनोवेशन सोसाइटी (आ.प्र. सरकार) के सहयोग से ईपीआईसी क्लब ने 27 जनवरी 2019 को एक्सॉर्डिया 3.0 का आयोजन किया।

2.2 अनुभवी पेशेवरों के लिए व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (PGCEP)

संस्थान के बहुप्रतीक्षित एमबीए प्रोग्राम के अतिरिक्त, भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम ने 6 अक्टूबर, 2018 को अनुभवी पेशेवरों के लिए व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (PGCEP) शुरू किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्रीय उद्योग को एक विश्व स्तरीय उत्कृष्ट ज्ञान और संसाधन प्रदान करने के संस्थान के लक्ष्य में सहयोग करना है। इस प्रकार यह PGCEP पाठ्यक्रम विशाखपट्टणम और उसके आसपास के पेशेवरों की एक बड़ी आबादी को लाभान्वित कर रहा है, जो उच्च गुणवत्ता की प्रबंधन शिक्षा पाने की आकांक्षा रखते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य उनकी शिक्षा को उन्नत बनाना और सफल प्रबंधकों और उद्यमियों के रूप में उनके योगदान का समर्थन करना है।

2.2.1 शैक्षणिक

कार्यक्रम में सप्ताहांत पर कुल 252 घंटे की कक्षा आधारित प्रशिक्षण के साथ 21 पाठ्यक्रम शामिल हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से संपर्क के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम, वैश्विक व्यापार की सर्वोत्तम प्रथाएं; और भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम पूर्व छात्र स्थिति सहित पाठ्यक्रम ३ सत्रों (15 महीने) में विभाजित है।

कुल 33 छात्रों को 2018 के PGCEP बैच में प्रवेश दिया गया था। PGCEP कार्यक्रम में पेश किए जा रहे पाठ्यक्रमों की सूची **विवरणी 3** में देखी जा सकती है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 9 06/12/2019 19:08:33

3. कार्यकारी शिक्षा

संस्थान की विभिन्न प्रकार के कस्टम और ओपन कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश करने की महत्वाकांक्षी योजना है। जैसा कि भा.प्र.सं. अधिनियम 2017 के उद्देश्यों में निहित है, संस्थान का उद्देश्य ऐसे नेतृत्व को शिक्षित और समर्थन देना है जो निजी, सार्वजनिक और सामाजिक क्षेत्रों में मौजूदा और उभरते उद्यमों के पेशेवर प्रबंधकों, उद्यमियों और स्टेवार्ड के रूप में योगदान दे सकते हैं; उच्च गुणवत्ता की प्रबंधन शिक्षा प्रदान करना और ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों के साथ-साथ अंतःविषय अध्ययन को बढ़ावा देना; सामाजिक और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों का समर्थन और विकास करना; शैक्षिक कार्यक्रमों और संकायों को विकसित करना, जो शिक्षा, शिक्षण और अधिगम के कारणों को आगे बढ़ाएं।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 10 06/12/2019 19:08:33

4. संकाय

संस्थान ने उच्च स्तर और प्रभावशाली शिक्षण और मान्यता प्राप्त शोध वाले संकाय सदस्यों की सक्रिय भर्ती करने की अपनी गतिविधियां जारी रखीं है। संरक्षक संस्थान आईआईएम बैंगलोर के समर्थन, मार्गदर्शन के साथ संस्थान ने संकाय भर्ती के दूसरे दौर को पूरा किया और पाँच संकाय सदस्यों को सहायक / एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में चुना जो वित्त वर्ष 2018-19 से संस्थान में शामिल हो गए, जबकि एक संकाय सदस्य जो 2017-18 के दौरान भा.प्र.सं. कलकत्ता से ग्रहणाधिकार में थे, वापस चले गए। इसके साथ, संस्थान के पास वित्त वर्ष 2018-19 के अंत तक कुल 13 संकाय सदस्य रहे। संस्थान की एक महत्वाकांक्षी योजना नियमित आधार पर सक्षम संकाय को भर्ती करने और बनाए रखने की है।

4.1 नियुक्तियाँ

- डॉ. मिलन कुमार को, 20 अप्रैल, 2018 को, उत्पादन और संचालन प्रबंधन क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. दीपिका गुप्ता को, 13 जून, 2018 को, कॉर्पोरेट रणनीति क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. भार्गव चट्टोपाध्याय को, 08 जनवरी, 2019 को, निर्णय विज्ञान क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. विनय रमनी को, 18 जनवरी, 2019 को, अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. बिशाखा मजुमदार को, 01 मार्च, 2019 को, संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।

4.2 त्यागपत्र

डॉ. निमरूजी प्रसाद जे. एसोसिएट प्रोफेसर, 23 अगस्त, 2018 को, जो भा.प्र.सं. कलकत्ता से ग्रहणाधिकार में आए थे, वापस चले गए।

उपरोक्त के अलावा, भा.प्र.सं. बैंगलोर से एवं अन्य चयनित पूर्णकालिक / सहायक / अभ्यागत संकाय और गैर-संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों को पढ़ाया गया। संकाय सदस्यों की एक सूची **विवरणी 4** में दी गई है।

4.3 अतिथि व्याख्यान

संस्थान उद्योगपतियों, शिक्षाविदों और सरकारी अधिकारियों द्वारा यहाँ दिए जाने वाले उच्च गुणवत्ता युक्त अतिथि व्याख्यानों पर गर्व महसूस करता है। अतिथि व्याख्यान विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट दुनिया की गतिशीलता को समझने की प्रक्रिया के पूरक हैं।

वर्ष के दौरान आयोजित अतिथि व्याख्यान की सूची **विवरणी 5** के रूप में संलग्न है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 11 06/12/2019 19:08:33

5. शोध एवं प्रकाशन

संस्थान के संकाय नियमित रोल पर आने के साथ ही, संस्थान ने अपने शोध कार्यों में कर्षण प्राप्त किया है। संस्थान के संकाय ने समय-समय पर अपने उत्कृष्ट शोध के माध्यम से विद्वानों के शोध प्रकाशनों में अपना योगदान दिया है। इसके अलावा, उनके पास परामर्श के अवसर थे। उनका शोध परिणाम इस प्रकार है:

प्रकाशन - शोध पत्र

- चक्रवर्ती, ए बी; और मोंडल, ए. (आगामी), 'दि इफेक्ट ऑफ इंस्टीट्यूशनल ट्रांजीशन ऑन एंटरप्रिनुरियल ओरिएंटेशन ऑफ फेमिली बिज़नेसः एविडेंस फ्राम इंडिया", इंटरनेशनल जर्ननल ऑफ एंटरप्रिनुरियल बिहेवियर एण्ड रिसर्च [ABDC (B)]
- जावेद, एम. एस.; और कुमार, के. के. (स्वीकृति मई 2018), "स्टॉक लिक्विडिटि एण्ड फर्म वेल्यूः एविडेंस फ्राम अ पॉलिसी एक्सपेरिमेंट इन इंडिया", इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ फाइनोंस, DOI: 10.1111/irfi.12200 [ABDC (A)]
- कावेरी, के.; बासु, संकरशन; और थम्पी, अशोक. (स्वीकृत), "हैज़ द ग्लोबल फाइनेंसियल क्राइसिस चेंज्ड द मार्केट रिस्पॉन्स टू क्रेडिट रेटिंग्स? एविडेंस फ्राम एन इमर्जिंग मार्केट", जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट फाइनांस. [ABDC (B)]
- शर्मा, अनुपमा (स्वीकृत), "वर्क एंगेजमेंट, जॉब क्राफ्टिंग एण्ड इन्नोवेटिवनेस इन दि इंडियन आईटी इंडस्ट्री" पर्सोनेल रिव्यू [ABDC (A)]
- गुप्ता, दीपिका; वेलियथ आर.; और जॉर्ज, आर. (2018), "इन्फ्लूएंस ऑफ नेशनल कल्चर ऑन आईपीओ एक्टिविटी, जर्नल ऑफ बिज़नेस रिसर्च, सित. (2018), 226-246 [ABDC (A)]
- जावेद, एम. एस. (मार्च 2019); द सेक्टोरल इफेक्ट ऑफ डिमॉनेटाइजेशन ऑन दि इकोनॉमीः एविडेंस फ्राम अर्ली रिएक्शन ऑफ दि इंडियन स्टॉक मार्केट" कोजेंट इकोनॉमिक्स एण्ड फाइनांस [ABDC (B)]

कॉन्फ्रेंस पेपर प्रस्तुति

- गुप्ता, दीपिका; कुमार, के.; और जॉर्ज, आर. 'इन्फ्लुएंस ऑफ इंटरनल कार्पोरेट गवर्नेंस मेकनिज्म ऑन यूज ऑफ आईपीओ प्रोसीड्स बाय इंडियन फर्म्स', दि अकेडेमी ऑफ मेनेजमेंट (स्ट्रेटेजिक मेनेजमेंट डिविजन) की शिकागो, इलिनॉइस, यूएसए, मे आयोजित ७८वी वार्षिक सभा में प्रस्तुत, अगस्त 10-14, 2018.
- कावेरी, के.; "डज़ प्रोडक्ट मार्केट कॉम्पिटीशन अफेक्ट एनालिसिस' टारगेट प्राइज प्रापर्टी?" मिडवेस्ट रीज़न मीटिंग ऑफ दि अमेरिकन अकाउंटिंग एसोसिएशन (AAA) में प्रस्तुत, अक्टू. 4-6, 2018, इंडियनपॉलिस, इंडियाना.

प्रो. दीपिका गुप्ता को जर्नल ऑफ बिज़नेस रिसर्च में (मार्च 2019) समीक्षा भेजने पर एल्सेवियर समीक्षक मान्यता प्रमाणपत्र पुरस्कार भी मिला।

प्रो अमित बरन चक्रवर्ती को, 26/9/2018 को, कॉर्पोरेट मामले मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक शोध परियोजना - 'कॉरपोरेट्स का प्रदर्शनः भारत में विभिन्न स्वामित्व श्रेणियों की फर्म का प्रदर्शन', मूल्य रु.8.30 लाख (GST बगैर) से सम्मानित किया गया है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 12 06/12/2019 19:08:33

6. उद्यमिता

आईआईएम विशाखपट्टणम समग्र रूप से राष्ट्र के और विशेष रूप से आंध्र प्रदेश राज्य के समावेशी और न्यायसंगत विकास के अतिव्यापी लक्ष्य के प्रति अपना योगदान देने के लिए एक रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसे देखते हुए, संस्थान इस क्षेत्र में महिलाओं के स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए भा.प्र.सं. बैंगलोर (IIMB) में एन एस राघवन सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरियल लर्निंग (NSRCEL) के साथ साझेदारी कर रहा है। यह परिकल्पना की गई है कि इस कार्यक्रम से क्षेत्र की महिलाओं को अपने उद्यम शुरू करने और बढ़ने में मदद मिलेगी। संस्थान आंध्र विश्वविद्यालय में अपने अस्थायी परिसर में इन्क्यूबेशन सुविधा प्रदान कर रहा है। यह कार्यक्रम भा.प्र.सं.बैं. द्वारा वित्त पोषित है, जिसे गोल्डमैन सैक, एक वैश्विक निवेश बैंक और भारत में सक्रिय निवेशक, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), भारत सरकार द्वारा सहयोग दिया जा रहा है।

2018 की शुरूआत में, भा.प्र.सं. बैंगलोर के महिला स्टार्टअप कार्यक्रम (WSP) की शुरूआत ने अपने 'डू योर वेंचर' मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) के माध्यम से देश भर की 6000 से अधिक महिला प्रतिभागियों (एपी / टीएस क्षेत्र से 1500+) को प्रशिक्षित किया। इसके बाद, 300 महिला उद्यमियों को भागीदार परिसरों (भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम उनमें से एक है) में आयोजित एक बूट शिविर के लिए चयनित किया गया, जहां उन्हें संचार, ग्राहक संपर्क और विचार सत्यापन पर कक्षा निर्देश मिले। 300 उम्मीदवारों से, 100 आवेदकों को भा.प्र.सं.बैंगलूर परिसर में १० दिवसीय बूट शिविर के लिए चुना गया, जहां उन्हें व्यवसाय योजना विकसित करने, लागत और मूल्य निर्धारण, बिक्री और विपणन, और बातचीत कौशल को समझने के लिए कक्षा निर्देश प्राप्त हुए। कार्यक्रम के अंतिम चरण में, शीर्ष 100 महिलाओं में से 25 (आ.प्र. / तेलंगाना क्षेत्र से) ने भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम में एक साल के लिए अपने व्यावसायिक विचारों को पोषित किया।

इन्क्यूबेशन चरण के दौरान, प्रतिभागियों को एक पखवाड़े में अपनी प्रगति की रिपोर्ट देनी थी। ये बैठकें व्यक्तिगत और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुईं। इन्क्यूबेशन के दौरान उपलब्ध कराए गए प्रमुख संसाधनः

- भा.प्र.सं.वि. संकाय, पूर्व छात्रों और प्रतिष्ठित उद्योग पेशेवरों द्वारा संरचित और आवधिक मार्गदर्शन सहायता।
- कई स्टार्ट-अप मेंटर्स (NSRCEL), उद्योग प्रतिनिधियों, उद्यमियों और CXO, प्रोफेसर्स और भा.प्र.सं. के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के साथ नियमित बातचीत।
- भा.प्र.सं.वि. से इन्क्यूबेशन के एक वर्ष की अवधि तक प्रति माह रू.30,000 / -
- उनके एमवीपी को विकसित करने के लिए एक प्रतिस्पर्धी प्रोटोटाइप विकास ग्रांट।
- विशाखपट्टणम और हैदराबाद दोनों में सभी आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के उपयोग के साथ ऑफिस स्पेस।
- भा.प्र.सं.वि. में व्यापक पुस्तकालय संसाधनों तक पहुँच (भौतिक पुस्तकालय सूची, ई-पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएँ और डेटाबेस)
- अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के साथ बैठक कक्ष
- इन्क्यूबेशन चरण के दौरान संरचित मेंटरशिप और बौद्धिक सहायता
- मीडिया कवरेज और प्रदर्शनी

भा.प्र.सं.वि. में उनके एक साल के इन्क्यूबेशन के दौरान समूह ने सफलता की कई कहानियां लिखी हैं। उन उपलब्धियों में से कुछ नीचे दी गई हैं:

- इनक्यूबेटेड पहल में से एक को दिसंबर 2018 में शेल फाउंडेशन और डीएसटी-जीओआई (जोनस्टाट 'अप द्वारा समर्थित एनर्जी एंटरप्रेन्योर्स) द्वारा यूएसडी 10,000 और एक्सिलेटर सपोर्ट की सीड फंडिंग प्राप्त हुई।
- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में पैसा बाजार फिंटरगेट ज़ोन 2019 द्वारा आयोजित "फिनटेक एम्पावर डेमो नाइट" कार्यक्रम में एक उद्यमी को ट ॉप टेन वेंचर के बीच चयनित किया गया था।
- इन्क्युबेटेड उद्यमों में से एक अपने प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट-स्केल डेमो प्लांट के प्रोटोटाइप के लिए लगभग रू.1.8 करोड़ के क्ष्क्रख स्टार्ट-अप समर्थन कार्यक्रम के अंतिम दौर तक गया।
- इन्क्युबेटेड उद्यमों का उच्चतम मासिक व्यापार कारोबार रुपये 13.0 लाख तक गया।
- इनक्यूबेटेड प्रयासों में से एक APIS, विशाखपट्टणम द्वारा आयोजित एक निवेशक पिच कार्यक्रम "ARISE" में शीर्ष 4 स्टार्ट-अप के बीच चुना गया था।
- इज़राइल में एक डीएसटी प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम के लिए चुने गए आठ में से दो इनक्यूबेटीस भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम के थे।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 13 06/12/2019 19:08:33

प्रतिभागियों को PGP (MBA) छात्रों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। WSP कार्यालय विद्यार्थियों द्वारा संचालित एंट्राप्रिन्योरियल पैशन एंड इनोवेशन क्लब (EPIC) और स्टार्ट-अप के साथ मिलकर PGP छात्रों को व्यावसायिक प्रतियोगिताओं, परामर्श कार्य, लाइव प्रोजेक्ट, अंश-कालिक अंतःशिक्षुता आदि माध्यम से स्टार्ट-अप द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न चुनौतियों पर काम करने का अवसर देता है। इसने दोनों के बीच एक अनोखा तालमेल बिठाया गया ताकि स्टार्ट-अप्स को अपनी प्रबंधकीय चुनौतियों में से कुछ को हल करने के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों का समर्थन मिला। जबकि छात्रों को काम शुरू करने से पहले ही वास्तविक दुनिया में अपने सैद्धांतिक ज्ञान को लागू करने के लिए एक खुला कैनवास मिल गया।

इसके अलावा, EPIC के छात्रों ने उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और पोषण करने के लिए कई आयोजन किए। EPIC के वार्षिक कार्यक्रम EXORDIA विभिन्न स्टार्ट-अप संस्थापकों, मर्गदर्शकों और स्टार्ट-अप के उत्साही लोगों को ज्ञान का आदान-प्रदान करने, अनुभव साझा करने और उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं से लाभ पाने के लिए एक समान मंच पर लाया। क्लब ने भा.प्र.सं.वि. और भारत से अन्य बिजनेस स्कूलों के छात्रों के लिए स्टार्ट-अप चुनौतियों से संबंधित मामले और व्यापार प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला भी आयोजित की।

भा.प्र.सं.वि. ने इस क्षेत्र के उद्यमियों के लिए नेटवर्किंग इवेंट्स और नॉलेज सीरीज़ कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का भी आयोजन किया, जिसमें शुरुआती चरण के स्टार्ट-अप, स्टार्ट-अप कोच और विभिन्न प्रबंधन और तकनीकी संस्थानों में उद्यमिता सिखाने वाले संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कुछ प्रमुख कार्यक्रमः

- उद्यमियों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम
  - आंध्र प्रदेश और तेलंगाना क्षेत्र से चयनित 70 महिला उद्यमियों के लिए सात दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम।
  - सत्रों को विशेष रूप से उन महिला उद्यमियों के लाभ के लिए डिज़ाइन किया गया था, जो विचार स्तर पर थीं।
- स्क्रीनिंग और निवेशक पिच इवेंट
  - इन्क्युबेशन के लिए स्क्रीनिंग स्टार्ट-अप के लिए 2-दिवसीय पिच कार्यक्रम
  - निवेशक पिच घटना (एक्सोर्डिया 3.0 पर, आधा दिन)
- नेटवर्किंग कार्यक्रम
  - दो नेटवर्किंग इवेंट आयोजित किए गए थे।
  - इस कार्यक्रम में शहर और आसपास के 150+ उद्यमियों ने भाग लिया था।
- कार्यशालाएं / सेमिनारः
  - कैंपस में नवंबर 2018 में स्टार्ट-अप के लिए मार्केटिंग पर एक सेमिनार आयोजित किया गया था।
- यह कार्यक्रम NSRCEL (भा.प्र.सं. बैंगलोर) के सहयोग से आयोजित किया गया था।
- इस कार्यक्रम में लगभग 90 प्रतिभागी शामिल हुए थे।
  - ईपीआईसी और एपीआईएस के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी 'एक्सॉर्डिया' आयोजित की गई थी। जिसमें 100+ हितधारकों ने भाग लिया।
  - कार्यक्रम में कई आमंत्रित उद्योग विशेषज्ञ थे जिन्होंने नवाचार और स्टार्ट-अप संस्कृति के बारे में बात की।
  - एग्री-टेक, एड-टेक, हेल्थ-टेक और सोशल-टेक के क्षेत्र में स्टार्ट-अप्स द्वारा फिनटेक और सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर पैनल डिस्कशन में उद्यमियों और निवेशकों (एंजल्स और वीसी) ने भाग लिया।
  - स्टार्ट-अप के विभिन्न विपणन और वित्त से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आस-पास के कॉलेजों के स्टार्ट-अप और प्रशिक्षकों को आमंत्रित करने के लिए एक आधा-दिवसीय कार्यशाला / सेमिनार आयोजित किया गया। इसका आयोजन EPIC के सहयोग से किया गया था।
- उद्योग / CXO व्याख्यान श्रृंखलाः
  - इन्क्युबेशन उपक्रमों और स्टार्ट-अप के लिए 20 से अधिक अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए थे।
  - वक्ताओं में अधिकांश सफल उद्यमी, उद्योग के दिग्गज या सफल कंपनियों के संचालन / प्रबंधन प्रमुख थे।
- नेटवर्किंग डिनरः
  - उद्यमी इको-सिस्टम के हितधारकों के साथ दो नेटवर्किंग डिनर आयोजित किए गए थे।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 14 06/12/2019 19:08:33

7. अधोसंरचना

7.1 अस्थायी परिसर

वर्ष के दौरान निम्नलिखित अधोसंरचना - संबंधित परियोजनाओं / सुविधाओं को लिया गया और पूरा किया गया:

- नई कक्षाओं का निर्माण
  - o 60-सीटर कक्षा – 1
  - o 35-सीटर कक्षा – 1
  - o 25-सीटर आधुनिक मीटिंग रूम - 1

7.2 होस्टल

79 छात्रों के लिए एक छात्रावास किराए पर लिया गया और उपयुक्त रूप से सुसज्जित किया गया।

7.3 स्थायी परिसर

- आंध्र प्रदेश सरकार ने आनंदपुरम मंडल के गंभीराम गांव में 241.50 एकड़ (80 फीट सड़क सहित) भूमि आवंटित की।
- साइट की चारदीवारी का निर्माण पूरा किया गया।
- राज्य सरकार द्वारा मार्च 2018 में साइट सौंप दी गई थी।
- भारत सरकार द्वारा १७ सितंबर, 2018 को कुल रू.807.79 करोड़ (चरण-I के लिए रु. 445.0 करोड़) और आवर्ती व्यय के लिए रू.489.89 करोड़ की अनुमानित पूंजीगत व्यय वाली विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अनुमोदित की गई।
- उच्च शिक्षा वित्त पोषण एजेंसी, जिसके साथ संस्थान ने एमएचआरडी की सलाह के अनुसार एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, ने चरण -1 के निर्माण के लिए रू.445.0 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया।
- सार्वजनिक खरीद की नियत प्रक्रिया के बाद, संस्थान ने स्थायी परिसर के लिए आर्कोप एसोसिएट्स प्रा. लि. को आर्किटेक्ट और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में नियुक्त किया।
- इस प्रकार, स्थायी परिसर के निर्माण की प्रक्रिया को गति प्रदान की गई है।

7.4 पुस्तकालय

भा.प्र.सं.वि. का पुस्तकालय (https://elibrary.iimv.ac.in/) ज्ञान संसाधनों तक सहज पहुँच प्रदान करता है। यह भा.प्र.सं.वि. समुदाय की जानकारी की जरूरतों को पूरा करने का एक केंद्र है। 1,265 वर्ग फीट में फैला, पुस्तकालय एक हाइब्रिड रिपॉजिटरी है जिसमें डेटाबेस, ई-बुक्स, ऑनलाइन संदर्भ स्त्रोत और एक मुद्रित सामग्री संग्रह शामिल है। यह तीन राष्ट्रीय अवकाश (गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गांधी जयंती) को छोड़कर, वर्ष के सभी दिनों में 0800 बजे से 2000 बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित सूचना सेवाएं प्रदान करता है:

- किताबों का सर्कुलेशन
- संदर्भ सेवाएं
- साहित्य खोज
- इंटर-लाइब्रेरी लोन (ILL)
- डेटाबेस का सीधा प्रशिक्षण
- वस्तु-सूचना सेवा

पुस्तकालय संस्थागत प्रकाशनों को संग्रहित करके भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम की संस्थागत स्मृति को भी संरक्षित करता है।

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, लाइब्रेरी ने PGP और PGCEP बैचों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। इसने दो पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया। इसने छात्रों को किंडल डिवाइस देना शुरू किया। पुस्तकालय की विभिन्न उपयोगकर्ता-अनुकूल पहलों को विद्यार्थियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

7.4.1 सर्कुलेशन सांख्यिकी

जारी की गई पुस्तकें	580
लौटाई गई किताबें	482
पुस्तकों का नवीनीकरण	194
अमेज़न किंडल जारी किया	33
ILL अनुरोध	14
रिमोट एक्सेस लॉग-इन सेशन्स	3116

7.4.2 पुस्तकालय संग्रह में परिवृद्धि: 2018-19

क्र.सं.	संग्रह में जोड़े गए दस्तावेज़ों की प्रकृति	संख्या
1	पुस्तकें	402

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 15 06/12/2019 19:08:33

क्र.सं.	संग्रह में जोड़े गए दस्तावेज़ों की प्रकृति	संख्या
2	जर्नल और पत्रिकाएँ (मुद्रित)	30
3	मुद्रित समाचार-पत्र	9
4	ऑनलाइन समाचार पत्र	2
5	शोध सहायता उपकरण	1
6	आईटी उपकरण	2
7	डेटाबेस	5

पुस्तकालय संग्रह से संबंधित मुख्य बिंदु **विवरणी 6** में दिए गए हैं।

7.5 कंप्यूटर केन्द्र और आईटी अधोसंरचना

कंप्यूटर केंद्र और आईटी अधोसंरचना सुविधाओं की गतिविधियों के मुख्य बिंदु हैं:

- संस्थान की वेबसाइट को इन-हाउस आईटी कार्यबल द्वारा फिर से डिजाइन और रखरखाव किया गया।
- कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली शुरू की गई थी।
- नवनिर्मित कक्षाओं और बैठक कक्ष में अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल (एवी) सुविधाएं प्रदान की गईं।
- आईटी सुविधा प्रबंधन सेवाएं और एवी एएमसी सेवाएं सफलतापूर्वक संपन्न हुईं, जो आईटी और एवी गतिविधियों के लिए समर्थन सुनिश्चित करती हैं।
- सभी IT एप्लिकेशन को भा.प्र.सं.बैं. से भा.प्र. सं.वि. के डेटा सेंटर में स्थानांतरित किया गया।
- आईआईएम बैंगलोर से होने वाले ज्ञान-हस्तांतरण के साथ, सभी आईटी सहायता गतिविधियों ने भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम से ही, स्वतंत्र रूप से, काम करना शुरू कर दिया।
- विद्यार्थियों के नए होस्टल के लिए इंटरनेट और वाई-फाई सेवाएं प्रदान की गईं।
- शोध को बढ़ावा देने के लिए डेटा एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर जैसे SPSS-AMOS, STATA, NVIVO, इवेंट स्टडी मेट्रिक्स आदि की खरीद की गई।
- कैंपस नेटवर्क उपकरण लाइसेंस का नवीनीकरण किया गया।
- संकाय और कर्मचारियों के उपयोग के लिए GeM पोर्टल के माध्यम से नए डेस्कटॉप, लैपटॉप और प्रिंटर खरीदे गए।
- इनक्यूबेशन सेंटर फॉर वूमेन स्टार्ट-अप प्रोग्राम का समर्थन करने के लिए आईटी और एवी सुविधाएं स्थापित की गईं।
- आंतरिक आईटी कर्मचारियों द्वारा एक इंट्रानेट पोर्टल विकसित किया गया।
- PGP प्रवेश प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए एक ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल विकसित किया गया।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 16 06/12/2019 19:08:33

8. पूर्व-छात्र गतिविधियाँ

शैक्षणिक संस्थान अपने पूर्व विद्यार्थियों के आधार के सक्रिय समर्थन से ही महान ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं। संस्थान की पूर्व विद्यार्थी समिति, अल्यूमनी कार्यालय के समन्वय से, अतीत और वर्तमान के विद्यार्थियों के बीच मजबूत बंधन को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं। पूर्व और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच मजबूत संबंधों के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे कि मेंटरशिप प्रोग्राम, नॉलेज-शेयरिंग वेबिनार, प्लेसमेंट-संबंधित मार्गदर्शन, आदि कई सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। इस तरह के संवादात्मक सत्रों का मुख्य उद्देश्य सरकार, उद्योग और समाज में ब्रंड छवि की मजबूती और उनके अल्मा मेटर की दृश्यता को बढ़ावा देना है और साथ ही साथ IIMV परिवार के भीतर नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है।

संस्थान ने 23 दिसंबर 2018 को सनश्रेय 2018- वार्षिक पूर्व छात्र घर वापसी का आयोजन किया है। यह उल्लेखनीय है कि आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के वार्षिक पुरस्कार समारोह में भा.प्र.सं.वि. के पूर्व छात्र साईं आदित्य वेलिचेटी (PGP 2015-17) ने 'नए डिजिटल उत्पाद प्रस्ताव के लिए नवाचार पुरस्कार' जीता।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 17 06/12/2019 19:08:33

9. नीति और पहल

9.1 विकलांगता सेवाएँ

भा.प्र.सं. बैंगलोर का विकलांगता सेवा कार्यालय (ODS) विशेष विकलांग विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने में संस्थान का निरंतर सहयोग करता रहता है। संस्थान का लक्ष्य विकलांग विद्यार्थियों के लिए समान पहुँच प्रदान करना है ताकि उन्हें किसी अन्य छात्र की तरह ही अच्छा शैक्षिक अनुभव प्राप्त हो। संस्थान में कार्यक्रम कार्यालय, ODS (भा.प्र.सं. बैंगलोर) के परामर्श से संकाय और विद्यार्थियों के साथ काम करता है ताकि विद्यार्थियों की आवश्यकताओं जैसे कक्षाओं तक पहुँच, विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था आदि सुनिश्चित की जा सके। संस्थान विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों का स्वागत करता है और एक सक्षम वातावरण और एक भेदभाव रहित संस्कृति के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है। तदनुसार, संस्थान यह सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी भी स्वीकार करता है कि विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों को सभी गतिविधियों, शैक्षणिक और अन्य तक समान पहुंच प्राप्त हो, और उन्हे अन्य विद्यार्थियों की तुलना में कोई हानि न उठानी पड़े।

विशेष आवश्यकताओं वाले प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यक विशिष्ट आवास की पहचान मूल्यांकन के माध्यम से की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कार्यालय - आवास से शुरू होकर परिसर की पहुंच और किसी अन्य सहायता की आवश्यकता तक, प्रत्येक चरण में विद्यार्थी के साथ काम कर सके।

ओरिएंटेशन वीक के दौरान, विकलांग छात्रों के प्रति जागरूकता और संवेदीकरण निर्मित करने के लिए एक सत्र शामिल किया गया है।

परिसर और हॉस्टल परिसर को लिफ्टों के साथ सुसज्जित किया गया है, मौजूदा बुनियादी ढांचे को और अधिक सुलभ बनाने के लिए रैंप, रेलिंग और सुलभ वॉशरूम तैयार किए गए हैं। छात्रों और क्षेत्र विशेषज्ञों से प्राप्त इनपुट के आधार पर साल दर साल सुधार किए जा रहे हैं।

विकलांगता वाले छात्रों का विस्तार **विवरणी 7** में दिया गया है।

9.2 आंतरिक शिकायत समिति

संस्थान अपनी छात्राओं और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को महत्व देता है। यह एक सुरक्षित परिसर है जहां सुरक्षा उपाय, जैसे कि सीसीटीवी, पूर्ण-कालिक सुरक्षा, आदि उपलब्ध हैं और बारीकी से निगरानी की जाती है। संस्थान के पास अपने समुदाय के किसी भी सदस्य द्वारा उठाए गई शिकायत के किसी भी रूप को संबोधित करने की एक त्वरित प्रणाली है। संस्थान अच्छे आचरण के मानदंडों को लागू करने में सभी उपलब्ध कानूनी और प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों का पालन करता है। किसी भी प्रकार के भेदभाव या उत्पीड़न के प्रति संस्थान की शून्य-सहिष्णुता की नीति वेबसाइट (www.iimv.ac.in) पर स्पष्ट रूप से बताई गई है। यौन उत्पीड़न के खिलाफ कानून द्वारा आवश्यक एक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) है, जिसका नेतृत्व वरिष्ठ शिक्षक संकाय सदस्या करती है। आईसीसी शिकायतों के त्वरित निवारण और पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए सुसज्जित है। ओरिएंटेशन वीक के दौरान, यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर जागरूकता और संवेदीकरण का निर्माण करने के लिए एक सत्र शामिल किया जाता है, जिसमें यौन उत्पीड़न के उदाहरण, आईसीसी सदस्यों का विवरण, संस्थान-समुदाय की जिम्मेदारियां, आदि नीतियों पर एक प्रस्तुति दी जाती है।

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, भा.प्र.सं.वि., आईसीसी की त्रैमासिक बैठकें आयोजित कर रहा है ताकि चीजों का जायजा लिया जा सके और VISHAKA दिशानिर्देशों की सभी आवश्यकताओं की पूरी तैयारी की जा सके। संस्थान पूरे भा.प्र.सं.वि. समुदाय के लाभ के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

संस्थान की स्थापना के बाद से अब तक, विचाराधीन वर्ष सहित, किसी भी तरह के उत्पीड़न का कोई मामला सामने नहीं आया है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 18 06/12/2019 19:08:33

10. कार्मिक और प्रशासन

संस्थान में 31 मार्च 2019 तक, 13 अधिकारी, 9 प्रशासनिक कर्मचारी, 2 लाइब्रेरी इंटर्न और 11 शैक्षणिक सहयोगी, सभी संविदात्मक शर्तों पर और एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियमित शर्तों पर और 2 कर्मचारी (परामर्श / सलाहकार भूमिका में) अनुरक्षण के आधार पर थे।

विस्तृत स्थिति जानकारी **विवरणी 8** में दी गई है।

कर्मियों की सूची **विवरणी 9** में दी गई है।

10.1 राजभाषा कार्यान्वयन

भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम हर संभव तरीके से आधिकारिक भाषा के उपयोग का ईमानदारी से प्रयास करता है। संस्थान ने साइन बोर्ड आदि में हिंदी भाषा के उपयोग को लागू किया है। संस्थान ने 'हिंदी दिवस' 'समारोह के दौरान हिंदी भाषण, कविता और स्लोगन प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित की हैं। संस्थान भाषा के प्रति अधिक जागरूकता पैदा करने का प्रयास करता है और अपने सभी दैनिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

10.2 डिजिटल लेनदेन और ई-खरीद

संस्थान हमेशा से ही डिजिटल तकनीकों को अपनाने में सबसे आगे रहा है। वित्त वर्ष 2018-19 में हुए कुल 3211 लेनदेन में से 3006 (93.62%) डिजिटल लेनदेन थे। संस्थान ने GeM पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं की खरीद भी प्रारंभ की है और वस्तुओं और आपूर्ति के सोर्सिंग के लिए सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (CPPP) के माध्यम से ई-प्रोक्योरमेंट का अनुसरण करता है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 19 06/12/2019 19:08:33

11. वित्तीय स्थिति

वर्ष 2018-19 के लिए संस्थान की आय और व्यय दिखाने वाला वित्तीय विवरण नीचे दिखाया गया है:

विवरण		रू. करोड़ में	
	आवर्ती व्यय	**2018-19**	**2017-18**
1	आय		
	सरकारी अनुदान	08.78	15.44
	स्व-राजस्व	10.67	06.73
	कुल	19.45	22.17
2	**व्यय**	19.41	15.44
3	**आधिक्य / घाटा**	00.04	06.73
घटाएं:	नामित निधि में / (से) हस्तांतरित	-	-
	सकल अधिशेष / घाटा	00.04	06.73
जोड़ें:	घाटे की प्रतिपूर्ति में प्रयुक्त निधि (गैर-आवर्ती)	-	-
4	कायिक / पूँजी कोष में स्थानांतरित की गई शुद्ध बचत	00.04	06.73
	गैर-आवर्ति		
1	**प्राप्तियाँ**		
	मा.सं.वि.मंत्रालय से अनुदान	02.52	08.24
2	**व्यय**		
	अचल संपत्ति खरीद	04.98	06.24
	गैर-आवर्ति निधि से पूरे किए गए व्यय (उपरोक्तानुसार)	-	-
3	**निधियों (गैर-आवर्ति) से पूरे किए गए कुल व्यय**	04.98	06.24

अन्य वित्त संबंधी विवरण लेखा विवरणी 2018-19 में संलग्न हैं।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 20 06/12/2019 19:08:34

12. विवरणियाँ

विवरणी 1

शासी मंडल

2018-19 के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	6

बैठक क्रमांक	दिनाँक
7वी बैठक	8 जून 2018
8वी बैठक	28 सितंबर 2018
9वी बैठक (भा.प्र.सं. अधिनियम, 2017 के तहत शासी मंडल की 1ली बैठक)	26 नवंबर 2018
10वी बैठक (भा.प्र.सं. अधिनियम, 2017 के तहत शासी मंडल की 2री बैठक)	11 जनवरी 2019
11वी बैठक (भा.प्र.सं. अधिनियम, 2017 के तहत शासी मंडल की 3री बैठक)	20 फरवरी 2019
12वी बैठक (भा.प्र.सं. अधिनियम, 2017 के तहत शासी मंडल की 4थी बैठक)	30 मार्च 2019

सदस्यों के नाम	बैठकों में उपस्थिति	टिप्पणियाँ
हरि एस. भरतिया (अध्यक्ष)	6	
संजय कुमार सिन्हा	3 (8वी ,9वी और 10वी)	12वीं के लिए अनुपस्थिति का आवेदन
सुब्रत कुमार प्रधान	1 (11वी)	जेएस (प्रबंधन) के प्रतिनिधि
अरुण कुमार	1 (8वी)	एमएचआरडी, भारत सरकार
राकेश भूटानी	2 (7वी और 10वी)	जेएस एंड एफए के प्रतिनिधि
एक श्रीकांत	1 (9वी)	एमएचआरडी, भारत सरकार
के दमयंती	2 (10वी और 11वी)	जेएस (प्रबंधन) के प्रतिनिधि
आदित्य नाथ दास	1 (7वी)	7वीं बैठक में एमएचआरडी, भारत सरकार और 10वीं बैठक में उपस्थिति
राकेश कपूर	2 (7वी और 8वी)	आंध्र प्रदेश सरकार के खास मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) के प्रतिनिधि
जी योगानंद	2 (7वी और 8वी)	7वीं, 8वीं और 9वीं के लिए सदस्य नहीं और 12वीं के लिए अनुपस्थिति का आवेदन
उमा सुधींद्र	4 (7वी, 8वी, 11वी और 12वी)	10वीं, 11वीं और 12वीं के लिए सदस्य नहीं और 8वीं के लिए अनुपस्थिति का आवेदन
प्रसाद दाहपुते	4 (7वी, 8वी, 11वी और 12वी)	9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं के लिए सदस्य नहीं
उदय बी देसाई	1 (8वी)	9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं के लिए सदस्य नहीं
नौशाद डी फोर्ब्स	2 (7वी और 8वी)	9वीं और 10वीं के लिए सदस्य नहीं

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 21 06/12/2019 19:08:34

सदस्यों के नाम	बैठकों में उपस्थिति	टिप्पणियाँ
सतीश रेड्डी	3 (7वी , 11वी और 12वी)	9वीं और 10वीं के लिए सदस्य नहीं
वी के सोनी	1 (8वी)	9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं के लिए सदस्य नहीं और 7वीं के लिए अनुपस्थिति का आवेदन
जी रघुराम	5 (7वी , 8वी , 10वी , 11वी और 12वी)	9वीं और 10वीं के लिए सदस्य नहीं और 11वीं और 12वीं के लिए अनुपस्थिति का आवेदन
राजीव कपूर	3 (10वी , 11वी , और 12वी)	9वीं और 10वीं के लिए सदस्य नहीं और 8वीं के लिए अनुपस्थिति का आवेदन
मालविका हरिता	3 (10वी , 11वी , और 12वी)	अध्यक्ष के प्रतिनिधि, AICTE
एम चंद्रशेखर	6	
आमंत्रितगण		
वी भास्कर	3 (7वी, 8वी और 12वी)	
बी श्रीरंगचार्युलु	4 (7वी,8वी , 10वी और 12वी)	
निमरूजी प्रसाद जे	1 (7वी)	
दीपिका गुप्ता	3 (8वी, 10वी और 12वी)	
राजीव मिश्रा	1 (11वी)	
अमित बी. चक्रवर्ती	1 (11वी)	
आर साईकृष्ण राजू	1 (11वी)	
उपस्थिति		
जी जानकी रामचंद्रम, मंडल सचिव	2 (7वी और 8वी)	
कलीम वी. खान,मंडल सचिव	4 (9वी , 10वी , 11वी और 12वी)	

भवन निर्माण और कार्य समिति

2018-19 के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	2

बैठक क्रमांक	दिनाँक
3री बैठक	01 जून 2018
4थी बैठक	01-02 दिसंबर 2018

सदस्य का नाम	बैठकों में उपस्थिति	टिप्पणियाँ
सतीष रेड्डी (अध्यक्ष)	2	
लिगी फिलिप	2	
राजीव मिश्रा	2	

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 22 06/12/2019 19:08:34

सदस्य का नाम	बैठकों में उपस्थिति	टिप्पणियाँ
वी नागदेवरा	2	
पी बसंत कुमार	2	
अमित बरन चक्रबर्ती	2	
एम. चंद्रशेखर	2	
आर सांईकृष्ण राजू	2	
आमंत्रितगण		
सुशांत बालिगा	2	
निमरूजी प्रसाद	1(3री)	
बी श्रीरंगचार्युलु	1(4थी)	

विषय विशेषज्ञ		
चेतन वैद्य	1(4थी)	
पद्मावती परवर	1(4थी)	
बिप्लब के सेनगुप्ता	1(4थी)	
टी श्रीनिवास	1(4थी)	

वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति

2018-19 के दौरान आयोजित की गई बैठकों की संख्या	4

बैठकों की संख्या	दिनाँक
4थी बैठक	08 जून 2018
5वीं बैठक	28 सितंबर 2018
6वीं बैठक	09 दिसंबर 2018
7वीं बैठक	29 मार्च 2019

सदस्य का नाम	बैठकों में उपस्थिति	टिप्पणियाँ
वी भास्कर	4	
ए राधा कृष्ण	4	
अरूण कुमार	1 (5वी)	जेएस एंड एफए, एमएचआरडी, भारत सरकार के प्रतिनिधि
पद्मिनी श्रीनिवासन	3 (4वी, 5वी और 7वी)	6वीं के लिए अनुपस्थिति का आवेदन
एम चंद्रशेखर	4	
सी पी विट्ठल	4	

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 23 06/12/2019 19:08:34

सदस्य का नाम	बैठकों में उपस्थिति	टिप्पणियाँ
उपस्थिति		
निमरूजी प्रसाद जे	1 (4वी)	
सीए वी श्रीनिवास राव	1 (4वी)	
सीए पी वी सिद्दार्ध गुप्ता	1 (4वी)	
दीपिका गुप्ता	3 (5वी,6वी और 7वी)	
जी नंदिता	2 (6वी और 7वी)	

विवरणी 2

पीजीपी 2018-19 में पेश किए गए ऐच्छिक विषयों की सूची

क्र.सं.	शीर्षक	क्रेडिट्स	संकाय
1	उन्नत विश्लेषिकी	3.0	वी नागदेवरा
2	विज्ञापन प्रबंधन	3.0	के. सुनील चंद्रन
3	उद्योग और समाज में ऋ के अनुप्रयोग	3.0	रामानुजम श्रीधर
4	बी 2 बी प्रबंधन	3.0	राजेश पंडित और सूरी वल्लूरी
5	बैंकिंग, वित्तीय बाज़ार और प्रणालियाँ	3.0	पी सी नारायण
6	एफ्क्स-दुबई	3.0	गणेश एन प्रभु और अमित बरन चक्रवर्ती
7	एफ्क्स-जापान	3.0	डी कृष्णा सुंदर और कल्याण के
8	ब्रंड प्रबंधन	3.0	जयशंकर रामनाथन
9	व्यवसाय डेटा खनन और निर्णय मॉडल	3.0	वी नागदेवरा
10	उपभोगता व्यवहार	3.0	अनुराग दुगर
11	कॉर्पोरेट मूल्यांकन	3.0	अनिल सूद
12	डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स	3.0	सूरी वल्लूरी और के. सुनील चंद्रन
13	आर के उपयोग द्वारा वित्तीय विश्लेषण	3.0	मोहम्मद शमीम जावेद और के किरण कुमार
14	सामान्य व्यावसायिक ज्ञान	3.0	एस शंकर
15	हाई-टेक मार्केटिंग	3.0	प्रकाश बागड़ी
16	औद्योगिक संगठन और फर्म का प्रदर्शन	3.0	विनय रमनी
17	उद्योग और प्रतियोगी विश्लेषण	3.0	अमित बरन चक्रवर्ती
18	नवाचार, प्रौद्योगिकी और नए उत्पाद विकास	3.0	दीपिका गुप्ता
19	अंतरराष्ट्रीय व्यापार	3.0	अमित बरन चक्रवर्ती
20	निवेश बैंकिंग	3.0	प्रताप गिरि
21	निवेश	3.0	शंकरसन बसु और कावेरी कृष्नन

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 24 06/12/2019 19:08:34

क्र.सं.	शीर्षक	क्रेडिट्स	संकाय
22	सॉफ्टवेयर परियोजनाओं का प्रबंधन	3.0	मधुचंद्रा दास औंधे
23	विलय अधिग्रहण और कॉर्पोरेट पुनर्गठन	3.0	उत्कर्ष मजूमदार
24	संचालन शोध अनुप्रयोग	3.0	बी श्रीरंगचार्युलु और जी श्रीनिवासन
25	संचालन रणनीति	3.0	डी कृष्णा सुंदर
26	परियोजना प्रबंधन	3.0	वी नागदेवरा
27	विपणन निर्णयों के लिए शोध	3.0	सुरेश रामादुराई
28	खुदरा प्रबंधन	3.0	अनिल सूद
29	जोखिम प्रबंधन	3.0	सुजॉय रॉयचौधरी
30	बिक्री और वितरण प्रबंधन	3.0	पिंगली वेणुगोपाल
31	सेवाएँ विपणन	3.0	अनुराग दुगर
32	व्यापार और व्यक्तिगत उत्पादकता के लिए स्प्रेडशीट	3.0	वी एन शास्त्री
33	रणनीतिक विपणन	3.0	विवेक मडुपु
34	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	3.0	जी. श्रीनिवासन
35	टेक्स्ट माइनिंग एंड सोशल मीडिया एनालिटिक्स	3.0	बालामुरली ए आर

विवरणी 3

PGCEP में प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची

क्र.सं.	शीर्षक	क्रेडिट्स	संकाय
1	व्यष्टि अर्थशास्त्र	1.2	कल्याण कोलुकुलुरी
2	प्रबंधन लेखांकन	1.2	मोहम्मद शमीम जावेद
3	गतिविधि शोध	1.2	बी. श्रीरंगचार्युलु
4	विपणन प्रबंधन 1	1.2	भाग्यलक्ष्मी वेंकटेश
5	ओबी और एचआर 1	1.2	अनुपमा शर्मा
6	व्यापारिक आँकड़े	1.2	अनिर्बान घटक
7	व्यापार संचार	1.2	राकेश गोधवानी
8	समष्टि अर्थशास्त्र	1.2	कल्याण कोलुकुलुरी
9	वित्तीय प्रबंधन I	1.2	कावेरी कृष्नन
10	संचालन प्रबंधन	1.2	मिलन कुमार
11	विपणन प्रबंधन II	1.2	जयशंकर रामनाथन

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 25 06/12/2019 19:08:34

क्र.सं.	शीर्षक	क्रेडिट्स	संकाय
12	ओबी और एचआर II	1.2	अनुपमा शर्मा
13	रणनीतिक प्रबंधन	1.2	दीपिका गुप्ता
14	व्यापार कानून	1.2	लियोनेल अरान्हा
15	वित्तीय प्रबंधन II	1.2	मोहम्मद शमीम जावेद
16	संभार तंत्र और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1.2	मिलन कुमार
17	विपणन प्रबंधन III	1.2	आशीष कुमार
18	कॉर्पोरेट जिम्मेदारी	1.2	अमित बरन चक्रवर्ती
19	अंतरराष्ट्रीय व्यापार	1.2	अमित बरन चक्रवर्ती
20	उद्यमिता और नवाचार	1.2	दीपिका गुप्ता
21	प्रबंधन सूचना प्रणाली	1.2	मधुचन्द्रा दास औंधे

विवरणी 4

31 मार्च 2019 तक संकाय सूची

नाम	संबद्धता
एम चंद्रशेखर	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
अनिर्बन घटक	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
मोहम्मद शमीम जावेद	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
बी. श्रीरंगाचार्युलु	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
अनुपमा शर्मा	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
अमित बरन चक्रबर्ती	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
कल्याण कोलुकुलुरी	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
कावेरी कृष्नन	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
जयाशंकर रामनाथन	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
मिलन कुमार	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
दीपिका आर गुप्ता	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
भार्गब चट्टोपाध्याय	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
विनय रमनी	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
बिशाखा मजूमदार	भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम
भाग्यलक्ष्मी वेंकटेश	अनुबंधक
राकेश गोधवानी	अनुबंधक
लियोनेल अरान्हा	अनुबंधक

नाम	संबद्धता
आशीष कुमार	अनुबंधक
मधुचन्द्रा दास औंधे	अनुबंधक
अनिल सूद	अनुबंधक
अनुराग दुगर	अनुबंधक
बालामुरली ए आर	अनुबंधक
डी कृष्णा सुंदर	भा.प्र.सं. बैंगलुरू
जी श्रीनिवासन	अनुबंधक
गणेश एन प्रभु	भा.प्र.सं. बैंगलुरू
जयंती अय्यर	अनुबंधक
के किरण कुमार	अनुबंधक
के. सुनील चंद्रन	अनुबंधक
एम एस राजगोपालन	अनुबंधक
एम एस श्रीराम	भा.प्र.सं. बैंगलुरू
पी सी नारायण	भा.प्र.सं. बैंगलुरू
पिंगली वेणुगोपाल	अनुबंधक
प्रकाश बागड़ी	अनुबंधक
प्रताप गिरि	अनुबंधक
राजेश पंडित	अनुबंधक
रामानुजम श्रीधर	अनुबंधक
एस शंकर	अनुबंधक
शंकरसन बसु	भा.प्र.सं. बैंगलुरू
शबाना मित्रा	अनुबंधक
सुजॉय रॉयचौधरी	अनुबंधक
सुरेश रामादुराई	अनुबंधक
सूरी वल्लूरी	अनुबंधक
उत्कर्ष मजूमदार	अनुबंधक
वी आनंद राम	अनुबंधक
वी एन शास्त्री	अनुबंधक
वी नागदेवरा	अनुबंधक
वी रंगनाथन	अनुबंधक
विवेक मडुपु	अनुबंधक

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 27 06/12/2019 19:08:34

विवरणी 5

अतिथि व्याख्यानों की सूची

क्र.सं.	नाम	संबद्धता
1	डॉ. अनु थॉमस	ईवाय में प्रबंधक (डेटा और एनालिटिक्स)
2	विश्वनाथ पिंगली	संकाय - भा.प्र.सं. अहमदाबाद
3	तकाशी सुजुकी	महानिदेशक, जापान विदेश व्यापार संगठन (जेट्रो)
4	अभिषेक सिन्हा	महाप्रबंधक - बिक्री, ब्रिटानिया उद्योग लिमिटेड
5	सौरभ जैन	उपाध्यक्ष, पेटीएम
6	संजय कुमार	निदेशक (कार्मिक), वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि.
7	अडवोकेट जहा आरा	भा.प्र.सं.वि. आईसीसी सदस्य
8	सत्यार्थ प्रियदर्शी	उत्पाद विपणन प्रमुख, जिओ चैट - जिओ

विवरणी 6

पुस्तकालय संग्रह के मुख्य बिंदु

ई-कलेक्शन :

ज्ञान संसाधन	संख्या	विवरण
ई-बुक्स	12000+	▪ प्रोक्वेस्ट ई-बुक सेंट्रल के माध्यम से उपलब्ध
ऑनलाइन संदर्भ स्त्रोत	3	▪ वायली एनसाइक्लोपीडिया
ई-बुक रीडर	2	▪ अमेज़न किंडल पेपरव्हाइट
वित्त डेटाबेस (कंपनियों का वित्तीय विवरण, वार्षिक प्रतिवेदन, बाजार के आंकड़े, उद्योग और कंपनी विश्लेषण, आदि)	9	ऐस एनालाइजर केपिटालाइन सीएमआईई प्रोवेस आईक्यू सीएमआईई प्रोवेस डीएक्स सीएमआईई आर्थिक आउटलुक एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस एनएसई इंफोबेस वेंचर इंटेलिजेंस (पीई / वीसी डील डेटाबेस) ईएमआईएस इंटेलिजेंस
अन्य डेटाबेसेस (बिजनेस लिटरेचर, केस स्टडीज, सांख्यिकीय सूचना आदि)	7	ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स कंप्लीट प्रोक्वेस्ट एबीआई इन्फॉर्म्स क्रिसिल रिसर्च Indiastat.com पासपोर्ट यूरोमॉनिटर WARC JSTOR

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 28 06/12/2019 19:08:34

ज्ञान संसाधन	संख्या	विवरण
ई-जर्नल्स	2798	वायली (550) एल्सेवियर (330) एमराल्ड (297) सेज (514) टेलर और फ्रांसिस (404) इन्फॉर्म्स (16) प्रोजेक्ट म्यूज (687)
शोध सहायक उपकरण	2	ग्रामरली, टर्नइटइन
आईटी उपकरण	2	रिमोट एक्स एस, ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विस
ऑनलाइन समाचार पत्र	4	FT.com, वॉल स्ट्रीट जर्नल, प्रेस रीडर, द इकोनॉमिस्ट

31/3/2019 तक प्रिंट कलेक्शन

प्रकार	मात्रा
पुस्तकें	1932
सीडी-रोम	8
सूक्ष्म दस्तावेज़: क. वर्किंग पेपर्स ख. पैंफलेट्स ग. सरकारी प्रकाशन और रिपोर्ट	 16 01 17

विवरणी 7

दिव्यांग विद्यार्थियों का विवरण - पीजीपी 2018-20

कुल विद्यार्थियों की संख्या	0
अल्प दृष्टि/दृष्टिहीन विद्यार्थी	0
अस्थि विकलांगता / मस्तिष्क पक्षाघात	0

विवरणी 8

संकाय एवं कर्मचारी

अवधि	नियमित संकाय	अनुबंधक संकाय	कुल
मार्च, 2018 को	9	40	49
2018-19 को दौरान नियुक्ति	5	34	39
2018-19 के दौरान सेवामुक्ति	1	40	41
मार्च, 2019 को	13	34	47

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 29 06/12/2019 19:08:35

अधिकारी

अवधि	संख्या (*)
मार्च, 2018 को	9
2018-19 के दौरान नियुक्ति	5
2018-19 के दौरान सेवामुक्ति	1
मार्च, 2019 को	13

(*) उ नियमित शर्तों पर नियुक्त एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को छोड़कर, सभी संविदात्मक शर्तों पर

अन्य कर्मचारी

अवधि	संख्या (*)
मार्च, 2018 को	15
2018-19 के दौरान नियुक्ति	10
2018-19 के दौरान सेवामुक्ति	1
मार्च, 2019 को	24

(।) उ सभी संविदात्मक नियुक्तियां

विवरण 9

अधिकारियों की सूची (*)

क्र.सं.	नाम	पद
1	जगदीश बी टी	परियोजना इंजीनियर - अधोसंरचना
2	विस्वनाथ बेहरा	कार्यक्रम प्रबंधक - शैक्षणिक कार्यक्रम
3	रमेश कुमार सेथुरमन	प्रबंधक - छात्र छात्रावास और मेस
4	साईकृष्ण राजू	परियोजना प्रबंधक - अधोसंरचना
5	नवनाथ पवार	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
6	तपस रंजन पाति	प्रबंधक - सीडीएस और पूर्व छात्र संबंध
7	के वी एल एन मूर्ति	ओएसडी - निदेशक कार्यालय
8	सी पी विट्टल	प्रबंधक - वित्त और लेखा
9	कमल कीर्ति	सहायक प्रबंधक - आईटी
10	गुंडला नंदिता	सहायक प्रबंधक - वित्त और लेखा
11	वी भास्कर राम	चिकित्सा अधिकारी
12	सालादी कृष्ण कांत	परियोजना इंजीनियर - सिविल
13	कलीम वी. खान	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

(*) उ नियुक्ति की तिथि के अनुसार सूचीबद्ध। नियमित शर्तों पर नियुक्त एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को छोड़कर, सभी संविदात्मक शर्तों पर

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 30 06/12/2019 19:08:35

अन्य कर्मचारियों की सूची (*)

क्र.सं.	नाम	पद
1	सुनील कुमार सिन्हा	परियोजना कार्यकारी - लेखा
2	एम एस सुब्रमन्यम	परियोजना कार्यकारी - प्रशासन
3	एन सचिदानंदम	परियोजना कार्यकारी - शैक्षणिक कार्यक्रम
4	विश्वनाथ टी	परियोजना कार्यकारी - लेखा
5	दीपा मोहन	काउंसलर (रिटेनरशिप के आधार पर)
6	इंदु पी	कार्यकारी - PGCEP
7	ए. जयसिम्हा रेड्डी	परियोजना कार्यकारी
8	देवोश्री मुखर्जी	वरिष्ठ कार्यकारी (शैक्षणिक कार्यक्रम)
9	काव्या गेडेला	शैक्षणिक सहयोगी
10	सुभाश्री नायक	शैक्षणिक सहयोगी
11	केसव कुमार मेडम	शैक्षणिक सहयोगी
12	मोतुरू वेंकटा राजा सेखर	शैक्षणिक सहयोगी
13	पूनम खानोरिया	शैक्षणिक सहयोगी
14	टी सुनीता	शैक्षणिक सहयोगी
15	जेटी शिव कुमार	शैक्षणिक सहयोगी
16	बिस्वाश्री तनया प्रियदर्शनी	शैक्षणिक सहयोगी
17	श्रीनिवास दिनकर नेति	शैक्षणिक सहयोगी
18	वी शिव शंकर	पुस्तकालय इंटर्न
19	टी गणेश कुमार	पुस्तकालय इंटर्न
20	कुश डबराल	कार्यालय सहायक
21	प्रवीना मुसुनुरु	शैक्षणिक सहयोगी
22	शशि भूषण कौशिक	सलाहकार - प्रशासन
23	कोटा वरुणा देवी	जूनियर इंजीनियर - सिविल
24	बागड़े दिलीप कुमार	शैक्षणिक सहयोगी

(*) उ नियुक्ति की तिथि के अनुसार सूचीबद्ध। सभी संविदात्मक शर्तों पर।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 31 06/12/2019 19:08:35

13. निदेशक का संदेश

(वर्ष 2018-19 के लिए, भा.प्र.सं. अधिनियम 2017 के प्रासंगिक अनुभागों के अनुपालन में)

धारा 26(1)(a):

संस्थान की गतिविधियाँ

संस्थान ने अपनी प्रगतिशील गतिविधि को जारी रखते हुए, 2018-19 के दौरान अपनी रोमांचक यात्रा में कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर पार किए हैं। 31/1/2018 से भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम 2017 लागू होने के साथ, राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में, संस्थान को प्रबंधन शिक्षा, प्रबंधन शोध और ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक उत्कृष्टता के मानकों को प्राप्त करने का अधिकार मिल गया है।

संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD), भारत सरकार (GoI) के प्रोत्साहन और समर्थन के साथ-साथ अधिनियम के तहत (पुनः)गठित अपने शासी मंडल (BoG), से लाभान्वित होता रहा है। श्री हरि एस भरतिया, सह-अध्यक्ष और संस्थापक, जुबिलेंट भरतिया समूह को चार साल की अवधि के लिए संस्थान के शासी मंडल के अध्यक्ष के रूप में (पुनः)नियुक्त किया गया है, 15/11/2018 से प्रभावी। एमएचआरडी और आंध्र प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग से वरिष्ठ जन सेवकों के साथ, भा.प्र.सं. के उत्कृष्ट पूर्व छात्र और उत्कृष्ट व्यक्ति जिन्होंने वाणिज्य, शिक्षा, उद्यमिता, उद्योग, प्रबंधन, लोक प्रशासन, सामाजिक सेवा आदि के क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है, और शासी मंडल की नीति, रणनीति के साथ शासन और सुःशासन द्वारा भी संस्थान ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। भवन और निर्माण समिति (BWC) के साथ-साथ संस्थान की वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समितियों (FIAC) की अध्यक्षता और / या प्रतिनिधित्व भी, प्रासंगिक विशेषज्ञता और प्रशासन, उद्योग और शिक्षा में गहन अनुभव धारी पेशेवरों द्वारा की जाती है, जो संस्थान की प्रगति और विकास में उल्लेखनीय योगदान देते हैं।

संस्थान की कुछ मुख्य उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

संस्थान का नेतृत्व

संस्थान, विभिन्न मोर्चों पर, नई पीढ़ी के अपने प्रतिस्पर्धा संस्थानों के बीच अग्रणी बना हुआ है, जैसे कि:

क. उच्च स्तरीय परिणामों के लिए अनुकूल विश्वस्तरीय अधोसंरचना, अस्थायी परिसर में भी;

ख. सभी संकाय भारत और विदेशों के शीर्ष संस्थानों, जैसे कि आईआईएम, आईआईटी और प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों, से पीएचडी हैं, प्रभावशाली शैक्षणिक और शोध प्रमाण के साथ;

ग. भा.प्र.सं. बैंगलोर (मेंटर इंस्टीट्यूट) के बाद, महिला स्टार्ट-अप कार्यक्रम नामक एक विशेष पहल के तहत, महिला-उद्यमियों के सबसे बड़े समूह की मेजबानी;

घ. शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से पीएचडी कार्यक्रम का शुभारंभ की घोषणा (2018 कॉमन एडमिशन टेस्ट बुलेटिन में ही);

ङ. अनुभवी पेशेवरों के लिए सप्ताहांत पर एक अनुकूलित स्नातकोत्तर कार्यक्रम आयोजित करना;

च. देश के लगभग 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आने वाले विद्यार्थियों; और लगभग 10 राज्यों से आने वाले संकाय सदस्यों के रूप में एक सच्चे राष्ट्रीय चरित्र को दर्शाता है।

संस्थान ने यह सब अपने अस्तित्व के केवल तीन वर्षों में हासिल कर लिया है, जो संस्थान और उसके सभी हितधारकों के लिए गर्व और संतुष्टी का विषय है।

विद्यार्थी प्रवेश

2015 में अपनी स्थापना के बाद पहली बार, 2018 में संस्थान में विद्यार्थियों के प्रवेश का आंकड़ा 100 के पार हुआ है, इस प्रकार विद्यार्थियों की संख्या को दो वर्गों तक बढ़ाया जा सका। इससे क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई और आंतरिक संसाधन उत्पादन (आईआरजी) में सुधार हुआ।

संकाय

संकाय संख्या बढ़ाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, संस्थान ने वर्ष के दौरान पांच और संकायों की भर्ती की, जो पहले से ही नियुक्त आठ संकाय सदस्यों के समूह में शामिल हुए। इस प्रकार, संस्थान ने मार्च 2019 के अंत तक, प्रबंधन में सभी मुख्य विषयों के 13 संकाय सदस्य नियुक्त हैं।

संकाय ने प्रदर्शन के सभी चार स्तंभों, अर्थात शिक्षण; शोध; संस्थान की सेवा; और पेशे की सेवा, में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके पेपर्स उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए, विदेशों में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए और प्रतिस्पर्धी शोध अनुदान भी जीता है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 32 06/12/2019 19:08:35

स्थानन

छात्रों को शिक्षा के अच्छे परिणामों और प्रभावशाली प्रदर्शन में सक्षम बनाने के लिए संकाय द्वारा किए गए प्रयासों के बल पर, संस्थान ने प्रतिभा-अधिग्रहण के एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। छात्रों को मिलने वाला वेतन-प्रस्ताव झऔसत रु.12.61 लाख प्रति वर्ष; शीर्ष चतुर्थांश रु.17.07 लाख प्रति वर्षट ने कई किर्तिमान तोड़ दिए हैं, न केवल संस्थान के (पिछले वर्षों में) बल्कि अन्य सभी नई पीढ़ी के भा.प्र.सं. के; और यहां तक कि कुछ पुरानों के भी।

महिला उद्यमिता विकास

संस्थान को क्षेत्र में महिलाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के कार्य में मेंटर इंस्टीट्यूट (भा.प्र.सं. बैंगलोर) के साथ भागीदारी करने का सौभाग्य मिला। "महिला स्टार्ट-अप प्रोग्राम 2018" के रूप में शुरू की गई पहल का उद्देश्य महिला उद्यमियों में उद्यम-विकास और उद्यम-प्रबंधन कौशल का पोषण और निर्माण करना था।

महिला समूह में आंध्र प्रदेश राज्य की 17 और तेलंगाना के 9 सदस्य शामिल थी, जिन्होंने, एक कठिन स्क्रीनिंग प्रक्रिया को पार करते हुए, सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि; साक्षरता और ज्ञान के स्तर की एक समृद्ध विविधता का प्रतिनिधित्व किया।

इस प्रयास के लिए इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन 18/6/2018 को संस्थान के शासी मंडल के सदस्य श्री प्रसाद दहापुते द्वारा किया गया था।

समूह को अपने ज्ञान-संसाधन और आधारभूत संरचना उपलब्ध करा कर, संस्थान ने क्षमता-निर्माण और संवादात्मक सत्रों के एक सुव्यवस्थित संयोजन के रूप में पहल की। विषय-केंद्रित कार्यशालाओं और केस स्टडीज ने समूह को उद्यमशीलता की बारीकियों को सीखने में मदद की। वित्त, मार्गदर्शन और जानकारी के अलावा, संस्थान के इनक्यूबेशन सेंटर ने कई विचारों को बीज अवस्था से नवाचार में विकसित करने की सुविधा प्रदान की। इस प्रयास ने महिला समूह को निवेशकों और उद्योग से जुड़ने में मदद की। संकाय के साथ-साथ नीति-निर्माता, पेशेवर, व्यवसायी और संभावित वेंचर पार्टनर्स और उद्यम-उन्मुख छात्र समूहों के साथ चर्चा; इस ज्ञान-विनिमय और अनुभव-साझाकरण प्रयास का हिस्सा थे। समूह के सदस्यों को केंद्र सरकार की कई नीतियों और कार्यक्रमों (जैसे स्टैंड-अप इंडिया और MUDRA योजना) की जानकारी भी प्रदान की गई, जो विशेष रूप से महिलाओं के बीच उद्यमशीलता का पोषण और सहायता करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

श्री प्रसाद दाहपुते के सहयोग से, समूह को उद्यम संगम 2018 कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर भी मिला, जिसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME), भारत सरकार द्वारा 27/6/2018 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था और जिसका उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा यूएन-एसएमई दिवस के रूप में मनाया गया था। इस प्रकार WSP समूह को राष्ट्रीय स्तर पर MSME पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत करने और उनकी सलाह और विचारों से लाभ उठाने का एक अच्छा अवसर मिला।

WSP समूह द्वारा विकसित और पोषित किए गए विचार मोटे तौर पर कार्यक्षेत्र डिजाइन और फर्नीचर के क्षेत्रों में; शिक्षा; वातावरण; इवेंट मैनेजमेंट सर्विसेज; फिनटेक; खाद्य सेवाएं; बागवानी समाधान; स्वास्थ्य; और जीवन शैली उत्पादों से संबंधित थे।

संस्थान ने सदस्यों के रचनात्मक प्रयासों को अच्छी दृश्यता प्रदान की। लॉन्च पैड और स्प्रिंगबोर्ड के रूप में संस्थान के संसाधनों का लाभ उठाते हुए,सदस्य अपने विचारों को मूर्त उत्पादों और सेवाओं में बदलने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के करीब आ सके। इस प्रयास के सकारात्मक परिणाम हैं: (i) स्वच्छ ईंधन और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए स्वदेशी-प्रौद्योगिकी आधारित समाधान के साथ एक भागीदार, देश की शीर्ष-नौ 'विमन-इन-एनर्जी' उद्यमियों में से एक के रूप में उभरी; (ii) एक अन्य प्रतिभागी द्वारा विकसित एक मोबाइल-आधारित ऐप जो क्यूरेटेड स्टॉक-मार्केट विश्लेषण प्रदान करता है, देश के शीर्ष-दस फिनटेक स्टार्ट-अप्स में से एक के रूप में रैंक किया गया है; (iii) एक अन्य ऊष्मायन उद्यम ने समुद्र और खनन क्षेत्रों में MSMEs द्वारा पर्यावरण अनुपालन की अत्यधिक माँग वाली ज्ञान-सेवाएं प्रदान करने के लिए क्लाउड और IoT- आधारित तकनीकों का उपयोग किया; तथा, (iv) एक और पहल ने, पारंपरिक ज्ञान और घरेलू तकनीकों का लाभ उठाते हुए, आदिवासी क्षेत्रों में खेती-प्रथाओं का पोषण, प्राकृतिक-उत्पादन को बढ़ावा देकर आजीविका का निर्माण किया। यह खुशी की बात है कि संस्थान ने उनकी सफलता में सक्षम भूमिका निभाई।

एंटरप्रिन्योरियल पैशन एंड इनोवेशन क्लब (EPIC), विद्यार्थियों के नेतृत्व, संचालन और प्रबंधन वाला संस्थान का एक प्रयास, ने इनक्यूबेट्रीस के साथ निकट समन्वय में काम किया और प्रबंधन और क्षेत्र के काम में उनकी सहायता की। इस प्रकार यह छात्रों के लिए लाइव प्रोजेक्ट पर काम करने का एक शानदार अनुभव था।

समूह को संबोधित और पारस्परिक चर्चा करने वाले गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. के हरि बाबू, माननीय संसद सदस्य (लोकसभा) (तत्कालीन), विशाखपट्टणम निर्वाचन क्षेत्र; संस्थान के शासी मंडल के सदस्यः सुश्री मालविका हरिता, सुश्री अमिता चटर्जी और श्री प्रसाद दाहपुते; श्री भानु वारला, भा.प्र.सं.बैं. के पूर्व छात्र और उद्योगपति, श्री एम. एन. राव. अध्यक्ष और सीईओ, मेडिसीस आदि शामिल थे।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 33 06/12/2019 19:08:35

यहाँ यह बात उल्लेखनीय है कि, भा.प्र.सं. बैंगलोर के बाद, भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम में हुए नामांकन उन सभी संस्थानों में सबसे अधिक थे, जिन्होंने इस पहल में भा.प्र.सं. बैंगलोर के साथ भागीदारी की थी। इसलिए यह गर्व की बात है कि भा.प्र.सं. बैंगलोर ने भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम के WSP प्रयासों को अद्वितीय और अनुकरण-योग्य बताया। यह संस्थान के लिए भी सम्मान का विषय है कि भा.प्र.सं. बेंगलुरु के निदेशक प्रोफेसर जी रघुराम और भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम के शासी मंडल के सदस्य ने संस्थान द्वारा किए गए अभूतपूर्व प्रयासों, जिन्होंने इस पहल को बड़े पैमाने पर पहुँचा दिया है, की सराहना की।

भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम महिला सशक्तिकरण के इस प्रयास में भा.प्र.सं. बैंगलोर के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने के लिए तत्पर है, जो आने वाले समय में ऊष्मायन के लिए एक प्रमुख केंद्र; उद्यमिता-शिक्षण और उद्यम-विकास के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में जो लैंगिक विविधता, लैंगिक संतुलन और लैंगिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है, भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम महिला उद्यमियों को अपने सपनों को सच करने में मदद करने के अपने प्रयासों को जारी रखेगा।

प्रो. शमीम जावेद, अध्यक्ष, उद्यमिता विकास, ने इस उद्देश्य की परिकल्पना की विधिवत प्राप्ति सुनिश्चित करते हुए, डब्ल्यूएसपी पहल का नेतृत्व किया।

शासी मंडल ने 28/9/2018 को अपनी बैठक में महिला-उद्यमिता को बढ़ावा देने में संस्थान द्वारा निभाई जा रही रचनात्मक भूमिका की सराहना की।

अनुभवी पेशेवरों के लिए व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (PGCEP)

विशाखपट्टणम और उसके आसपास के कई अनुभवी पेशेवरों से प्राप्त अनुरोधों / पूछताछ के जवाब में, संस्थान ने अनुभवी पेशेवरों के लिए व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (PGCEP) शुरू किया है।

कार्यक्रम का अधिभावी लक्ष्य प्रतिभागियों को पेशे की प्रगति और विकास के लिए उनकी प्रबंधकीय दक्षताओं और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने; और उन्नत शिक्षा (ऐसी) के माध्यम से, उनके संगठनों में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान करने में मदद करना है।

उद्देश्य प्रतिभागियों की (i) आधुनिक व्यावसायिक संगठनों की मांगों और चुनौतियों को समझने; (ii) कार्यात्मक प्रबंधन क्षेत्र में अपने ज्ञान को बढ़ाने; (iii) नैदानिक, विश्लेषणात्मक और निर्णय लेने के उपकरण और तकनीकों में अपने कौशल को विकसित करने; तथा, (iv) अधिक से अधिक क्षमता और आत्मविश्वास के साथ उनके संगठनात्मक विकास में योगदान देने में मदद करना है।

कार्यक्रम की विशेषताएं हैं: (i) अनुभवी (कर्मचारी या स्व-नियोजित) पेशेवरों को अपने कौशल को उन्नत करने के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करना; (ii) शामिल पाठ्यक्रमों की श्रेणी और गहनता के संदर्भ में, सामग्री और मूल्य-संवर्धन गुणवत्ता से समृद्ध; (iii) व्यक्तियों और उनके संगठनों की दैनिक गतिविधियों में व्यवधान डाले बिना, सप्ताहांत कक्षाएं; (iv) नियमित एमबीए की तरह 3 'सत्रों' में फैलाव, सीखने में सुचारू प्रगति सुनिश्चित करना; (v) एक ऑन-कैंपस शिक्षण का अवसर संकाय-सहभागिता, पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग और परिणामस्वरूप, बेहतर शिक्षण के परिणामों की सुविधा; (vi) वैश्विक व्यापार सर्वोत्तम प्रथाओं पर सीईओ के साथ बातचीत सहित एक अंतरराष्ट्रीय एक्सपोज़र मॉड्यूल; (viii) वर्धित शिक्षा के लिए मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम; तथा, (ix) पूर्व छात्रों की स्थिति।

प्रस्ताव पर सबसे अधिक पाठ्यक्रमों (21) (समान प्रकृति के अन्य कार्यक्रमों की तुलना में) के साथ अधिक गुणवत्ता युक्त सामग्री से समृद्ध, कार्यक्रम को अच्छी भागीदारी प्राप्त हुई; 33 पेशेवरों ने कार्यक्रम में दाखिला लिया।

कार्यक्रम में विशाखपट्टणम और उसके आसपास स्थित प्रसिद्ध संगठनों (सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों) के मध्य और वरिष्ठ स्तर के अधिकारी शामिल थे, जैसे डॉ. रेड्डीज लैब्स, विजाग स्टील प्लांट, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, नेवल साइंस एंड टेक्नोलॉजी लेबोरेटरी (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन का), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंडियन नेवी, एचएसबीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील आदि। एमबीए (नियमित) छात्रों के साथ इस समूह को भी मार्च 2020 में उनकी डिग्री प्रदान की जाएगी।

शासी मंडल ने 28/9/2018 को अपनी बैठक में, इस अनूठी पहल पर संस्थान की सराहना की, जो न केवल क्षेत्र में प्रबंधन शिक्षा में क्षमता निर्माण में योगदान, बल्कि संस्थान के लिए भी आंतरिक संसाधन उत्पादन के एक अतिरिक्त स्त्रोत का निर्माण करता है।

वाचस्पति कार्यक्रम का शुभारंभ

नए भा.प्र.सं. के बीच अग्रणी रहते हुए, संस्थान ने कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT) बुलेटिन 2018 में ही, शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से वाचस्पति कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा कर दी थी। पीएचडी छात्र एक शोध-संस्कृति लाते हैं और संस्थान के शोध परिणामों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यह परिकल्पित किया गया है कि शोध परिणाम में वृद्धि से संस्थान को एक ज्ञान-संचालित इकाई के रूप में अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने में मदद मिलेगी और बाद के वर्षों में मान्यता, रैंकिंग आदि में भी। पीएचडी कार्यक्रम और परिणामी शोध-अभिविन्यास भी संस्थान को बाहरी (प्रतिस्पर्धी) अनुदान प्राप्त करने और एक स्वस्थ कॉर्पस बनाने में मदद करेगा।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 34 06/12/2019 19:08:35

शासी मंडल ने 28/9/2018 को अपनी बैठक में, कैट बुलेटिन 2018 में शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से वाचस्पति कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा करने वाले पहले और नई पीढ़ी के भा.प्र.सं. में एकमात्र संस्थान बनने के लिए, संस्थान की प्रशंसा की।

अधोसंरचना

स्थायी परिसर

संस्थान ने मार्च 2018 में राज्य सरकार द्वारा स्थायी परिसर के लिए आवंटित लगभग 230.25 एकड़ भूमि (सड़क के आसपास 80 फीट को छोड़कर) पर अधिकार मिला। परिसर के चारों ओर छह किलोमीटर लंबी दीवार भी बनाई गई थी। नियत प्रक्रिया के बाद, संस्थान ने मार्च 2019 में, आर्कोप एसोसिएट्स प्रा. लि. को आर्किटेक्ट्स और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड, एक नवरत्न सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज (CPSE) को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (PMC) फर्म के रूप में नियुक्त किया। ये दोनों संगठन अत्यधिक प्रतिष्ठित हैं, जिनमें से आर्कोप ने आईआईएम और आईआईटी और केंद्र से वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों के कई परिसरों का डिजाइन तैयार किया गया है, और एनबीसीसी देश के सर्वश्रेष्ठ PMC में से एक, कई प्रतिष्ठित परियोजनाओं का निर्माण और सफल समापन कर चुका है।

एक नई पीढ़ी के आईआईएम के रूप में, संस्थान को हाल ही में स्थापित भा.प्र.सं. के अनुभवों का फायदा मिला है। इसके अलावा, निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धांतों और कारकों के अनुपालन पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि परिसर नवीनता और विशिष्टता के मामले में 'फर्स्ट-इन-क्लास' और संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने के मामले में 'बेस्ट-इन-क्लास' के रूप में उभरे:

- पर्यावरण अनुकूल इमारतें, जो कार्बन और पानी के प्रति सकारात्मक हैं, जिससे ऊर्जा का तर्कसंगत उपयोग हो।
- आईटी को केन्द्र में रखते हुए, लर्निंग और ऑटोमेशन सिस्टम को इसके चारों ओर डिजाइन किया गया है।
- बुद्धिमान आईटी प्रणालियों, स्मार्ट प्रौद्योगिकियों और आधुनिक ऑडियो-विज़ुअल सहायक उपकरणों का उपयोग जो विद्यार्थियों, संकाय और अन्य हितधारकों को मिलने और बातचीत करने; संवाद और सहयोग द्वारा सहज और विशेष शिक्षा के अवसर प्रदान करते हैं।
- भविष्य के विकास और विस्तार के लिए भूमि का यथासंभव संरक्षण करना।
- तीसरे आयाम (अर्थात ऊंचाई) का संभव सीमा तक उपयोग करना।
- अवधारणा और डिजाइन स्थान, स्थानीय कला और वास्तुकला के साथ; इतिहास और विरासत का सम्मिश्रण प्रस्तुत करती है।

स्थायी परिसर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के लिए स्वीकृति 17/9/2018 को एमएचआरडी द्वारा दी गई थी। परिसर का कुल निर्मित क्षेत्र 1,15,800 वर्ग मीटर है। इस चरण-1 में 60,384 वर्ग मीटर का निर्माण किया जाएगा, जिसकी पूंजी लागत 445.0 करोड़ रुपये होगी। एमएचआरडी, भारत सरकार के ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योर्मेंट एंड कंस्ट्रशन) अनुमोदन के साथ, संस्थान चरण-१ के निर्माण के लिए मास्टर प्लान और विस्तृत बिल्डिंग ड्रॉइंग को अंतिम रूप देने की दिशा में अच्छी प्रगति कर रहा है।

MHRD के अनुमोदन और सलाह के अनुसार, परियोजना परिव्यय को उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (HEFA), एमएचआरडी और केनरा बैंक का एक विशेष प्रयोजन वाहन से ऋण के रूप में लिया गया है। ऋण 10 वर्षों में 20 समान मासिक किस्तों (ईएमआई) में चुकाने योग्य है। MHRD पहले वर्ष से 87.5% ऋण चुकाएगा और निर्माण की प्रारंभिक तिथि के बाद पांचवें वर्ष से संस्थान की देयता 12.5% है। संपूर्ण ब्याज देयता भारत सरकार द्वारा वहन की जाएगी। संस्थान और दोनों संगठनों, HEFA और बैंकरों, के बीच मार्च 2019 में लोन दस्तावेज निष्पादित किए गए।

बोर्ड ने 20/2/2019 को अपनी बैठक में, स्थायी परिसर के लिए वास्तुकार और पीएमसी के चयन में सावधानीपूर्वक और श्रमसाध्य अभ्यास के लिए श्री सतीश रेड्डी [सदस्य (BoG) और अध्यक्ष (BWC)] के नेतृत्व में भवन निर्माण और कार्य समिति के अच्छे काम की सराहना की।

अस्थायी (पारगमन) परिसर, आंध्र विश्वविद्यालय

संस्थान में विद्यार्थियों के प्रवेश को बढ़ाने और गतिविधियों को उन्नत बनाने के लिए, वर्ष 2018-19 के दौरान निम्नलिखित अधोसंरचना - संबंधित परियोजनाओं / सुविधाओं को पूरा किया गया:

- **नई कक्षाओं का निर्माण**
  - 60-सीटर और 35-सीटर कक्षाएं - प्रत्येक 1
  - 25-सीटर आधुनिक बैठक कक्ष (बोर्ड रूम) - 1
- **होस्टल**
  - 80 छात्रों के लिए एक छात्रावास किराए पर लिया गया और उपयुक्त रूप से सुसज्जित किया गया।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 35 06/12/2019 19:08:35

- **कंप्यूटर सेंटर और आईटी अधोसंरचना**

  - संस्थान की वेबसाइट को इन-हाउस आईटी कार्यबल द्वारा फिर से डिजाइन और रखरखाव किया गया।
  - कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली शुरू की गई थी।
  - दो नवनिर्मित कक्षाओं और बैठक कक्ष में अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल (एवी) सुविधाएं प्रदान की गईं।
  - सभी IT एप्लिकेशन को भा.प्र.सं.बैं. से भा.प्र. सं.वि. के डेटा सेंटर में स्थानांतरित किया गया। सभी आईटी सहायता गतिविधियों ने भा.प्र.सं. विशाखपट्टणम से ही, स्वतंत्र रूप से, काम करना शुरू कर दिया।
  - विद्यार्थियों के नए होस्टल (80 सीटर) के लिए इंटरनेट और वाई-फाई सेवाएं प्रदान की गईं।
  - स्वचालन को बढ़ावा देने के एक और कदम के रूप में संकाय और कर्मचारियों के उपयोग के लिए नए डेस्कटॉप, लैपटॉप और प्रिंटर खरीदे गए।
  - इनक्यूबेशन सेंटर फॉर विमन स्टार्ट-अप प्रोग्राम का समर्थन करने के लिए आईटी और एवी सुविधाएं स्थापित की गईं।
  - संस्थान की आईटी टीम द्वारा एक इंट्रानेट पोर्टल विकसित किया गया था जिसका व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है
  - पीजीपी प्रवेश प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए एक ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल विकसित किया गया है।

पुस्तकालय

संस्थान के पुस्तकालय ने 28/8/2018 को अपना संचालन सफलतापूर्वक नए पुस्तकालय सॉफ्टवेयर - KOHA, एक भा.प्र.सं. में लोकप्रिय ओपन सोर्स एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली, पर स्थानांतरित कर दिया है।

(क) वर्ष के दौरान पुस्तकालय द्वारा निम्न नए डेटाबेस की सदस्यता ली गईः

क. एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस
ख. एनएसई इंफोबेस
ग. प्रोक्वेस्ट एबीआई (ई-जर्नल)

(ख) निम्नलिखित शोध सॉफ्टवेयर पैकेज खरीदे गएः

क. स्टेटा (STATA)
ख. स्मार्ट पीएलएस3 (SMART PLS3)
ग. एनविवो (NVivo)
घ. मेटलेब (MATLAB)
ङ. साइंटिफिक वर्कप्लेस
च. एसपीएसएस अमोस (SPSS Amos)
छ. इवेंट स्टडी मेट्रिक्स

(ग) संस्थान की लाइब्रेरी अब भा.प्र.सं. बैंगलोर की यूनियन कैटलॉग परियोजना का हिस्सा है। नए संघ सूची के साथ, भा.प्र.सं. में पुस्तकों का पता लगाना, अंतर-पुस्तकालय-ऋण के लिए आवेदन करना, एक संग्रह का निर्माण और कैटलॉग डेटा शेयर करना आसान हो जाता है। इस तरह पुस्तकालय की यह सहयोगात्मक परियोजना शोधकर्ताओं को बहुत मदद करती है।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल में पंजीकरण

संस्थान ने राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (https://scholarships.gov.in/) पर पंजीकरण कराया है जो 06/8/2018 से प्रभावी है। इस प्रकार विद्यार्थी सरकारी मंत्रालयों / विभागों और (अन्य) सरकारी निकायों द्वारा घोषित छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं और अपनी शिक्षा के लिए धन प्राप्त कर सकते हैं। पात्र विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति उपलब्ध हैं जैसे अल्पसंख्यक, विकलांग व्यक्ति, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति।

स्थापना दिवस

संस्थान का पाँचवाँ स्थापना दिवस व्याख्यान 17/1/2019 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार द्वारा दिया गया था। व्याख्यान में आमंत्रित अतिथियों के अलावा संस्थान के संकाय, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। व्याख्यान को काफी पसंद किया गया और सराहा गया।

प्रशासन

वर्ष के दौरान शासी मंडल (BoG) की छह बैठकें हुई (08/6/2018, 28/9/2018, 26/11/2018, 11/1/2019, 20/2/2019 और 30/3/2019)। FIAC (शासी मंडल द्वारा 26/5/2017 की बैठक में गठित) ने चार बार (08/6/2018, 28/9/2018, 09/12/2018, 29/3/2019) बैठक की और BWC से मिला (शासी मंडल द्वारा 26/5/2017 की बैठक में गठित) ने वर्ष 2018-19 के दौरान दो बार (01/6/2018, 01-02/12/2018) बैठकें की।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 36 06/12/2019 19:08:35

प्रणाली और प्रक्रियाएँ

क) संकाय कार्य मानदंड

संकाय के प्रदर्शन को मापने के लिए, मार्गदर्शक संस्थान (भा.प्र.सं.बैं.) में प्रचलित प्रथा के आधार पर, संकाय कार्य मानदंड चार स्तंभों - शिक्षण, शोध, संस्थान की सेवा और पेशे की सेवा पर स्थापित किए गए हैं।

ख) विनियम और अध्यादेश

भा.प्र.सं. अधिनियम 2017 के तहत, संस्थान ने कई नियम और अध्यादेश तैयार किए हैं, जिन्हें संस्थान के अच्छे कामकाज में योगदान के लिए शासी मंड्ल की मंजूरी के साथ लागू किया गया है।

ग) GeM पोर्टल का उपयोग

हालांकि, जीएफआर 2017 के अनुरूप, संस्थान निविदाओं के ई-प्रकाशन के लिए केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (CPPP) - eprocure.gov.in का उपयोग कर रहा है, संस्थान ने जीएफआर 2017 में निर्धारित प्रक्रिया के पालन में आगे बढ़ते हुए, 07/07/2018 से प्रभावी रूप से खरीद के लिए सरकारी ई-मार्केट प्लेस (GeM) पोर्टल का उपयोग करना भी शुरू कर दिया है।

घ) प्रिंट मीडिया में निविदा विज्ञापन पर बचत

प्रतिष्ठित सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (जैसे एनटीपीसी, एचएसएल आदि) द्वारा अपनाई जा रही प्रथा का अनुसरण करते हुए, संस्थान ने 20/8/2018 को टाइम्स ऑफ इंडिया के अखिल भारतीय (सभी) संस्करणों पर एक विज्ञापन प्रकाशित किया है, जिसमें कहा गया है कि संस्थान समाचार पत्रों में वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए कोई भी प्रकाशन नहीं करेगा और इस तरह की निविदाओं को CPPP पोर्टल पर और संस्थान की वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा और इच्छुक बोलीदाताओं को समय-समय पर इन वेबसाइटों का अवलोकन करते रहने की सलाह दी गयी है। इस उपाय के परिणाम स्वरूप संस्थान को अच्छी बचत हो रही है।

ङ) पीएफएमएस के ईएटी मॉड्यूल का सक्रियण

MHRD-GOI के दिनांक 21/6/2018 के अनुसार, ईएटी (व्यय - अग्रिम - स्थानांतरण) PFMS (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली) का मॉड्यूल सफलतापूर्वक सक्रिय किया गया था और अनुदान के उपयोग के बारे में डेटा को रिकॉर्ड करने और अपलोड करने के लिए संस्थान द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। यह एमएचआरडी द्वारा धनराशि जारी करने की पूर्व-आवश्यकता है।

च) CAG का स्थानीय लेखा-परीक्षा निरीक्षण प्रतिवेदन

लेखा-परीक्षा (केंद्रीय), हैदराबाद के प्रधान निदेशक (CAG) के कार्यालय ने जनवरी 2019 में वर्ष 2018-19 के लिए संस्थान के खातों पर निरीक्षण किया, जिसमें तीन वित्तीय वर्ष 2015-16, 2016-17 और 2017-18 के रिकॉर्ड शामिल थे। लेखा-परीक्षा के दौरान, खातों की जांच की गई, और परीक्षण जांच भी की गई। नतीजतन, CAG ने दिनांक 22/02/2019 के पत्र द्वारा, स्थानीय लेखा-परीक्षा निरीक्षण प्रतिवेदन अग्रेषित किया, जिसमें सतत अनियमितताएं बताई गई हैं; जिसमें प्रमुख अनियमितताओं और परीक्षण जाँच टीप (सभी) को 'शून्य' बताया गया है। लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन में इस प्रकार किसी भी मूल प्रकृति की टिप्पणियां (प्रतिकूल) शामिल नहीं थीं, जो संस्थान द्वारा अपनाई जा रही प्रणालियों और प्रक्रियाओं की सटीकता को दर्शाता है।

छ) राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी में नामांकन

एमएचआरडी की सलाह के बाद, संस्थान ने केंद्रीय डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के माध्यम से 12/7/2018 को एक सेवा स्तर समझौते में प्रवेश किया है। राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (NAD) अकादमिक संस्थानों द्वारा विधिवत डिजिटाइज्ड और लॉज किए गए सभी अकादमिक पुरस्कारों जैसे प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, डिग्री, मार्क-शीट आदि का एक 24 * 7 ऑनलाइन स्टोर-हाउस है। NAD न केवल अकादमिक पुरस्कारों की आसान पहुंच और पुर्नप्राप्ति सुनिश्चित करता है बल्कि उनकी प्रामाणिकता और सुरक्षित भंडारण की पुष्टि और गारंटी भी लेता है। कई पहली और दूसरी पीढ़ी के भा.प्र.सं. पहले से ही सीडीएसएल की एनएडी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। NAD की मुख्य विशेषताएं हैं:

क. आईटी एक्ट 2000 के अनुपालन में डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट का उपयोग, निज़ता / गोपनीयता, प्रामाणिकता, अखंडता और गैर-अस्वीकरण के लिए।

ख. 'डिजीलॉकर' का उपयोग, भारत सरकार द्वारा संचालित एक 'डिजिटल लॉकर' सेवा जो क्लाउड पर आधिकारिक दस्तावेजों के भंडारण को सक्षम बनाती है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 37 06/12/2019 19:08:35

ग. विद्यार्थियों से सहमति प्राप्त होने पर ही शैक्षणिक पुरस्कार डेटा साझा करना।

घ. विद्यार्थियों की पूर्व सहमति के साथ, अधिकृत उपयोगकर्ताओं को अकादमिक पुरस्कार से संबंधित डेटा उपलब्ध कराने का प्रावधान।

वार्षिक लेखा

संस्थान अपने वार्षिक खातों में अद्यतित है, 2015-16 (प्रथम वर्ष), 2016-17 (द्वितीय वर्ष) और 2017-18 (तृतीय वर्ष) के लिए वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित किए जा चुके हैं।

आंतरिक लेखा परीक्षकों (नए) की नियुक्ति

आंतरिक लेखा परीक्षकों के परिणाम - मैसर्स मनोहर चौधरी एंड एसोसिएट्स ने अपना चार साल का कार्यकाल 31/3/2019 तक पूरा किया (भा.प्र.सं. अधिनियम 2017 के अनुसार नियुक्ति की अधिकतम अवधि) सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया और बाद के मूल्यांकन के बाद, मैसर्स कोमांडूर एण्ड कं. एलएलपी को, संस्थान की वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति की सिफारिश पर और 11/01/2019 को हुई बैठक में बोर्ड की मंजूरी के बाद, वर्ष 2019-20 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

संस्थान के कार्यक्रम

संस्थान ने उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ कई आयोजन किए जैसे पंडित दीन दयाल उपाध्याय जन्मशती वर्ष , एक भारत श्रेष्ठ भारत, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, स्वच्छ पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा, आदि।

संस्थान ने 08/3/2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया, सुश्री मालविका हरिता, भा.प्र.सं. बैंगलोर की प्रतिष्ठित पूर्व-छात्रा और संस्थान (शासी मंडल) की सदस्या प्रमुख वक्ता थीं।

समारोह के भाग के रूप में, संस्थान को रु.2.22 करोड़ का उदार दान मिला। प्रख्यात वैज्ञानिक और विशाखपट्टणम के मूल निवासी डॉ. बी आर एल रो द्वारा अपनी दिवंगत बेटी सुश्री वाणी रो की याद में, जो आईआईएम अहमदाबाद के 1993 बैच की एक शानदार पूर्व-छात्रा थीं; और, जिनका अमेरिका और भारत में बेहद सफल कैरियर रहा था। डॉ. रो की इच्छा के अनुसार, संस्थान द्वारा इस दान का उपयोग संस्थान के स्थायी परिसर में ज्ञान-सुविधा बनाने के लिए; और एमबीए में प्रथम स्थान पर रहने वाली छात्रा को हर साल स्वर्ण पदक प्रदान करने के लिए किया जा रहा है। दान को प्रशासक और प्रबंधकीय संस्थान (भा.प्र.सं. बैंगलोर) के 'गिविंग पॉलिसी' दिशानिर्देशों के अनुसार प्रबंधित किया जाएगा, जैसा कि शासी मंडल द्वारा अनुमोदित है।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री एम वेंकैया नायडू 30/3/2019 को आयोजित संस्थान के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया और स्नातक करने वाले छात्रों को उपाधि प्रदान की। शीर्ष रैंकिंग के विद्यार्थियों ने भारत के माननीय उपराष्ट्रपति के हाथों अपने स्वर्ण पदक भी प्राप्त किए। प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति द्वारा दिया गया संबोधन शिक्षाप्रद और समृद्ध था।

अन्य प्रमुख कार्यक्रम

IFCI लिमिटेड के एमडी और सीईओ डॉ. ई. एस. राव ने 22/8/2018 को संस्थान का दौरा किया और विद्यार्थियों के साथ बातचीत की। सुश्री के. दमयंती, (तत्कालीन) प्रमुख सचिव (एचई), आ.प्र.सरकार ने 14/2/2019 को परिसर का दौरा किया और संकाय और कर्मचारियों के साथ बातचीत की।

निदेशक ने 10/11/2018 को अवंती ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, हैदराबाद, श्री एम. श्रीनिवास राव, अनकापल्ले के माननीय लोकसभा सांसद (तत्कालीन) और (वर्तमान में) पर्यटन, संस्कृति और युवा उतकर्ष मंत्री, आ.प्र.सरकार से संबंधित, में आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

धारा(26)(1)(b):

संस्थान द्वारा तुलन-पत्र की अधिशेष आरक्षितियों में ले जाने योग्य प्रस्तावित शेष राशि

बोर्ड द्वारा 14/6/2019 की अपनी बैठक में अनुमोदित और 14/9/2019 को अपनी बैठक में बोर्ड द्वारा अपनाए गए (~~क्रङ्क~~ लेखा परीक्षा के बाद) वित्त वर्ष 2018-19 के खातों के अनुसार 31/3/2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यय से अधिक आय (रु.3.38 लाख) को कायिक निधि में स्थानांतरित किया गया है।

धारा(26)(1)(c)

व्यय से अधिक आय में किसी भी अतियोक्ति या न्यूनोक्ति या आय से अधिक व्यय में कमी की सीमा और इस तरह की अतियोक्ति या न्यूनोक्ति का कारण लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इंगित किया गया है।

वित्त वर्ष 2018-19 के खातों में, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय), हैदराबाद के प्रधा निदेशक (CAG) के कार्यालय ने लेखा परीक्षा प्रतिवेदन (SAR) में व्यय से अधिक आय में किसी भी अतियोक्ति या न्यूनोक्ति या आय से अधिक व्यय में कोई भी कमी का संकेत नहीं दिया गया है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 38 06/12/2019 19:08:35

एसएआर में कहा गया है कि:

- प्रतिवेदन के साथ दिए गए तुलन-पत्र, आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाते लेखा पुस्तकों के अनुसार ही हैं;
- उनकी राय में और उनकी जानकारी के अनुसार और उन्हें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखा नीतियों और लेखा टिप्पणी के साथ पढ़े जाने वाले और ऊपर वर्णित महत्वपूर्ण मामलों और इन लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुच्छेदों में उल्लेखित अन्य मामलों के अधीन, उक्त वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं:

  क. जहाँ तक यह भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखपट्टणम (IIMV) के 31 मार्च 2019 के तुलन-पत्र, मामलों की स्थित से संबंधित है, और

  ख. जहाँ तक यह उस तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष के अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

धारा (26)(1)(d):

संस्थान द्वारा आयोजित शोध परियोजनाओं की उत्पादकता शासी मंडल द्वारा निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार मापी जाती है।

प्रायोजित शोध परियोजना

प्रो अमित बरन चक्रवर्ती को, 26/9/2018 को, कॉर्पोरेट मामले मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक शोध परियोजना - 'कॉरपोरेट्स का प्रदर्शनः भारत में विभिन्न स्वामित्व श्रेणियों की फर्म का प्रदर्शन', मूल्य रु.8.30 लाख (GST अतिरिक्त) से सम्मानित किया गया है। परियोजना का उद्देश्य यह जानना है कि क्या एक उभरते बाजार के संदर्भ में स्वामित्व श्रेणी की पहचान फर्म के वित्तीय प्रदर्शन को प्रभावित करती है, और किस हद तक। शोध सरकार बनाम गैर-सरकारी फर्म; घरेलू बनाम बहु-राष्ट्रीय फर्म; और सार्वजनिक रूप से आयोजित बनाम निजी तौर पर आयोजित फर्मों के अंतर पर केंद्रित है। शोध MCA 21 डेट ाबेस में उपलब्ध फर्मों की संख्या के अनुदैर्ध्य डेटा का उपयोग करता है। अध्ययन फर्म-प्रदर्शन को लाभकारी उपायों; तरलता और पूंजी-संरचना के उपाय; परिचालन प्रदर्शन के उपाय; और, दक्षता उपाय से युक्त एक बहुआयामी निर्माण के रूप में देखता है। इस प्रकार, शोध समय के साथ और कई मैट्रिक्स पर विभिन्न स्वामित्व श्रेणियों की फर्म के प्रदर्शन में विविधता स्थापित करने में मदद करेगा। यह परिकल्पना की गई है कि यह नीति निर्माताओं को उच्च-विकास क्षमता वाली फर्मों की पहचान करने और आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से उन्हें लक्षित लाभ प्रदान करने पर विचार करेगा।

शोध प्रकाशन

24/10/2017 को बोर्ड की बैठक में शोध प्रकाशनों के लिए प्रोत्साहन सहित प्रदर्शन के लिए मानदंड अनुमोदित किए गए थे, संकाय सदस्यों की सेवा को संचालित करने वाले नियमों और शर्तों के हिस्से के रूप में।

संकाय द्वारा किए जा रहे प्रकाशनों के बल पर, संस्थान के शोध परिणामों में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। उच्च-प्रभाव वाली, सहकर्मी-समीक्षित, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं में संकाय द्वारा प्रकाशित शोध पत्र निम्नलिखित थे:

प्रकाशन - शोध पत्र

- **चक्रबर्ती, ए. बी;** और मॉडल,ए. (आगामी), 'दि इफेक्ट ऑफ इंस्टीट्यूशनल ट्रांजिशन ऑन इंट्रेप्रेनुरियल ओरिएंटेशन ऑफ फेमिली बिज़नेसः एविडेंस फ्राम इंडिया", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंट्रेप्रेनुरियल बिहेवियर एण्ड रिसर्च [ABDC (B)]
- **जावेद, एम. एस.;** और कुमार, के. के. (मई 2018 में स्वीकृत), "स्टॉक लिक्विडिटि एण्ड फर्म वेल्यूः एविडेंस फ्राम अ पॉलिसी एक्सपेरिमेंट इन इंडिया", इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ फाइनांस, DOI: 10.1111/irfi.12200 [ABDC (A)]
- **कावेरी, के.;** बासु, शंकरसन; और थंपी, अशोक. (स्वीकृत), "हैज़ द ग्लोबल फाइनेंशिल क्राइसिस चेंज्ड द मार्केट रिस्पॉन्स टू क्रेडिट रेटिंग्स? एविडेंस फ्राम एन इमर्जिंग मार्केट", जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट फाइनांस. [ABDC (B)]
- **शर्मा, अनुपमा** (स्वीकृत), "वर्क एंगेजमेंट, जॉब क्राफ्टिंग एण्ड इन्नोवेटिवनेश इन दि इंडियन आईटी इंडस्ट्री" पर्सनल रिव्यू [ABDC (A)]
- **गुप्ता, दीपिका;** वेलियथ आर.; और जॉर्ज, आर. (2018), "इन्फ्लूयंस ऑफ नेशनल कल्चर ऑन आईपीओ एक्टिविटि, जर्नल ऑफ बिज़नेस रिसर्च, सितं. (2018), 226-246 [ABDC (A)]
- जावेद, एम. एस. (मार्च 2019); द सेक्टोरल इफेक्ट ऑफ डिमॉनेटाइजेशन ऑन दि इकोनॉमीः एविडेंस फ्राम अर्ली रिएक्शन ऑफ दि इंडियन स्टॉक मार्केट" कोजेंट इकोनॉमिक्स एण्ड फाइनांस [ABDC (B)]

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 39 06/12/2019 19:08:35

सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र

- **गुप्ता, दीपिका;** कुमार, के.; और जॉर्ज, आर. 'इन्फ्लूयंस ऑफ इंटरनल कॉर्पोरेट गवर्नेंस मेकनिज्म ऑन यूज़ ऑफ आईपीओ प्रोसीड्स बाय इंडियन फर्म्स ', दि अकेडमी ऑफ मेनेजमेंट 78वें वार्षिक सम्मेलन (स्ट्रेटेजिक मेनेजमेंट डिविजन) शिकागो, इल्लिनॉइस, यूएसए में आयोजित, अगस्त 10-14, 2018.
- **कावेरी, के.;** "डज़ प्रोडक्ट मार्केट कांपिटिशन अफेक्ट एनालिस्ट्स' टारगेट प्राइस प्रापर्टी?" मिडवेस्ट रिजन मीटिंग ऑफ दि अमेरिकन अकाउंटिंग एसोसिएशन (AAA) में प्रस्तुत, अक्टू. 4-6, 2018, इंडियानापोलिस, इंडियाना.

प्रोफ़ेसर दीपिका गुप्ता को जर्नल ऑफ़ बिज़नेस रिसर्च में उनके समीक्षा योगदान को मान्यता देते हुए एल्सेवियर समीक्षक मान्यता प्रमाणपत्र पुरस्कार भी मिला (मार्च 2019)।

धारा (26)(1)(e):

संस्थान के अधिकारियों और संकाय सदस्यों की नियुक्ति

संकाय की नियुक्ति

भा.प्र.सं. बेंगलुरु के मार्गदर्शन, परामर्श और समर्थन से आयोजित गहन भर्ती प्रक्रिया के बाद संस्थान ने 2018-19 के दौरान पांच और संकाय सदस्यों को सहायक / एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया। विभिन्न भा.प्र.सं. और प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों से आने वाले इन संकाय के पास प्रभावशाली शैक्षणिक और शोध प्रमाण हैं। इस प्रकार, संस्थान की संकाय सूची में, वर्ष के अंत में, कुल संकाय संख्या 13 थी।

अधिकारियों की नियुक्ति

2018-19 के अंत में, संस्थान में 20 गैर-शिक्षण कर्मचारी हैं, जिनमें से एक को छोड़कर सभी संविदा नियुक्ति पर हैं। इनमें से 5 अधिकारियों की भर्ती वर्ष के दौरान की गई। नियमित रोल पर एकमात्र कर्मचारी संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं, और उन्हें गवर्नर्स बोर्ड की 26/11/2018 को आयोजित बैठक में बोर्ड के सचिव के रूप में नामित किया गया है।

धारा (26)(1)(f):

शिक्षण, शोध और ज्ञान के अनुप्रयोग में नवाचारों की प्रकृति सहित संस्थान द्वारा निर्धारित प्रदर्शन संकेतक और आंतरिक मानक

प्रदर्शन संकेतक और आंतरिक मानक

संस्थान द्वारा एमएचआरडी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो कि मुख्य परिणाम क्षेत्रों और प्रमुख प्रदर्शन संकेतक की स्थापना करते हुए उच्च शिक्षा संस्थानों की उत्कृष्टता के लिए योगदान देने वाले पांच स्तंभों को कवर करता है। शिक्षण और शिक्षण संसाधन; शोध और व्यावसायिक अभ्यास; पहुँच और समावेशिता; स्नातक परिणाम; और धारणा। एमओयू में वित्तीय मापदंडों को भी कवर किया गया है। संस्थान ने विचाराधीन वर्ष के दौरान 'वेरी गुड' की समग्र रेटिंग प्राप्त की है। संस्थान भविष्य के वर्षों में 'उत्कृष्ट' रेटिंग (यानी अगले उच्च स्तर की रेटिंग) हासिल करने और बनाए रखने का प्रयास करेगा।

शिक्षण, शोध और ज्ञान के अनुप्रयोग में नवाचार

आज के तकनीकी युग में, उच्च शिक्षा के छात्रों को ज्ञान विभिन्न रूपों में आसानी से उपलब्ध है, जिनमें, विशेष रूप से, बिजनेस स्कूल शामिल हैं। यह तथ्य, एक ओर, संकाय की शिक्षण दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाती है, दूसरी ओर, यह कक्षा में छात्र की दिलचस्पी कम कर एक चुनौती देता है। इस प्रकार, संकाय को नई शिक्षण विधियों को विकसित करने की आवश्यकता है जैसे कि भूमिका-आधारित मिनी-केस विकसित करना, परामर्श / शोध परियोजनाओं से प्राप्त प्रासंगिक डेटा / सूचना का उपयोग करते हुए गतिविधियां और खेल और उन्हें कक्षा में वितरित की जाने वाली सामग्री से जोड़ना।

संस्थान के संकाय द्वारा निम्नलिखित नवाचार इस संबंध में मुख्य आकर्षण हैं।

प्रो. एम एस जावेद

- **आर का उपयोग करते हुए वित्तीय विश्लेषण**

  यह एक गैर-पारंपरिक पाठ्यक्रम है। हालांकि, वर्षों से डोमेन के साथ प्रौद्योगिकी के समामेलन के कारण, यह सबसे अधिक मांग वाले कौशल में से एक बन गया है जो हर वित्त पेशेवर के पास होना चाहिए। इस पाठ्यक्रम को प्रोफेसर किरण कुमार, भा.प्र.सं. इंदौर के सहयोग से डिजाइन और विकसित किया गया था। यह लागू वित्तीय अर्थमिति और वित्तीय-डेटा विश्लेषण का एक अच्छा मिश्रण था। डेटा एनालिटिक्स के लिए, छात्रों को न केवल प्रोग्रामिंग भाषा से बल्कि सिद्धांत और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के पर्याप्त मिश्रण से भी परिचित कराया गया था। उन्होंने उन्हें बहुत परिष्कृत अनुप्रयोगों के उपयोग की जानकारी दी जैसे - टाइम सीरीज़ डेटा, पेअर्स-ट्रेडिंग और कोइंटिग्रेशन, रियल-टाइम पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइज़ेशन, तकनीकी विश्लेषण, मौलिक और तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके अपने स्वयं

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 40 06/12/2019 19:08:36

के ट्रेडिंग रणनीतियों का निर्माण करना और एल्गोरिथम ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में उपयोग के लिए इसकी बैक-टेस्टिंग करना। विद्यार्थियों को एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ETF) और फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (F & O) दोनों सेगमेंट के लिए हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेड्स (HFT) डेटा और HFT विश्लेषण के बारे में बताया गया।

- **प्रबंधन लेखांकन**

  पाठ्यक्रम को और अधिक रोचक बनाना एक चुनौती थी, जिसमें पूरे बैच (यानी गैर-वित्त फ़ोकस-समूहों के विद्यार्थियों सहित) को एक सिम्युलेटेड गेम में शामिल किया गया था, जो पाठ्यक्रम के फैग-एंड की ओर समूहों में विकसित और वितरित था। इससे उन्हें बहीखाता, बजट, परिदृश्य विश्लेषण, एबीसी और जॉब ऑर्डर की लागत, आउटसोर्सिंग, मेक-बनाम-खरीद निर्णय, बोली लगाएं या नहीं आदि से शुरू होने वाले एक गतिशील और प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी शिक्षा को लागू करने में मदद मिली। खेल विद्यार्थियों को उनके समग्र प्रबंधन ज्ञान का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए डिज़ाइन किया गया था जैसे कि मूल्य निर्धारण, स्थिति निर्धारण, लीन विनिर्माण आदि। हालाँकि, यह 3 घंटे की लंबी गतिविधि थी और गहरी समझ के लिए, लागत और मूल्य निर्धारण पर सूचीबद्ध फर्मों के डेटा की उपलब्धता एक चुनौती थी। इस प्रकार, इलाके में स्टार्टअप और छोटे खाद्य जोड़ों द्वारा सामना की जा रही डिजाइनिंग और मूल्य निर्धारण दुविधा को हल करने के लिए एक कैपस्टोन परियोजना तैयार की गई थी, जिसके तहत 20 ऐसे छोटे व्यवसायों को पहचाना गया जो पाठ्यक्रम के अंत में विद्यार्थी समूहों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली परामर्श परियोजना रिपोर्ट से लाभान्वित हो सकते हैं।

- **समकालीन प्रासंगिकता अध्ययन**

  सीसीएस पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए हैं जो अपने चुने हुए विषय क्षेत्रों में पुस्तकों, शोध लेखों, ब्लॉगों, चर्चा और संकाय की मदद से व्यापक सैद्धांतिक आधारों को समझकर कौशल विकसित करना चाहते हैं। संकाय विभिन्न छोटे और दिलचस्प समस्याओं / शोध प्रश्नों की जानकारी देते हैं जो शोध के योग्य हैं और प्रकृति में समकालीन हैं। यह संकाय द्वारा व्यापक अध्ययन और एक मज़बूत शोध संसाधन द्वारा संभव हो पाया है। इसके बाद छात्र उस समस्या को चुनते हैं जिस पर वे काम करना चाहते हैं। संकाय लक्षित सामग्री और परस्पर चर्चाओं के माध्यम से सीखने की सुविधा देता है। इस प्रकार, विद्यार्थी उस विषय की गहराई को समझते हैं जिस पर वे काम कर रहे हैं। संकाय के अतिरिक्त सहयोग और संबंधित डेटा के साथ एक छोटा पायलट अध्ययन करने में उनकी मदद द्वारा, पाठ्यक्रम में शामिल एप्लाइड लर्निंग बहुत सुविधाजनक हो जाती है।

- **आम अंशों की मूल्य लोचता की प्रकृतिः भारत में नीति प्रयोग से साक्ष्य**

  दुनिया भर में सेबी जैसे बाजार नियामक नीतियों पर काम कर रहे हैं, जिससे बाजारों में खुदरा निवेशक की भागीदारी बेहतर हो सके। इस तरह की एक विधि बाजार की तरलता में सुधार कर रही है जिसके परिणामस्वरूप ट्रेड किए गए अंशों की उचित कीमत की खोज होती है। भारत ने द्वितीयक बाजार में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हाल ही की प्रगति के बावजूद, बहुत उच्च प्रमोटर होल्डिंग्स (फैमिली / बिज़नेस ग्रुप) से उभरने वाले मुद्दों से घिरा है। बाजार की ऐसी खामियों को दूर करने के लिए, सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों को बाध्य किया है कि वे अपनी प्रमोटर होल्डिंग को 75s तक तरल करें। संस्थान के वित्त और लेखा क्षेत्र में शोध के प्रयासों ने सफलतापूर्वक पहचान की और इस घटना को शेयरों की आपूर्ति के लिए एक अभूतपूर्व झटका करार दिया और मांग वक्र परिकल्पना को पुनः नकारात्मक दिशा में स्थापित कर दिया, क्योंकि इस विषय में अनुभवजन्य साहित्य ने ज्ञान के मौजूदा निकाय को देखते हुए इस तरह के शोध की मांग की है, जो जानकारी या प्रभाव सिद्ध करने के लिए इस आपूर्ति पक्षीय आघात को उप-समाधान माने या आपूर्ति पक्षीय आघात को सिद्ध सूचना-प्रभाव, परिणामों को पूर्वाग्रहित करने वाला माने।

प्रो. कावेरी कृष्नन

- निवेश के वैकल्पिक पाठ्यक्रम में व्यापार चक्र और पोर्टफोलियो प्रबंधन पर एक इंटरैक्टिव ऑन-लाइन सिमुलेशन आयोजित किया गया था।
- एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म EquityLevers का उपयोग स्टॉक और बॉन्ड वैल्यूएशन पर लाइव भारतीय मामलों को लाने के लिए किया गया था, और भारतीय वित्तीय बाजार में निवेश परिदृश्य पर एक विशेषज्ञ, इक्विटीलाइवर्स के संस्थापक द्वारा एक अतिथि व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी।
- वास्तविक कंपनियों और लाइव डेटा के साथ एक पोर्टफोलियो सिम्युलेटर का उपयोग किया गया था, जहां विद्यार्थियों ने सिमुलेशन के माध्यम से वास्तविक स्टॉक खरीदने और बेचने का अनुभव किया।

प्रो. विनय रमनी

- विभिन्न सैद्धांतिक विचारों को व्यक्त करने के लिए

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 41 06/12/2019 19:08:36

व्याख्यान और ध्यान से चुने हुए मामले का एक मिश्रण, जो सामग्री में समकालीन थे और संदर्भ में अनुकूलित रूप से लिखे गए थे, का उपयोग किया गया था। विशेष रूप से, विश्लेषणात्मक मॉडल (अर्थशास्त्र के) को विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों (रणनीति, विपणन और संचालन) से संबंधित करने और मूलभूत और कार्यात्मक विषयों के बीच संबंध को उजागर करने का प्रयास किया गया था।

- ग्रीन सप्लाय चैन, क्लोज्ड लूप सप्लाय चैन विषय की दिलचस्प समस्याओं का अध्ययन करने के लिए और हाल ही में, सुरक्षा परिणामों पर विभिन्न कार्यस्थल सुरक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रमों के प्रभाव के अध्ययन में भी प्रायोगिक सूक्ष्मअर्थशास्त्र से लिए गए विचार, मुख्य रूप से गेम थ्योरी, का उपयोग किया गया था। प्रायोगिक सैद्धांतिक शोध में व्यावसायिक निर्णय लेने वाले संदर्भों को पढ़ाया जाता है।

उद्योग और बाजार की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, एक नया वैकल्पिक पाठ्यक्रम - 'नवाचार, प्रौद्योगिकी और नए उत्पाद विकास' - प्रोफेसर दीपिका गुप्ता द्वारा डिजाइन और पढ़ाया गया था। 'सॉफ्टवेयर परियोजनाओं का प्रबंधन' एक और कोर्स था जिसने सॉफ्टवेयर उद्योग की आवश्यकता को संबोधित किया। इसे अभ्यागत संकाय और आईआईएमटी के प्रोफेसर मधुचंद दास औंधे द्वारा पढ़ाया गया।

संस्थान के संकाय द्वारा अपनाए जा रहे अन्य मूल्य-वर्धक, ज्ञान-संवर्धक अभ्यास निम्नलिखित हैं:

- भा.प्र.सं.बैं. (मार्गदर्शक संस्थान) और अन्य पुराने, अधिक स्थापित भा.प्र.सं. (जैसे भा.प्र.सं. इंदौर) के वरिष्ठ प्रोफेसरों द्वारा सह-शिक्षण।
- नई शिक्षण विधियों / उपकरणों का परिचय - खेल और अनुकरण।
- अभिनव निर्धारण तकनीक - जैसे ग्रुप क्विज़, स्टार्टअप्स के लिए लाइव परामर्श (लागत और मूल्य निर्धारण), और समूह प्रस्तुतियों की क्रॉस-ग्रेडिंग।
- शिक्षण में स्वयं के शोध पत्रों के निष्कर्षों का उपयोग करना।
- नीति प्रेरित समाचार / घटनाओं पर आधारित शोध।
- स्वतंत्र अध्ययन (सीआईएस) परियोजनाओं के पाठ्यक्रम और प्रशिक्षुओं का रिसर्च पाइपलाइन के साथ संरेखण।
- अंतःविषयक शोध
- शोध प्रकाशनों के लिए अग्रणी बी-स्कूलों से सहयोग।

धारा 26(2):

वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को दिए गए भत्ते और अन्य भुगतान सहित) प्राप्त करने वाले संकाय सदस्यों और संस्थान के अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम और वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे कर्मचारियों द्वारा किए गए योगदान का विवरण।

(परिशिष्ट के रूप में संलग्न है)

धारा 26(3):

उप-धारा (2) में उल्लेखित कथन यह इंगित करेगा कि क्या कोई भी कर्मचारी संस्थान के शासी मंडल या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य का रिश्तेदार है, और यदि ऐसा है, तो ऐसे सदस्य का नाम; और शासी मंडल द्वारा निर्धारित अन्य विवरण।

संस्थान के ज्ञान और विश्वास के अनुसार, प्रतिवेदन की तारीख पर, उच्च पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में शामिल कोई भी अधिकारी शासी मंडल या अकादमिक परिषद के किसी भी सदस्य का रिश्तेदार नहीं है।

धारा 26(4):

निदेशक, लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन में निहित प्रत्येक आरक्षण, योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी पर उप-धारा (1) में निर्दिष्ट प्रतिवेदन में पूरी जानकारी और स्पष्टीकरण देने के लिए भी बाध्य होंगे।

वर्ष 2018-19 के लिए संस्थान के खातों पर C&AG द्वारा पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन (SAR) में, प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) कार्यालय, हैदराबाद ने प्रतिवेदित किया है कि:

4(i) उन्होंने वह समस्त जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त की है जो उनके ज्ञान और विश्वास के अनुसार, उनके अंकेक्षण के प्रयोजन के लिए आवश्यक था;

4(ii) इस प्रतिवेदनमें दिए गए तुलन-पत्र, आय एवं व्यय खाता और प्राप्ति एवं भुगतान खाता भारत के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय शैक्षिक संस्थानों के लिए निर्धारित संशोधित लेखा प्रारूप के अनुसार ही तैयार किए गए हैं।

4(iii) उनकी राय में, अब तक इस तरह की पुस्तकों के उनके लेखा परीक्षा के आधार

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 42 06/12/2019 19:08:36

पर संस्थान द्वारा उचित खाता पुस्तिकाएं और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड रखे गए हैं।

4(iv) वे यह भी प्रतिवेदन करते हैं किः-

क.सामान्य

क.1 परिसर की दीवार का निर्माण (रु. 5.39 करोड़) का वर्गीकरण 'भवन' के बजाए 'स्थल विकास' में किया गया है जो कि गलत है और इसे सुधारा जाना चाहिए।

क.2 पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों दोनों से संबंधित कॉशन जमा को,एमएचआरडी दिशानिर्देशों के अनुसार विभाजित किए बिना, वर्तमान देनदारियों (अनुसूची 3) के तहत संयोजित किया गया था। जिसे सुधारने की आवश्यकता है।

क.3 शैक्षिक और गैर-शैक्षिक कर्मचारी, दोनों से संबंधित कुल व्यय को, एमएचआरडी दिशानिर्देशों के अनुसार अलग-अलग वर्गीकृत करने के बजाए, एक ही शीर्षक के तहत दर्शाया गया है जिसे सुधारने की आवश्यकता है।

ख. सहायता अनुदान

वर्ष के दौरान प्राप्त रु.32.65 करोड़ (मार्च, 2019 में प्राप्त रू.1.00 करोड़ सहित), पिछले वर्ष की अप्रयुक्त राशि रू.9.34 करोड़ एवं अर्जित ब्जाज रू.0.44 करोड़ के साथ अनुदान सहायता में कुल रू.42.43 करोड़ थे। जिसमें से भा.प्र.सं.वि. ने 31 मार्च 2019 तक रु.13.76 करोड़ की राशि का उपयोग किया है एवं कुल अप्रयुक्त शेष रू.28.67 करोड़ है।

ग. प्रबंधन को पत्र

जिन कमियों को इस रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से संस्थान के ध्यान में लाया गया है।

4(v) पहले पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, CAG यह उल्लेख करते हैं कि इस प्रतिवेदन के साथ दिए गए तुलन-पत्र, आय और व्यय खाता और प्राप्ति और भुगतान खाते लेखांकन पुस्तकों के अनुसार ही हैं।

4(vi) उनकी राय में और उनकी सर्वोत्तम जानकारी में और हमें दिए गए विवरण के अनुसार, लेखांकन नीतियों और लेखा टिप्पणियों के साथ और ऊपर दिए गए महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के अनुच्छेद में उल्लेखित अन्य मामलों के अधीन पढ़ा जाने वाला उपरोक्त वित्तीय विवरण भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष विवरण प्रस्तुत करता हैः

क. जहाँ तक यह 31 मार्च 2019 को भारतीय प्रबंध संस्थान, विशाखपट्टणम के वित्तीय मामलों के तुलन-पत्र से संबंधित है; और

ख. जहाँ तक यह उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खातों से संबंधित है।

प्रतिवेदन के अनुलग्नक में, अन्य बातों के साथ, उन्होंने कहाः

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तताः- आंतरिक लेखा परीक्षा का कार्यभार चार्टर्ड एकाउंटेंट्स फर्म मेसर्स मनोहर चौधरी एंड एसोसिएट्स को सौंपा गया था, जिन्होंने वर्ष 2018-19 के लिए लेखा-परीक्षण पूरा किया।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तताः विभिन्न लेन-देन के अनुचित लेखांकन के कारण आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त नहीं थी।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणालीः वर्ष 2018-19 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन पूरा हो गया है और लेखापरीक्षा में कोई विसंगतियां नहीं देखी गईं हैं।

4. वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणालीः वर्ष 2018-19 के लिए वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन पूरा हो गया है और लेखापरीक्षा में कोई विसंगतियां नहीं देखी गईं हैं।

5. वैधानिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितताः वैधानिक देय राशि का नियमित भुगतान किया गया है। इस प्रकार, लेखा-परीक्षा मुख्य रूप से वस्तुओं आदि के वर्गीकरण / डी-ग्रुपिंग से संबंधित है। हालांकि, संस्थान यह सुनिश्चित

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 43 06/12/2019 19:08:36

करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने का प्रयास करता है कि टिप्पणियों को विधिवत रूप से संबोधित / सुधारा जाए और भविष्य में उन सुझावों का अनुपालन किया जाए।

निष्कर्ष रूप में, यह कहा जा सकता है कि भा.प्र.सं की नई पीढ़ी के संस्थानों के बीच अत्यंत शीर्ष पर पहुँच गया है। संस्थान को अपनी विभिन्न पहलों का 'प्रथम-आयोजक' होने पर गर्व है।

संस्थान की आकांक्षा अद्वितीय होना है। संस्थान की महत्वाकांक्षा प्रबंधन-शिक्षा में एक पथ-प्रवर्तक और पथ-जनक के रूप में उभरने की है। इस प्रकार, उद्देश्य केवल सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करना नहीं है; बल्कि, आगामी प्रथाओं को बनाना भी है।

संस्थान अपने उच्च प्रभाव वाली शैक्षिक, शोध और क्षमता निर्माण की पहल के माध्यम से, सभी हितधारकों के विश्वास और भरोसे को बनाए रखते हुए, भा.प्र.सं. अधिनियम में निहित वैश्विक उत्कृष्टता के मानकों को प्राप्त करने की दिशा में अपना प्रयास जारी रखता है। जैसा कि अधिनियम के तहत सुनिश्चित किया गया है, संस्थान नए ज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देने और उसे समावेशी, न्यायसंगत और सतत राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में केंद्रित करना जारी रखेगा।

एमएचआरडी और शासी मंडल के मार्गदर्शन में, संस्थान ने 2019-20 के लिए एमएचआरडी के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कि गतिविधि प्रोफाइल, परिकल्पना और विशेषज्ञता में बड़े पैमाने को दर्शाता है।

संस्थान के प्रतिबद्ध प्रयास को उत्प्रेरित करने के लिए, भा.प्र.सं.वि. के निदेशक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय; शासी मंडल के अध्यक्ष और सदस्य; वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष और सदस्य; भवन और निर्माण समिति के अध्यक्ष और सदस्य; भा.प्र.सं. बैंगलोर (मेंटर इंस्टीट्यूट) के निदेशक, संकाय और कर्मचारी; आंध्र प्रदेश सरकार, विशाखपट्टणम का जिला और शहर प्रशासन; संस्थान के आंतरिक लेखा परीक्षक (मेसर्स मनोहर चौधरी एंड एसोसिएट्स), आंध्र विश्वविद्यालय का नेतृत्व; संस्थान के प्रसिद्ध भर्तीकर्ता; परोपकारी और दाता डॉ. बी आर एल रो; भारतीय उद्योग परिसंघ; और उन सभी हितधारकों का आभार व्यक्त करते हैं, जो संस्थान की प्रगति में एक भागीदार के रूप में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

परिशिष्ट

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

वित्त वर्ष 2018-19 के लिए कर्मचारियों का सकल वेतन

क्र. सं.	कर्म. आईडी	कर्मचारी का नाम	पद	विभाग	नियुक्ति की तिथि	कुल सकल वार्षिक वेतन (रु.)
1	20001	एम चंद्रशेखर	निदेशक	निदेशक	22 मार्च 2017	29,95,564/-
2	20004	बी. श्रीरंगचार्युलु	डीन - ए एंड आर	उत्पादन और संचालन प्रबंधन	29 नवम्बर 2017	28,04,514/-
3	20003	मोहम्मद शमीम जावेद	सहायक प्रोफेसर	वित्त और लेखांकन	01 नवम्बर 2017	23,53,013/-
4	20006	अमित बरन चक्रवर्ती	सहायक प्रोफेसर	रणनीतिक प्रबंधन	11 दिसम्बर 2017	21,33,441/-
5	20007	कल्याण कोलुकुलुरी	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र	21 दिसम्बर 2017	19,25,606/-

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 44 06/12/2019 19:08:36

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

14. लेखा विवरणियाँ

2018-2019

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 45 06/12/2019 19:08:36

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च, 2019 तक का तुलन पत्र

(राशि ₹में)

निधियों के स्त्रोत	अनुसूची	2018-19	2017-18
पूँजीगत निधि	1	37,94,24,412	31,80,95,972
नामित/उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ	2	2,21,73,558	-
वर्तमान देनदारियाँ, प्रावधान एवं ऋण	3	33,21,97,721	18,39,72,802
कुल		73,37,95,691	50,20,68,774

निधियों का उपयोग	अनुसूची	2018-19	2017-18
अचल संपत्तियाँ	**4**	**13,74,40,156**	**10,43,56,593**
-मूर्त संपत्तियाँ		12,12,04,398	10,43,56,593
-अमूर्त संपत्तियाँ		1,19,73,928	-
-जारी पूँजी कार्य		42,61,830	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	**5**	**2,20,00,000**	**-**
-दीर्घावधिक		2,20,00,000	-
-अल्पावधिक		-	-
निवेश-अन्य	**6**	**16,10,88,685**	**15,34,73,184**
-दीर्घावधिक		16,10,88,685	6,32,77,000
-अल्पावधिक		-	9,01,96,184
वर्तमान देनदारियाँ	7	39,40,98,691	19,15,16,047
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	1,91,68,159	5,27,22,950
कुल		73,37,95,691	50,20,68,774

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	23
आकस्मिक देनदारियों और लेखों पर टिप्पणी	24

वास्ते भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-
सी. पी. विट्ठल	**प्रो. दीपिका आर. गुप्ता**	**प्रो. एम. चंद्रशेखर**
प्रबंधक- एफ एण्ड ए	**समन्वयक (प्रशासनिक)**	**निदेशक**

दिनाँक:17/06/2019
स्थानः विशाखपट्टणम

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 46 06/12/2019 19:08:36

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष हेतु आय और व्यय लेखा

(राशि ₹में)

विवरण	अनुसूची	2018-19	2017-18
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियाँ	9	9,22,49,170	5,60,48,561
अनुदान / अनुवृत्ति	10	8,77,97,856	15,43,71,584
निवेशों से आय	11	1,09,66,616	74,74,810
अर्जित ब्याज	12	3,21,655	4,17,977
अन्य आय	13	7,33,156	33,70,536
पूर्व अवधि आय	14	7,03,043	13,200
प्रावधान प्रतिलेखन		17,04,968	-
कुल (क)		**19,44,76,464**	**22,16,96,668**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	6,73,22,901	3,76,97,612
शैक्षणिक व्यय	16	8,25,43,018	7,40,61,793
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	1,82,18,752	1,11,47,109
परिवहन व्यय	18	37,23,569	33,90,998
मरम्मत एवं रखरखाव	19	37,88,718	29,44,888
वित्तीय लागत	20	-	-
मूलह्रास	4	1,67,17,109	2,46,71,757
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्व अवधि व्यय	22	18,24,777	4,57,427
कुल (ख)		**19,41,38,844**	**15,43,71,584**
व्यय से अधिक आय के कारण शेष (क-ख)		**3,37,620**	**6,73,25,084**
नामित निधि में/(से) स्थानांतरण		-	-
शेष राशि कायिक/पूंजी निधि में ले जाई गई अधिशेष राशि/ (घाटा) है - अनुसूची 1		**3,37,620**	**6,73,25,084**
उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	23		
आकस्मिक देनदारियों और लेखों पर टिप्पणी	24		

वास्ते भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-
सी. पी. विट्ठल	**प्रो. दीपिका आर. गुप्ता**	**प्रो. एम. चंद्रशेखर**
प्रबंधक- एफ एण्ड ए	**समन्वयक (प्रशासनिक)**	**निदेशक**

दिनाँक:17/06/2019
स्थानः विशाखपट्टणम

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 47 06/12/2019 19:08:36

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 1 - कायिक/पूंजी निधि				
विवरण	**2018-19**		**2017-18**	
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि = क + ग		**31,80,95,972**		**18,02,00,364**
स्थायी परिसंपत्ति के लिए पूँजी कोष का अथशेष (क)	16,06,29,160		9,81,72,578	
जोड़ें: पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त किया गया यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान	4,97,73,668		6,24,16,544	
जोड़ें: संपत्ति - दान / उपहार	27,004		40,038	
स्थायी परिसंपत्ति के लिए पूँजी कोष का इतिशेष (ख)	**21,04,29,832**		**16,06,29,160**	
कायिक निधि का अथशेष (ग)	**15,74,66,812**		**8,20,27,786**	
जोड़ें: निधि से किए गए निवेश से आय	1,11,90,148		81,13,942	
जोड़ें: व्यय से अधिक आय, आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित	3,37,620		6,73,25,084	
कायिक निधि का इतिशेष (घ)	**16,89,94,580**		**15,74,66,812**	
वर्ष के अंत में शेष = ख + घ		**37,94,24,412**		**31,80,95,972**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 48 06/12/2019 19:08:36

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 2 - नामित/निर्धारित/अक्षय निधि		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क.		
i. प्रारंभिक शेष	-	-
ii. वर्ष के दौरान वृद्धि	2,22,00,000	-
iii. कोष के निवेश से आय	-	-
iv. निवेश / अग्रिमों पर अर्जित ब्याज	76,665	-
कुल (क)	**2,22,76,665**	**-**
ख.		
निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय		
i) पूंजी व्यय	-	-
ii) राजस्व व्यय	1,03,107	-
कुल (ख)	**1,03,107**	**-**
साल के अंत में शेष (क - ख)	**2,21,73,558**	**-**
स्वरूप-		
नकद और बैंक बैलेंस	96,893	-
निवेश	2,20,00,000	-
अर्जित लेकिन अप्राप्य ब्याज	76,665	-
कुल	**2,21,73,558**	**-**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 49 06/12/2019 19:08:36

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 2क - अक्षय निधि

क्र. सं.	अक्षय निधि का नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान वृद्धि		कुल		वर्ष के दौरान उद्देश्य पर व्यय	अंतिम शेष		कुल (10अ11)
		अक्षय निधि	संचित ब्याज	अक्षय निधि	ब्याज	अक्षय निधि (3अ5)	संचित ब्याज (4अ6)		अक्षय निधि	संचित ब्याज	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	वाणी रोजा फाउंडेशन - भवन कायिक	-	-	2,00,00,000	69,345	2,00,00,000	69,345	-	2,00,00,000	69,345	2,00,69,345
2	वाणी रो मेमोरियल गोल्ड मेडल - कायिक	-	-	20,00,000	7,320	20,00,000	7,320	-	20,00,000	7,320	20,07,320
3	वाणी रो मेमोरियल गोल्ड मेडल - कायिक वृद्धि	-	-	2,00,000	-	2,00,000	-	1,03,107	96,893	-	96,893
	कुल	**-**	**-**	**2,22,00,000**	**76,665**	**2,22,00,000**	**76,665**	**1,03,107**	**2,20,96,893**	**76,665**	**2,21,73,558**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 50 06/12/2019 19:08:37

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियाँ, प्रावधान और ऋण			
	विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क.	**वर्तमान देनदारियाँ**		
	1. कर्मचारियों से प्राप्त जमा	-	-
	2. विद्यार्थियों से प्राप्त जमा	**65,62,133**	**52,23,738**
	क) जमानत राशि	33,51,410	21,90,990
	ख) भोजनशाला अग्रिम	32,10,723	30,32,748
	3. विविध लेनदार (माल एवं सेवा)	1,62,51,090	6,65,58,080
	4. अन्य जमा (धरोहर राशि, सुरक्षा निधि सहित)	**21,29,125**	**37,02,206**
	5. सांविधिक देयताएँः (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS)	**49,49,416**	**31,09,790**
	क) अतिदेय	-	-
	ख) अन्य	49,49,416	31,09,790
	6. अन्य वर्तमान देनदारियाँ	**29,45,82,374**	**10,29,61,939**
	क) प्रायोजित परियोजनाओं के तहत प्राप्तियाँ	2,90,760	-
	ख) अप्रयुक्त अनुदान	**28,67,08,736**	**9,33,73,807**
	i) राजस्व अनुदान	-	47,97,856
	ii) पूंजी अनुदान	6,39,92,416	8,85,75,951
	iii) पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	22,27,16,320	-
	ग) अग्रिम शुल्क प्राप्ति (PGCEP)	39,07,969	-
	घ) अन्य दायित्व	**36,74,909**	**95,88,132**
	i विद्यार्थियों को देय	19,17,320	29,47,006
	ii संकाय को देय	13,41,919	62,17,896
	iii कर्मचारियों को देय	64,601	1,16,295
	iv अन्य को देय	3,51,069	3,06,935
	कुल (क)	**32,44,74,138**	**18,15,55,753**
ख.	**प्रावधान**		
	1. उपदान	32,19,049	12,12,860
	2. संचित अवकाश नकदीकरण	30,03,137	9,95,023
	3. अन्य (अंतर्राष्ट्रीय निमग्रन)	-	2,09,166
	कुल (ख)	**62,22,186**	**24,17,049**
ग.	**ऋण - HEFA**		
	1. ऋण	15,00,000	-
	2. ब्याज	1,397	-
	कुल (ग)	**15,01,397**	**-**
	कुल (क+ख+ग)	**33,21,97,721**	**18,39,72,802**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 51 06/12/2019 19:08:37

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 3(क) - प्रायोजित परियोजना

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक शेष 01.04.2018 को		वर्ष के दौरान प्राप्तियां/वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	31.03.2019 को अंतिम शेष	
		जमा	नामे				जमा	नामे
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	कॉर्पोरेट डेटा प्रबंधन	-	-	3,91,760	3,91,760	1,01,000	2,90,760	-
2	महिला स्टार्ट अप कार्यक्रम	-	-	15,73,155	15,73,155	15,73,155	-	-
	कुल	**-**	**-**	**19,64,915**	**19,64,915**	**16,74,155**	**2,90,760**	**-**

(राशि ₹में)

अनुसूची 3(ख) - प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति राशि

क्र.सं.	प्रायोजक का नाम	प्रारंभिक शेष 01.04.2018 को		वर्ष के दौरान प्राप्तियां/वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	31.03.2019 को अंतिम शेष	
		जमा	नामे				जमा	नामे
1	2	3	4	5	6	7	8	9
		-	-	-	-	-	-	-
	कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 52 06/12/2019 19:08:37

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 3(ग) - यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त, अप्रयुक्त अनुदान

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क. भारत सरकार		
प्रारंभिक शेष	9,33,73,807	5,76,82,426
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	**32,65,00,000**	**25,00,00,000**
i) राजस्व अनुदान	**8,30,00,000**	17,00,00,000
ii) पूंजी अनुदान	2,00,00,000	8,00,00,000
iii) पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	22,35,00,000	-
जोड़ें: अप्रयुक्त अनुदान पर ब्याज	**44,06,453**	**24,79,509**
i) राजस्व अनुदान	-	-
ii) पूंजी अनुदान	41,90,133	24,79,509
iii) पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	2,16,320	-
कुल (अ)	**42,42,80,260**	**31,01,61,935**
घटाएँ: प्रतिदाय	-	-
घटाएँ: व्यय के लिए प्रयुक्त		
राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	8,77,97,856	15,43,71,584
पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	4,87,73,668	6,24,16,544
पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (स्थायी परिसर)	10,00,000	-
कुल (आ)	**13,75,71,524**	**21,67,88,128**
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया (अ-आ)= क	**28,67,08,736**	**9,33,73,807**
अप्रयुक्त राजस्व अनुदान	-	**47,97,856**
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान	6,39,92,416	8,85,75,951
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	22,27,16,320	-
ख. यूजीसी अनुदान		
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया = ख	**-**	**-**
ग. राज्य सरकार से अनुदान		
अप्रयुक्त आगे ले जाया गया = ग	**-**	**-**
महा योग (क+ख+ग)	**28,67,08,736**	**9,33,73,807**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 53 06/12/2019 19:08:37

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 - अचल संपत्तियाँ	
इस शीर्ष के अंतर्गत, वर्गीकरण और प्रकटीकरण निम्नानुसार होंगे:	
1. भूमि -	स्वामित्व वाली भूमि और पट्टेदार भूमि शामिल है, अलग-अलग दर्शाई जाएं।
2. स्थल का विकास	
3. भवन	संस्थान की इमारतें जैसे कॉलेज भवन, कार्यालय भवन, कर्मचारी आवासीय भवन, छात्रावास भवन, अस्थायी ढांचे और शेड शामिल हैं।
4. प्लांट एवं मशीनरी	एयर कंडीशनर, पानी / एयर कूलर, जनरेटर सेट, टीवी सेट, अग्निशामक आदि शामिल हैं।
5. विद्युत स्थापना	बिजली के जुड़नार और फिटिंग जैसे पंखे और ट्यूब, बिजली फिटिंग शामिल हैं।
6. ट्यूब वेल और जल आपूर्ति प्रणाली	टूबवेल और पानी की आपूर्ति प्रणालियों को एक विशिष्ट श्रेणी के रूप में दिखाया जा सकता है।
7. कार्यालयीन उपकरण	फ़ैक्स मशीन, फोटोकॉपीयर, ईपीएबीएक्स, टाइपराइटर, डुप्लिकेटिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर्स आदि जैसी वस्तुएं शामिल हैं।
8. प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण	सूक्ष्मदर्शी, दूरबीन, विच्छेदन उपकरण, कांच के उपकरण, माप उपकरण और अन्य प्रकार की प्रयोगशाला उपकरणों के रूप में वस्तुएं शामिल हैं।
9 . ऑडियो-विडियो उपकरण	टेलीविजन सेट, ओवरहेड प्रोजेक्टर, टेप रिकार्डर, डीवीडी / वीसीडी प्लेयर, कैमरा, मूवी प्रोजेक्टर आदि शामिल हैं।
10. फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग	डेस्क / बेंच, केबिनेट, अलमारी, टेबल, कुर्सियाँ, विभाजक आदि जैसे आइटम शामिल हैं।
11. कंप्यूटर / बाह्य उपकरण	कम्प्यूटर, प्रिंटर और अन्य बाह्य उपकरण जैसे यूपीएस आदि शामिल हैं।
12. खेल उपकरण	टेबल टेनिस टेबल, जिम उपकरण जैसे आइटम शामिल हैं।
13. वाहन	बसें, लॉरी, वैन, कार, स्कूटर आदि शामिल हैं।
14. पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएं	लाइब्रेरी पुस्तकों में पुस्तकों / वैज्ञानिक पत्रिकाओं को शामिल किया जाएगा।
15. अमूर्त संपत्ति	कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर, पेटेंट और ट्रेडमार्क, ई पत्रिकाओं को अलग से निर्दिष्ट किया गया है।
16. चल रहे पूंजीगत कार्य	निर्माणाधीनन स्थायी परिसंपत्ति, अधिग्रहित संयंत्र, मशीनरी और उपकरण को इस शीर्ष के तहत दिखाया जाना चाहिए जब तक वे अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं, और लंबित स्थापना और प्रवर्तन भी यहां शामिल किए जाने चाहिए।.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 54 06/12/2019 19:08:37

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 55

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4 - अचल संपत्तिया (4क अ 4ख अ 4ग का योग)

क्र. सं.	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				2018-2019 के लिए मूल्यह्रास				निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2019	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए मूलह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास	31.03.2019	31.03.2018
1	भूमि	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	स्थान का विकास	5,39,55,500	-	-	5,39,55,500	-	-	-	-	5,39,55,500	5,39,55,500
3	भवन	2,84,80,443	48,60,955	-	3,33,41,398	2,84,80,442	9,72,191	-	2,94,52,633	38,88,765	1
4	सड़के एवं पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप एवं जलापूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	मल-जल निकासी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण	96,55,692	29,08,497	-	1,25,64,189	96,55,691	5,81,699	-	1,02,37,390	23,26,799	1
8	प्लांट एवं मशीनें	1,00,85,751	2,71,200	-	1,03,56,951	10,73,038	5,17,848	-	15,90,886	87,66,065	90,12,713
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालयीन उपकरण	16,37,628	18,60,291	-	34,97,919	2,05,894	2,62,344	-	4,68,238	30,29,681	14,31,734
11	ऑडियो-विडियो उपकरण	2,56,47,919	49,19,164	-	3,05,67,083	46,78,124	22,92,531	-	69,70,655	2,35,96,428	2,09,69,795
12	कंप्यूटर इत्यादि उपकरण	64,96,590	46,37,873	-	1,11,34,463	24,64,682	22,26,893	-	46,91,575	64,42,888	40,31,908
13	फर्निचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	1,55,72,877	53,55,519	-	2,09,28,396	24,03,765	15,69,629	-	39,73,394	1,69,55,002	1,31,69,112
14	वाहन	43,000	-	-	43,000	12,100	4,300	-	16,400	26,600	30,900
15	प्रयोगशाला पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	23,01,763	7,68,797	-	30,70,560	5,47,076	3,07,056	-	8,54,132	22,16,428	17,54,687
16	अल्प मूल्य संपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (क)	**15,38,77,405**	**2,55,82,296**	**-**	**17,94,59,701**	**4,95,20,812**	**87,34,491**	**-**	**5,82,55,303**	**12,12,04,398**	**10,43,56,593**
17	कार्यशील पूंजी (ख)	-	42,61,830	-	42,61,830	-	-	-	-	42,61,830	-

06/12/2019 19:08:37

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4 - अचल संपत्तिया (4क अ 4ख अ 4ग का योग)

क्र. सं.	अमूर्त संपत्तियाँ	प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2019	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौती/ समायोजन	कुल परिशोधन / समायोजन	31.03.2019	31.03.2018
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	31,40,471	17,66,586	-	49,07,057	31,40,471	7,06,634	-	38,47,105	10,59,952	-
19	ई-बुक्स जर्नल्स	36,11,284	1,81,89,960	-	2,18,01,244	36,11,284	72,75,984	-	1,08,87,268	1,09,13,976	-
20	पेटेन्ट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total (C)	**67,51,755**	**1,99,56,546**	**-**	**2,67,08,301**	**67,51,755**	**79,82,618**	**-**	**1,47,34,373**	**1,19,73,928**	**-**
Grand Total (A+B+C)		**16,06,29,160**	**4,98,00,672**	**-**	**21,04,29,832**	**5,62,72,567**	**1,67,17,109**	**-**	**7,29,89,676**	**13,74,40,156**	**10,43,56,593**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 57

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4क - MHRD अनुदान से संपत्ति

क्रस	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				वर्ष 2018-19 के लिए मूलह्रास					निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2019	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	दर	वर्ष के लिए मूलह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास	31.03.2019	31.03.2018
1	भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2	स्थान का विकास	5,39,55,500	-	-	5,39,55,500	-	-	-	-	-	5,39,55,500	5,39,55,500
3	भवन	2,84,80,443	48,60,955	-	3,33,41,398	2,84,80,442	20.00%	9,72,191	-	2,94,52,633	38,88,765	1
4	सड़के एवं पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप एवं जलापूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	मल-जल निकासी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण	96,55,692	29,08,497	-	1,25,64,189	96,55,691	20.00%	5,81,699	-	1,02,37,390	23,26,799	1
8	मशीनें एवं उपकरण	1,00,85,751	2,71,200	-	1,03,56,951	10,73,038	05.00%	5,17,848	-	15,90,886	87,66,065	90,12,713
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालयीन उपकरण	16,37,628	18,60,291	-	34,97,919	2,05,894	07.50%	2,62,344	-	4,68,238	30,29,681	14,31,734
11	ऑडियो-विडियो उपकरण	2,56,47,919	49,19,164	-	3,05,67,083	46,78,124	07.50%	22,92,531	-	69,70,655	2,35,96,428	2,09,69,795
12	कंप्यूटर इत्यादि	64,96,590	46,37,873	-	1,11,34,463	24,64,682	20.00%	22,26,893	-	46,91,575	64,42,888	40,31,908
13	फर्निचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	1,55,72,877	53,55,519	-	2,09,28,396	24,03,765	07.50%	15,69,629	-	39,73,394	1,69,55,002	1,31,69,112
14	वाहन	43,000	-	-	43,000	12,100	10.00%	4,300	-	16,400	26,600	30,900
15	प्रयोगशाला पुस्तकें	20,84,553	7,41,793	-	28,26,346	5,07,613	10.00%	2,82,635	-	7,90,248	20,36,098	15,76,940
16	अल्प मूल्य संपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (क)	**15,36,59,953**	**2,55,55,292**	**-**	**17,92,15,245**	**4,94,81,349**	**-**	**87,10,070**	**-**	**5,81,91,419**	**12,10,23,826**	**10,41,78,604**
17	कार्यशील पूंजी (ख)	-	42,61,830	-	42,61,830	-		-	-	-	42,61,830	-

06/12/2019 19:08:38

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4क - MHRD अनुदान से संपत्ति

क्रस	अमूर्त संपत्तियां	प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2019	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	दर	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौती/ समायोजन	कुल परिशोधन / समायोजन	31.03.2019	31.03.2018
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	31,40,471	17,66,586	-	49,07,057	31,40,471	40.00%	7,06,634	-	38,47,105	10,59,952	-
19	ई-बुक्स	36,11,284	1,81,89,960	-	2,18,01,244	36,11,284	40.00%	72,75,984	-	1,08,87,268	1,09,13,976	-
20	पेटेन्ट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (ग)		**67,51,755**	**1,99,56,546**	**-**	**2,67,08,301**	**67,51,755**		**79,82,618**	**-**	**1,47,34,373**	**1,19,73,928**	**-**
सकल योग (क+ख+ग)		**16,04,11,708**	**4,97,73,668**	**-**	**21,01,85,376**	**5,62,33,104**		**1,66,92,688**	**-**	**7,29,25,792**	**13,72,59,584**	**10,41,78,604**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 58 06/12/2019 19:08:38

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English CombinedLindd 59

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4खः परियोजनाओं / अन्य अनुदान से संपत्ति

क्रस	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				वर्ष 2018-19 के लिए मूलह्रास				निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2019	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए मूलह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास	31.03.2019	31.03.2018
1	भूमि										
2	स्थान का विकास										
3	भवन										
4	सड़के एवं पुल										
5	नलकूप एवं जलापूर्ति										
6	मल-जल निकासी										
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण										
8	मशीनें एवं उपकरण										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण										
10	कार्यालयीन उपकरण										
11	ऑडियो-विडियो उपकरण										
12	कंप्यूटर इत्यादि										
13	फर्निचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स										
14	वाहन										
15	प्रयोगशाला पुस्तकें										
16	अल्प मूल्य संपत्तियाँ										
	कुल (क)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	कार्यशील पूंजी कार्य (ख)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

कुछ नहीं

क्रस	अमूर्त संपत्तियां	प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2019	मू.ह्रा. प्रारंभिक शेष	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौती/ समायोजन	कुल परिशोधन/ समायोजन	31.03.2019	31.03.2018
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	NIL									
19	ई-जर्नल्स										
20	पेटेन्ट्स										
	कुल (ग)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	सकल योग (क+ख+ग)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

06/12/2019 19:08:38

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 4ग - अमूर्त संपत्तियाँ

क्र. सं.	संपत्तियों के नाम	सकल समुच्चित				वर्ष 2018-19 के लिए मूलह्रास					निवल समुच्चित	
		प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2019	मू. ह्रा. / परिशोधन प्रारंभिक शेष	दर	वर्ष के लिए मूलह्रास/ परिशोधन	कटौती/ समायोजन	कुल मूलह्रास/ समायोजन	31.03.2019	31.03.2018
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	31,40,471	17,66,586	-	49,07,057	31,40,471	40.00%	7,06,634	-	38,47,105	10,59,952	-
2	ई-जर्नल्स	36,11,284	1,81,89,960	-	2,18,01,244	36,11,284	40.00%	72,75,984	-	1,08,87,268	1,09,13,976	-
3	पेटेंट और कॉपीराइट	-		-	-	-	-	-	-	-		-
	कुल	**67,51,755**	**1,99,56,546**	**-**	**2,67,08,301**	**67,51,755**		**79,82,618**	**-**	**1,47,34,373**	**1,19,73,928**	**-**

(Amount in ₹)

अनुसूची 4ग(i) पेटेंट और कॉपीराइट

विवरण	प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	सकल	परिशोधन	निवल समुच्चित 2018-19	निवल समुच्चित 2017-18
क. स्वीकृत पेटेंट	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-

विवरण	प्रारंभिक शेष 01.04.2018	परिवृद्धि	सकल	स्वीकृत / अस्वीकृत पेटेंट	निवल समुच्चित 2018-19	निवल समुच्चित 2017-18
ख. आवेदित पेटेंट के संदर्भ में लंबित पेटेंट	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-
सकल योग (क+ख)	-	-	-	-	-	-

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 60
06/12/2019 19:08:38

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 61

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

SCHEDULE 4D Others (Assets-Donations)

S. No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2018-19				Net Block	
		Op Balance 01.04.2018	Additions	Deduc-tions	Cl Balance 31.03.2019	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2019	31.03.2018
1	भूमि	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	स्थान का विकास	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	सड़के एवं पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप एवं जलापूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	मल-जल निकासी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	मशीनें एवं उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालयीन उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	ऑडियो-विडियो उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कंप्यूटर इत्यादि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	फर्निचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15	प्रयोगशाला पुस्तकें	2,17,210	27,004	-	2,44,214	39,462	24,421	-	63,883	1,80,331	1,77,748
16	अल्प मूल्य संपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Total		2,17,452	27,004	-	2,44,456	39,462	24,421	-	63,883	1,80,573	1,77,990
17	जारी पूँजी कार्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सकल योग		**2,17,452**	**27,004**	**-**	**2,44,456**	**39,462**	**24,421**	**-**	**63,883**	**1,80,573**	**1,77,990**

ध्यान दें:	वर्ष के दौरान परिवृद्धि में शामिल हैं:	
	उपहार	27,004
	निर्धारित निधि	-
	प्रायोजित परियोजनाएं	-
	स्वयं की पूंजी	-
	कुल	**27,004**

06/12/2019 19:08:38

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 5 - निर्धारित / अक्षय निधि से निवेश		
विवरण	**वर्तमान वर्ष** 2018-19	**पिछला वर्ष** 2017-18
1. बैंकों के साथ सावधि जमा		
दीर्घावधिक जमा	2,20,00,000	-
अल्पावधिक जमा	-	-
कुल	**2,20,00,000**	**-**

(राशि रू. में)

अनुसूची 5(क) - निर्धारित / अक्षय निधि से निवेश (निधि वार)		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछला वर्ष 2017-18**
1. अक्षय निधि निवेश	2,20,00,000	-
कुल	**2,20,00,000**	**-**

(राशि रू. में)

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछला वर्ष 2017-18**
1. बैंकों के साथ सावधि जमा		
दीर्घावधिक जमा	16,10,88,685	6,32,77,000
अल्पावधिक जमा	-	9,01,96,184
कुल	**16,10,88,685**	**15,34,73,184**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 62 06/12/2019 19:08:38

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 7 - वर्तमान संपत्तियाँ

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
1. स्टॉक:	**4,63,544**	**3,53,668**
क) चिकित्सा	18,713	-
ख) विद्युत	18,965	-
ग) स्टेशनरी	4,25,866	3,53,668
2. विविध देनदार:	**7,87,576**	**2,24,365**
क) छह महीने से अधिक अवधि से बकाया ऋण	-	-
ख) अन्य	**7,87,576**	**2,24,365**
- IIMB	6,99,507	2,24,365
- PGP - कामकाजी पेशेवर	88,069	-
3. नकदी एवं बैंक शेष:	**39,16,50,754**	**19,05,08,947**
क) अनुसूचित बैंकों में:	**39,15,72,559**	**19,04,93,519**
- चालू खाते में	73,388	54,562
- सावधि जमा खाते में	38,33,58,573	17,35,25,683
- बचत खाते में	79,35,598	60,274
- फ्लेक्सी खाते में	2,05,000	1,68,53,000
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में:	-	-
ग) हाथ में नकद	78,195	15,428
4. डाक घर बचत खाते	-	-
5. अन्य चालू संपत्तियाँ	**11,96,817**	**4,29,067**
क) CGST इनपुट टैक्स क्रेडिट	-	74,092
ख) SGST इनपुट टैक्स क्रेडिट	-	74,092
ग) IGST प्राप्य/इनपुट टैक्स क्रेडिट	8,18,892	6,483
घ) प्राप्य TDS रिफंड	3,77,925	2,74,400
कुल	**39,40,98,691**	**19,15,16,047**

(राशि ₹में)

अनुलग्नक क	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
I. बचत बैंक खाते	79,35,598	60,274
II. फ्लेक्सी खाते में	2,05,000	1,68,53,000
III. चालू खाते में	73,388	54,562
IV. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	38,33,58,573	17,35,25,683
कुल	**39,15,72,559**	**19,04,93,519**

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम और जमा		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**पिछला वर्ष 2017-18**
1. कर्मचारियों को अग्रिमः (ब्याज-रहित)	-	**15,000**
2. कर्मचारियों को दीर्घावधिक अग्रिमः (ब्याज सहित)	-	-
3. नकद या वस्तु या वसूली योग्य मूल्य के रूप में प्राप्त होने वाले अग्रिम एवं अन्य राशि	-	**39,759**
4. पूर्वदत्त व्यय	**90,04,142**	**44,37,022**
क) बीमा	13,78,994	14,97,398
ख) शैक्षणिक व्यय	59,48,107	27,26,092
ग) प्रशासन व्यय	1,15,317	1,979
घ) मरम्मत और रखरखाव	15,61,724	2,11,553
5. जमा	**4,65,686**	**2,69,961**
क) टेलीफोन और इंटरनेट	10,500	8,000
ख) लीज रेंट	70,000	70,000
ग) अन्य जमा	3,85,186	1,91,961
6. उपार्जित आयः	**96,98,331**	**79,61,208**
क) कायिक / पूँजी कोष से निवेश पर	75,68,275	39,93,628
ख) निवेशित / अक्षय निधि से निवेश पर	76,665	-
ग) अन्य निवेश पर	5,33,710	14,88,071
घ) अप्रयुक्त पूँजी अनुदान	15,19,681	24,79,509
7. अन्य - प्राप्य अनुदान - MHRD	-	**4,00,00,000**
8. प्राप्य दावे	-	-
कुल	**1,91,68,159**	**5,27,22,950**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 64 06/12/2019 19:08:39

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 9 - शैक्षणिक प्राप्तियाँ		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
शैक्षणिक		
1. शिक्षा शुल्क		
a) PGP	8,66,56,818	5,57,20,988
b) PGP - कामकाजी पेशेवर	55,44,375	-
कुल (क)	**9,22,01,193**	**5,57,20,988**
परीक्षाएं	-	-
कुल (ख)	-	-
अन्य शुल्क		
1. आवेदन शुल्क	16,500	-
2. दण्ड/विविध शुल्क	31,477	2,57,573
कुल (ग)	**47,977**	**2,57,573**
प्रकाशन विक्रय	-	-
कुल (घ)	-	-
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियाँ - कार्यशालाओं के लिए पंजीकरण शुल्क	-	**70,000**
कुल (ङ)	-	**70,000**
सकल योग (क + ख + ग + घ + ङ)	**9,22,49,170**	**5,60,48,561**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 65 06/12/2019 19:08:39

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 10 - अनुदान/अनुवृत्ति (अविकल्पी प्राप्त अनुदान)		
विवरण	**वर्तमान वर्ष 2018-19**	**PPिछला वर्ष 2017-18**
प्रारंभिक शेष	9,33,73,807	5,76,82,426
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	32,65,00,000	25,00,00,000
राजस्व अनुदान	**8,30,00,000**	**17,00,00,000**
पूँजी अनुदान	2,00,00,000	8,00,00,000
पूँजी अनुदान (स्थायी परिसर)	22,35,00,000	-
जोड़ें: अप्रयुक्त अनुदान पर ब्याज	44,06,453	24,79,509
राजस्व अनुदान	-	-
पूँजी अनुदान	41,90,133	24,79,509
पूँजी अनुदान (स्थायी परिसर)	2,16,320	-
कुल (क)	42,42,80,260	31,01,61,935
घटाएं: व्यय में प्रयुक्त		
राजस्व व्यय में प्रयुक्त	**8,77,97,856**	**15,43,71,584**
पूंजीगत व्यय में प्रयुक्त	4,87,73,668	6,24,16,544
पूँजीगत व्यय (स्थायी परिसर) में प्रयुक्त	10,00,000	-
कुल (ख)	13,75,71,524	21,67,88,128
आगे ले जाया गया शेष (ग उ क - ख)	28,67,08,736	9,33,73,807
अप्रयुक्त राजस्व अनुदान	-	**47,97,856**
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान	6,39,92,416	8,85,75,951
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	22,27,16,320	-

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 66 06/12/2019 19:08:39

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 11 - निवेश से आय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19		पिछला वर्ष 2017-18		वर्तमान वर्ष 2018-19	
	कायिक/पूँजी कोष	अक्षय निधि	कायिक/पूँजी कोष	अक्षय निधि	अन्य निवेश	
1. सावधि जमा पर ब्याज	36,21,873	-	41,20,314	-	1,04,32,906	59,86,739
2. सावधि जमा पर उपार्जित किंतु अप्राप्य आय	75,68,275	76,665	39,93,628	-	5,33,710	14,88,071
3. अन्य	-	-	-	-	-	-
कुल	**1,11,90,148**	**76,665**	**81,13,942**	-	**1,09,66,616**	**74,74,810**
प्रासंगिक कोष में अंतरित	1,11,90,148	76,665	81,13,942	-	-	-
शेष	-	-	-	-	**1,09,66,616**	**74,74,810**

(राशि ₹में)

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) अनुसूचित बैंकों में बचत खाते पर	2,97,699	4,17,977
ख) IIMB	23,956	-
कुल	**3,21,655**	**4,17,977**

(राशि ₹में)

अनुसूची 13 - अन्य आय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क. भूमि और भवन से आय	-	-
ख. संस्थान के प्रकाशनों का विक्रय	-	-
ग. कार्यक्रमों के आयोजन से आय		
1. वार्षिक समारोह / खेल कार्निवल से सकल प्राप्तियाँ	2,75,000	69,300
घ. अन्य		
1. परामर्श से आय / M D P	66,000	30,96,000
2. विविध प्राप्तियाँ (निविदा प्रपत्र, बेकार कागज की बिक्री, आदि)	95,661	34,000
3. कमरे का किराया	1,34,116	1,30,336
4. कर्मचारियों से वसूली आदि।	1,62,379	40,900
कुल	**7,33,156**	**33,70,536**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 67 06/12/2019 19:08:39

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) अर्जित ब्याज (IIMB)	6,75,551	-
ख) अन्य आय	27,492	13,200
कुल	**7,03,043**	**13,200**

(राशि ₹में)

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) वेतन और मजदूरी	4,53,71,476	2,40,95,873
ख) भत्ते और बोनस	72,51,822	26,10,985
ग) फ़्क़ में योगदान	3,53,970	3,42,760
घ) अन्य निधियों में योगदान (NPS)	23,18,995	10,04,483
ङ) कर्मचारी कल्याण खर्च	18,89,203	5,19,217
च) सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	40,36,664	20,94,958
छ) भर्ती और प्रशिक्षण	33,31,649	68,12,418
ज) अन्य - संकाय विकास व्यय	27,69,122	2,16,918
कुल	**6,73,22,901**	**3,76,97,612**

(राशि ₹में)

अनुसूची 15क- कर्मचारी सेवा-निवृत्ति और सेवांत लाभ

विवरण	उपदान	अवकाश नगदीकरण	योग
01.04.2018 को प्रारंभिक शेष	12,12,860	9,95,023	22,07,883
परिवर्धनः अन्य संगठनों से प्राप्त योगदानों का पूंजीगत मूल्य	-	-	-
कुल (क)	12,12,860	9,95,023	22,07,883
घटाएंः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	-	22,361	22,361
31.03.2019 को उपलब्ध शेष (ग) उ (क-ख)	12,12,860	9,72,662	21,85,522
31.03.2019 को बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार प्रावधान की आवश्यकता (घ)	**32,19,049**	**30,03,137**	**62,22,186**
चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग)	20,06,189	20,30,475	40,36,664
कुल	**20,06,189**	**20,30,475**	**40,36,664**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 68 06/12/2019 19:08:39

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय (अंतरर्राष्ट्रीय निमग्रम)	71,15,911	39,92,260
ख) अभ्यागत संकाय को भुगतान (यात्रा और आवास सहित)	1,60,01,156	2,52,36,520
ग) परीक्षा	6,54,952	4,31,314
घ) विद्यार्थी कल्याण व्यय	7,92,931	8,08,388
ङ) प्रवेश व्यय	37,51,915	10,11,184
च) दीक्षांत समारोह व्यय	16,90,038	23,86,457
छ) प्रकाशन/पाठ्यक्रम सामग्री	44,73,893	32,28,129
ज) वजीफा / साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति	33,60,000	37,80,000
झ) सदस्यता व्यय	85,55,177	35,53,085
ञ) स्थानन व्यय	26,78,998	26,48,525
ट) विद्यार्थी छात्रावास व्यय	2,48,95,847	1,90,71,985
ठ) कार्यक्रम व्यय	62,96,364	61,54,069
ड) अन्य कार्यक्रम व्यय (PGCEP,FPM,WSP,MDP)	22,75,836	17,59,877
कुल	**8,25,43,018**	**7,40,61,793**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 69 06/12/2019 19:08:39

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 17 - प्रशासनिक और सामान्य व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क. अधोसंरचना	**36,09,476**	**18,85,131**
क) विद्युत एवं उर्जा	20,01,928	18,64,620
ख) बीमा	24,874	20,511
ग) किराया, दर एवं कर (संपत्तिकर सहित)	**15,82,674**	**-**
i) किराया	15,29,654	-
ii) दर	53,020	-
ख. संचार	**2,87,809**	**1,94,601**
घ) डाक शुल्क एवं स्टेशनरी	1,71,398	1,47,121
ङ) दुरभाष, फेक्स और इंटरनेट प्रभार	1,16,411	47,480
ग. अन्य	**1,43,21,467**	**90,67,377**
च) मुद्रण एवं लेखन सामग्री (उपभोग)	11,08,021	8,46,937
छ) यात्रा एवं वाहन व्यय	6,25,437	7,53,662
ज) लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक	3,82,320	3,82,320
झ) वृत्ती प्रभार	3,84,131	3,84,827
ञ) विज्ञापन और प्रचार	23,38,462	9,81,408
ट) पुस्तकें और पत्रिकाएँ	13,839	25,637
ठ) संस्थान कार्यक्रम	2,39,377	8,00,500
ड) सुरक्षा प्रभार	14,54,892	12,42,634
ढ) बैठक व्यय (BOG, BWC, FIAC और अन्य समितियाँ)	66,16,668	27,60,161
ण) कार्यालयीन व्यय	9,59,912	6,85,420
त) अन्य	**1,98,408**	**2,03,871**
i) बैंक शुल्क	1,72,308	92,577
ii) वेबसाइट डिजाइनिंग व्यय	23,600	1,08,794
iii) वृत्तीकर व्यय	2,500	2,500
कुल	**1,82,18,752**	**1,11,47,109**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 70 06/12/2019 19:08:39

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को तुलन-पत्र के भाग का गठन करने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹में)

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	37,23,569	33,90,998
कुल	**37,23,569**	**33,90,998**

(राशि ₹में)

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) भवन	4,16,364	5,19,649
ख) संयंत्र एवं मशीनरी	11,800	5,074
ग) कार्यालय उपकरण	52,200	48,613
घ) कंप्यूटर्स	24,34,133	19,12,968
ङ) स्वच्छता सामग्री और सेवाएँ	8,74,221	4,58,584
कुल	**37,88,718**	**29,44,888**

(राशि ₹में)

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) बैंक प्रभार	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि ₹में)

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) डूबत और संदेहास्पद ऋण / अग्रिम के लिए प्रावधान	-	-
ख) अपरिवर्तनीय शेष समाप्त	-	-
ग) अन्य संस्थानों / संगठनों को अनुदान / सब्सिडी...	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि ₹में)

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि के व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2018-19	पिछला वर्ष 2017-18
क) शैक्षणिक व्यय (क्षमए और अन्य)	17,63,786	3,763
ख) प्रशासनिक व्यय	33,495	3,35,516
ग) मरम्मत और रखरखाव	27,496	1,18,148
कुल	**18,24,777**	**4,57,427**

अनुसूची 23

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. **वित्तीय विवरणों की तैयारी का आधार**

वित्तीय विवरण केंद्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए MHRD दिशानिर्देश और लेखा सिद्धांतों के अनुसार परंपरागत लागत परिपाटी के तहत और लेखांकन के उपार्जन आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. **राजस्व मान्यता**

2.1 विद्यार्थियों से शुल्क (शिक्षा शुल्क को छोड़कर) और बचत बैंक खाते पर ब्याज का लेखांकन नकदी आधार पर किया गया है। प्रत्येक सत्र के लिए अलग से एकत्रित शिक्षा शुल्क उपार्जन के आधार पर लेखांकित किया गया है।

2.2 बैंकों में सावधि जमा पर ब्याज उपार्जन के आधार पर लेखांकित किया गया है।

3. **अचल संपत्तियाँ और मूलह्रास**

3.1 अचल संपत्तियों को अधिग्रहण, स्थापना, कमीशन से संबंधित आवक भाड़ा, चुंगी, कर आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित अधिग्रहण की लागत पर लेखांकित किया गया है।

3.2 सरकारी अनुदान के रूप मे, निःशुल्क प्राप्त भूमि का मूल्यांकन ICAI द्वारा जारी लेखांकन मानक 12 के सिद्धांतों के अनुसार मामूली दर पर किया गया था और पूँजी कोष में जमा द्वारा दर्शाया गया है और अचलसंपत्तियों में शामिल किया गया है।

3.3 उपहारों के रूप में प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन उन पर मुद्रित विक्रय मूल्य से, मूल्य मुद्रित नहीं होने पर पुस्तकों का मूल्यांकन उनके आकलन के आधार पर किया गया है।

3.4 अचल संपत्तियों को लागत कम संचित मूलह्रास पर लेखांकित किया गया है। अचल संपत्तियों पर मूलह्रास सीधी रेखा पद्धति (SLM), MHRD अनुसूची में निर्दिष्ट अनुसार लागू दरों पर लेखांकित किया गया है (नीचे दिए अनुसार)। हालांकि, भवन और विद्युत स्थापनाओं और उपकरणों के मामले में, मूल्य का परिशोधन आंध्र विश्वविद्यालय के साथ हुए समझौते के अनुरूप किया गया है।

मूर्त संपत्तियाँ:

1	भूमि	0%
2	स्थान का विकास	0%
3	भवन (पट्टाधृत भवन की नवीकरण लागत)	5 वर्ष अनुबंध के आधार पर
4	पट्टाधृत भवन में विद्युत स्थापना और उपकरण	
5	मशीनरी और उपकरण	05.00%
6	कार्यालयीन उपकरण	07.50%
7	ऑडियो-विजुअल उपकरण	07.50%
8	कंप्यूटर और पेरीफेरल्स	20.00%
9	फर्निचर, फिक्चर्स और फिटिंग्स	07.50%
10	वाहन	10.00%
11	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	10.00%

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन):

1	ई-जर्नल्स	40.00%
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	40.00%

3.5 वर्ष के दौरान हुए परिवर्धन पर भी पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास लगाया गया है।

3.6 जिस परिसंपत्ति का पूर्ण मूल्यह्रास हो गया है, उसे तुलन-पत्र में रू.1 के अवशिष्ट मूल्य पर लिया गया है और आगे मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद, प्रत्येक वर्ष के परिवृद्धि पर उस संपत्ति मद के लिए लागू मूल्यह्रास दर पर मूल्यह्रास की गणना अलग स की गई है।

3.7 ऐसी परिसंपत्तियों को, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य रु.2000/- या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर), अल्प मूल्य आस्तियां माना गया है। ऐसी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के समय 100% मूल्यह्रास लगाया गया है। हालांकि ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा उनका भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ

4.1 ई-जर्नल्स और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया है।

4.2 ऑनलाइन उपलब्धता के सीमित लाभ को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं (ई-जर्नल्स) को पुस्तकालय की किताबों से अलग रखा गया है। ई-जर्नल्स मूर्त रूप में नहीं हैं, लेकिन व्यय की मात्रा और सतत् लाभ को देखते हुए; इन्हें पूंजीकृत किया गया है। ई-जर्नल्स पर मूल्यह्रास एक अधिकतम निर्दिष्ट दर पर लगाया गया है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर खर्च कंप्यूटर और पेरीफेरल्स से अलग किया गया है, क्योंकि, अमूर्त होते हुए भी, इनके संबंध में अप्रचलन की दर बहुत अधिक है। सॉफ्टवेयर पर मूलह्रास एक अधिकतम निर्दिष्ट दर से लगाया गया है।

4.4 सॉफ्टवेयर, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल्स आदि जिनका जीवनकाल 1 वर्ष या उससे कम है, को उनके उपयोग के अनुसार लेखांकन अवधियों के बीच संलग्न किया गया है और राजस्व व्यय माना गया है और सदस्यता शुल्क के तहत समूहीकृत किया गया है।

5. स्टॉक

भंडार सामग्री की खरीद पर व्यय को राजस्व व्यय माना जाता है, इसके अलावा 31 मार्च 2019 तक अंतिम स्टॉक को, संबंधित विभागों से प्राप्त जानकारी के आधार पर उन पर हुए संबंधित राजस्व व्यय को कम करके, वस्तु-सूची में शामिल किया गया है। उनका मूल्यांकन कीमत पर किया गया है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात, न्यू पेंशन स्कीम (NPS) और भविष्य निधि मान्यता प्राप्त है और इन्हें वास्तविक दायित्व के आधार पर राजस्व व्यय में प्रभारित किया गया है।

6.2 ग्रेच्युटी का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है और राजस्व व्यय में प्रभारित किया गया है।

6.3 अवकाश नकदीकरण का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है और राजस्व व्यय में लिया गया है।

7. निवेश

7.1 लंबी अवधि के निवेश को, उनकी लागत या अंकित मूल्य, जो भी कम है, पर लिया गया है। हालांकि तुलन-पत्र की तिथि को उनके मूल्य हुई किसी भी स्थायी कमी का प्रावधान किया गया है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 73 06/12/2019 19:08:40

7.2 अल्प अवधि के निवेश को, उनके लागत या बाजार मूल्य (यदि उद्धृत हो), जो भी कम हो, पर लिया गया है।

7.3 जिस निधि का तुरंत व्यय करना आवश्यक नहीं है उसे संचालक बैंक अर्थात आंध्र बैंक में, बचत बैंक खाते में न्यूनतम शेष राशि छोड़ते हुए, अल्प अवधि के लिए फ्लेक्सी जमा के रूप में निवेशित किया गया है।

8. **कायिक/पूँजी निधिः**

पूँजी कोष को वर्ष के दौरान पूंजीकृत अचल संपत्ति की सीमा तक रखा गया है। यह कोष मुख्य रूप से भारत सरकार से प्राप्त अनुदान और अन्य अनुदानों से बनाया गया है।

उद्दिष्ट कोष (अनुसूची -2) से कायिक निधि और सामान्य निधि के शेष का विलय किया गया है और कायिक / पूँजी कोष (अनुसूची -1) के तहत फिर से समूहबद्ध किया गया है; और, आय और व्यय खाते के अधिशेष / घाटा को कायिक / पूँजी कोष (अनुसूची -1) में स्थानांतरित किया गया है। आकस्मिक आधार पर निवेश से होने वाली आय को कोष में जमा किया गया है।

9. **उद्दिष्ट/अक्षय निधिः**

इन निधियों को विशिष्ट उद्देश्यों के लिए रखा गया है। अधिक शेष राशि वाली निधियों को बैंकों में सावधि जमा के रूप में भी निवेश किया गया है। आकस्मिक आधार पर निवेश से होने वाली आय को संबंधित निधि में जमा किया गया है। व्यय और अग्रिम को कोष में नामे लिखा गया है। उद्दिष्ट निधि से बनाई गई संस्था के स्वामित्व वाली संपत्तियों का, समान राशि पूँजी कोष में जमा लिख कर, संस्था की परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया गया है। संबंधित कोष की शेष राशि को आगे ले जाया गया है और बैंक, निवेश और उपार्जित ब्याज के रूप में संपत्तियों द्वारा दर्शाया गया है।

पहले के वर्षों में उद्दिष्ट निधि के तहत बनाए गए कायिक निधि और सामान्य निधि का अब कायिक / पूँजी कोष - अनुसूची 1 में विलय और पुर्नगठन किया गया है।

10. **सरकारी अनुदान**

10.1 सरकारी अनुदान (MHRD) प्राप्ति के आधार पर लिए गए हैं। तथापि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त हो गई है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त हुआ है, वहाँ अनुदान को उपार्जन के आधार पर लिया गया है और एक समान राशि अनुदाता से वसूली-योग्य के रूप में दर्शायी गई है।

10.2 पूंजीगत व्यय (उपार्जन आधार पर) की प्रयुक्त सीमा तक की राशि को सरकारी अनुदान को पूंजी निधि में स्थानांतरित किया गया है।

10.3 राजस्व व्यय (उपार्जन आधार पर) की पूर्ति के लिए प्रयुक्त सरकारी अनुदान को, उपयोग की गई सीमा तक, उनकी प्राप्ति के वर्ष में हुई आय के रूप में लिया गया है।

10.4 अप्रयुक्त अनुदान आगे ले जाया गया है और तुलन पत्र में वर्तमान दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

11. **आय कर**

संस्थान को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10(23C) के तहत आय पर आय कर से छूट प्राप्त है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

अनुसूची 24

आकस्मिक देनदारियां और लेखों पर टिप्पणियाँ

1. **पूंजीगत प्रतिबद्धताएँ**

31.03.2019 को पूंजी खाते से निष्पादित होने वाला कोई अपूर्ण अनुबंध लंबित नहीं था।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 74 06/12/2019 19:08:40

2. अचल संपत्तियाँ

2.1 वर्ष के दौरान अचल संपत्ति में की गई परिवृद्धि की राशि रु.497.74 लाख में MHRD निधि (रू. 497.74 लाख) से खरीदी गई संपत्ति भी शामिल हैं। संपत्तियों को पूंजी निधि में जमा द्वारा दर्शाया गया है।

2.2 ICAI द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानक - १२ के सिद्धांत के अनुसार सरकारी अनुदान के रूप में प्राप्त भूमि, निःशुल्क, को मामूली मूल्य पर मूल्यांकित किया गया है। मूल्यांकन रु.1/- प्रति एकड़ या उसके भाग (241.5 एकड़)की दर से किया गया है।

2.3 संस्थान ने अपने कार्यों को संचालित करने के लिए आंध्र विश्वविद्यालय के संरचित परिसर में 18360 वर्ग मीटर के कुल क्षेत्रफल को 21 सितंबर 2015 से 3 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर लेने के लिए एक समझौता किया है। उक्त पट्टे को 14/12/2017 को 20 सितंबर 2023 तक 5 साल की अवधि के लिए बढ़ाया गया था। तदनुसार, इमारतों और विद्युत स्थापनाओं और उपकरणों के लिए वर्ष के दौरान परिवर्धन को प्रारंभिक पट्टा समझौते के अनुसार 5 साल के लिए पूरी तरह से मूल्यह्रास किया गया है। बाद के वर्षों में होने वाली परिवृद्धि को नए अनुबंध के अनुसार मूल्यह्रास किया जाएगा।

2.4 सॉफ्टवेयर, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल्स आदि जिन्हें सतत् उपयोग के लिए खरीदा गया है, उन्हें अमूर्त संपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उन्हें तदनुसार परिशोधित किया गया है।

सॉफ्टवेयर, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल्स इत्यादि जिनका जीवन 1 वर्ष से कम या उसके बराबर होता है, को उपयोगिता के अनुसार लेखा अवधि के बीच विभाजित किया गया है। जबकि, 1 वर्ष या 1 वर्ष से कम की अवधि के नवीकरण समझौते को राजस्व व्यय माना गया है और सदस्यता शुल्क के तहत समूहीकृत किया गया है।

3. विदेशी मुद्रा में व्ययः

1. यात्रा ₹.26,36,641/-
2. अन्य (पुस्तकालय) ₹.1,53,93,182/-

4. वर्तमान संपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा

4.1 सामान्य परिस्थिति में वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं का प्राप्त मूल्य को तुलन-पत्र में, कम से कम दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है।

4.2 भारत सरकार के दिशानिर्देशों और संस्थान की निवेश नीति के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में सावधि जमा राशि रु.3833.59 लाख है।

5. उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ

संस्थान को वर्ष 2018-19 के दौरान रू. 222.00 लाख का दान मिला है और अनुसूची 2क के तहत लिखा गया है।

पहले के वर्षों में उद्दिष्ट निधि के तहत बनाए गए कायिक निधि और सामान्य निधि को अब कायिक / पूँजी कोष – अनुसूची 1 के तहत विलय कर, पुनः समूहबद्ध किया गया है।

6. सरकार और UGC अनुदानः

6.1 MHRD से अनुदान तीन 'सहायता अनुदान' मदों के तहत प्राप्त होते हैं, अर्थात, GIA -35 (पूंजीगत संपत्तियों का निर्माण), GIA -31 (सामान्य) और GIA -36 (वेतन)।

6.2 प्राप्त पूंजी अनुदान में से, वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय की रू.497.74 लाख की राशि को पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया गया है।

6.3 सामान्य और वेतन व्यय के लिए प्राप्त अनुदान, रू.877.98 लाख रुपये को राजस्व आय माना गया है और आय और व्यय में दर्शाया गया है।

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 75 06/12/2019 19:08:40

6.4 संस्थान केवल MHRD अनुदान द्वारा वित्त पोषित है, पूंजी और राजस्व व्यय दोनों के लिए।

7. बैंकों के बचत खातों, चालू खातों और सावधि जमा खातों में शेष राशि का ब्योरा वर्तमान परिसंपत्तियों के अनुच्छेद 'क' के रूप में संलग्न है।

8. स्थायी परिसर के निर्माण के लिए अनुमोदित रू.445.00 करोड़ के तहत वर्तमान देयताएं, प्रावधान और ऋण के लिए वर्ष के दौरान आहरित रू. 15.00 लाख का HEFA ऋण शामिल है,जिसे अनुसूची 3 के तहत दिखाया गया है।

9. देयताएं / प्रावधान जो बकाया हैं, और जो अब तुलन-पत्र की तारीख पर आवश्यक नहीं हैं, बट्टे खाते लिखे गए हैं और राशि को 'प्रावधान बट्टे खाते' के रूप में आय के तहत दिखाया गया है। इस तरह के प्रावधानों के खिलाफ दावा, यदि इसके बाद कोई हो, को उसके दावे के वर्ष में प्रभारित किया जाएगा।

10. पिछले वर्ष के आंकड़े, जहां भी आवश्यक हो, पुनः समूहबद्ध किए गए हैं।

11. अनुसूची सं.1 से 24 को संलग्न कर दिया गया है जो 31 मार्च, 2019 के तुलन पत्र और उस तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के अभिन्न भाग का गठन करते हैं।

12. संस्थान के सभी कर्मचारी नई पेंशन योजना (NPS) में शामिल किए गए हैं और उन्हें नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) - केंद्रीय रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (CRA) द्वारा PRA नंबर आवंटित किये गये है। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान द्वारा रू. 23.19 लाख NPS निधि के लिए नियोक्ता योगदान स्वरूप दिए गए हैं। ग्रहणाधिकार आधार पर शामिल होने वाले कर्मचारियों के संबंध में, संस्थान के भविष्य निधि योगदान के साथ-साथ ग्रहण अवधि के दौरान कर्मचारी के योगदान को उनके संबंधित प्रधान कार्यालयों में, जहां उनके पीएफ खातों को बनाए रखा जाता है,स्थानांतरित कर दिया गया है।

13. संस्थान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80G के तहत छूट का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है जो निर्धारण वर्ष 2019-20 से प्रभावी है।

वास्ते भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-
सी. पी. विट्ठल	**प्रो. दीपिका आर. गुप्ता**	**प्रो. एम. चंद्रशेखर**
प्रबंधक- एफ एण्ड ए	**समन्वयक (प्रशासनिक)**	**निदेशक**

दिनाँक:17/06/2019
स्थानः विशाखपट्टणम

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 76 06/12/2019 19:08:40

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 77

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

(राशि ₹में)

प्राप्तियाँ	2018-19	2017-18	भुगतान		
I. प्रारंभिक शेष			I. व्यय		
क) नकद शेष	15,428	87,660	क) स्थापना व्यय	6,32,08,907	1,17,68,345
ख) बैंक बैलेंस			ख) शैक्षणिक व्यय	8,96,46,584	2,09,45,077
i) चालू खाते में	54,562	-	ग) प्रशासनिक व्यय	1,84,04,288	39,24,113
ii) बचत खाते में	60,274	10,16,756	घ) परिवहन व्यय	37,23,569	-
ii) फ्लेक्सी खाते में	1,68,53,000	2,33,95,000	घ) मरम्मत और रखरखाव व्यय	51,57,854	1,10,670
			ङ) पूर्व अवधि व्यय	18,24,777	-
II. प्राप्त अनुदान			II. Eस्थायी परिसंपत्ति और जारी पूँची कार्य पर व्यय		
क) भारत सरकार से प्राप्त (MHRD)			क) स्थायी परिसंपत्ती	4,55,11,838	6,24,16,544
i) राजस्व व्यय	12,30,00,000	13,03,45,850	ख) जारी पूँजी कार्य	42,61,830	-
ii) पूंजीगत व्यय	24,35,00,000	9,29,69,150	III. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	4,88,41,539	32,067,994
ख) राज्य सरकार से	-	-			
ग) अन्य स्त्रोतों से	-	-			
III. शैक्षणिक प्राप्तियाँ	9,62,93,435	5,47,90,595	**कुल पूंजी और राजस्व भुगतान (I+II+III)**	**28,05,81,186**	**13,12,32,743**
IV. निर्धारित / अक्षय निधि के तहत प्राप्तियाँ	2,22,00,000	-	IV. निर्धारित/ अक्षय निधि के तहत भुगतान	1,03,107	-
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के तहत प्राप्तियां	19,64,915	-	V. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के तहत भुगतान	16,74,155	-
VI. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के तहत प्राप्तियाँ	-	-	VI. प्रायोजित फैलोशिप / छात्रवृत्ति के तहत भुगतान	-	-
VII. निवेशों से आय			VII. किए गए निवेश और जमा		
क) निर्धारित / अक्षय निधि	-	-	क) निर्धारित / अक्षय निधि से	2,20,00,000	-
ख) अन्य निवेश	2,49,02,759	1,07,81,619	ख) स्वयं की निधियों से (निवेश - अन्य)	14,73,55,744	15,34,73,184
VIII. प्राप्त ब्याज			VIII. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमाराशि	38,33,58,573	17,35,25,683
क) बैंक जमा पर	-	-			
ख) ऋण और अग्रिम पर	-	-			
ग) बैंक में बचत खाते पर	2,97,699	4,17,977			

06/12/2019 19:08:40

(राशि ₹में)

प्राप्तियाँ	2018-19	2017-18	भुगतान		
IX. नगदीकृत निवेश			IX. अनुदान वापसी	-	-
क) निर्धारित / अक्षय निधियों से	-	-	X. जमा और अग्रिम		
ख) स्वयं की निधियों से (निवेश - अन्य)	13,97,40,243	8,18,31,660	क) छात्रों को काशन जमा	9,39,580	997,439
X. अनुसूचित बैंकों में सावधिक जमा नगदीकृत	17,35,25,683	3,168,340	ख) छात्रों को भोजनशाला अग्रिम	1,23,12,025	557,961
			ग) छात्रों को अन्य भुगतान	8,89,686	3,318,003
			घ) ईएमडी / एसडी पुर्नभुगतान	56,05,807	2,927,918
			ङ) जमा और अग्रिम (छात्रों के अलावा अन्य)	1,95,725	-
XI. अन्य आय (पिछले अवधि की आय सहित)	7,60,648	34,84,680	XI. अंतिम शेष		
XII. जमा और अग्रिम			क) नकद	78,195	15,428
क) छात्रों से प्राप्त कॉशन मनी जमा	21,00,000	12,20,000	ख) बैंक शेष		
ख) भोजनशाला अग्रिम और अन्य वसूली	1,24,90,000	82,18,600	i) चालू खातों में	73,388	54,562
ग) छात्रों से अन्य वसूली	-	-	ii) ।बचत खातों में	79,35,598	60,274
घ) कर्मचारियों से अग्रिम वसूली	15,000	2,12,619	iii) फ्लेक्सी खातों में	2,05,000	1,68,53,000
ङ) जमा (छात्रों के अलावा)	-	-			
च) प्राप्त ईएमडी / एसडी	40,32,726	61,37,000			
XIII. वैधानिक प्राप्ति सहित विविध प्राप्तियाँ	-	2,58,417			
XIV. अन्य प्राप्तियाँ					
क) HEFA ऋण	15,01,397	-			
ख) IIMB से प्राप्तियां	-	6,46,80,272			
कुल	**86,33,07,769**	**48,30,16,195**	**Total**	**86,33,07,769**	**48,30,16,195**

वास्ते भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-
सी. पी. विट्ठल	**प्रो. दीपिका आर. गुप्ता**	**प्रो. एम. चंद्रशेखर**
प्रबंधक- एफ एण्ड ए	**समन्वयक (प्रशासनिक)**	**निदेशक**

दिनाँक:17/06/2019
स्थानः विशाखपट्टणम

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 78 06/12/2019 19:08:40

जितेंद्र एस. करपे,
Jitendra S. Karape, IA&AS

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४.
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No.PDA(C)/CEA/Unit-I/PA/IIMV/SAR 2018-19/2019-20/224 Date 12.09.2019

Dear Sir,

Audit of Annual Accounts of The Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV) for the year 2018-19, was conducted in July 2018. Significant comments on accounts are included in the Separate Audit Report issued separately to the Government of India, Ministry of Human Resource Development, New Delhi and a copy marked to you. Some of the observations, which were not included in the Separate Audit Report, meriting the attention of the Management are detailed below to enable your office to take necessary corrective action.

1. The Institute has provided depreciation on LED TV @ 20 percent on written down value method instead of 7.5 percent prescribed as per the MHRD format which resulted in overstatement of depreciation and understatement of surplus to the extent of ₹6,125.

2. Prior period expenditure of ₹1210 (Voucher No.63 dt.01.05.2018) paid towards travel expenses-Staff Domestic was booked under Schedule-17 Administrative and General expenses instead of Schedule-22 Prior period expenses. This has resulted in overstatement of expenditure under Schedule-17 and understatement of Prior period expenses under Schedule-22 to the tune of ₹1210.

With Best Regards,

Yours sincerely,

Prof. M. Chandrasekhar, Director,
Indian Institute of Management,
Visakhapatnam.

Phone No. : 040-23232069 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 79 06/12/2019 19:08:42

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४.

OFFICE OF THE
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

सत्यमेव जयते

No PDA(C)/CEA/Unit-I/PA/IIMV/SAR 2018-19/ 2019-20/ 223 Date 12.09.2019

सेवामें
सचिव,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चशिक्षा विभाग, 'सी' विंग,शास्त्री भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापत्तनम, के वर्ष 2018-19, पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Indian Institute of Management Visakhapatnam (IIMV), for the year 2018-19, Annexure thereof and one copy of the Annual Accounts for the year2018-19, are forwarded herewith

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged

भवदीय,

Sd/-

Principal Director of Audit (Central)

Endt No.PDA(C)/CEA/Unit-I/PA/IIMV/SAR 2018-19/ 2019-20/ 223 - 12.09.2019

Copy to Prof. M. Chandrasekhar, Director, Indian Institute of Management Visakhapatnam, Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam - 530 003, Andhra Pradesh, alongwith one copy of Annual Accounts for the year 2018-19 (English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2018-19 (3 sets), to this Office

संल:यथोपरि

निदेशक/ केंद्रीयव्ययलेखापरीक्षा
DIRECTOR/ CEA

Phone Nos : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 80 06/12/2019 19:08:44

Separate Audit Report on the Accounts of the Indian Institute of Management, Visakhapatnam for the year ended 31 March 2019

We have audited the attached Balance Sheet of the Indian Institute of Management, Visakhapatnam (Institute), as at 31 March 2019, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 23(3) of the Indian Institutes of Management Act, 2017. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account dealt with by this Report have been drawn in the

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 81 06/12/2019 19:08:45

Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Human Resource Development, for Central Educational Institutions

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A General

A.1 The misclassification of construction of compound wall (₹ 5.39 crore) under Site development instead of under 'Buildings' needs to be rectified.

A.2 The caution deposits pertaining to both ex-students and current students were combined under Current Liabilities (Schedule 3), without splitting as required under MHRD guidelines which needs to be rectified.

A.3 The total expenditure in respect of both teaching and non-teaching staff was exhibited under one head, without classifying separately as required under MHRD guidelines which needs to be rectified.

B. Grants-in-aid

Out of Grants-in-aid of ₹ 32.65 crore received during the year (including ₹ 1.00 crore received in March 2019), together with unutilised balance of ₹ 9.34 crore pertaining to previous year, and interest earned of ₹ 0.44 crore, totaling ₹ 42.43 crore, IIMV utilised a sum of ₹ 13.76 crore, leaving a balance of ₹ 28.67 crore unutilized as on 31st March 2019.

C. Management letter

Deficiencies which have not been included in this Report have been brought to the notice of the Institute through a Management Letter issued separately for remedial/ corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 82 06/12/2019 19:08:47

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2019; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***Surplus*** for the year ended on that date.

Principal Director of Audit (Central)

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 83 06/12/2019 19:08:48

ANNEXURE

1. **Adequacy of Internal Audit System:** The assignment of Internal Audit was entrusted to M/s Manohar Chowdhary & Associates, a Chartered Accountants firm, which completed the audit for the year 2018-19.

2. **Adequacy of Internal Control System.** Internal Control System was not adequate due to improper accounting of various transactions.

3. **System of Physical verification of fixed assets:** Physical verification of fixed assets was completed for the year 2018-19 and no discrepancies were noticed in audit.

4. **System of Physical verification of inventory:** Physical verification of Inventory was completed for the year 2018-19 and no discrepancies were noticed in audit.

5. **Regularity in payment of statutory dues:** Statutory dues were paid regularly.

निदेशक/ केंद्रीय व्यय लेखा परीक्षा
DIRECTOR/ CEA

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 84 06/12/2019 19:08:50

विद्या परं दैवतम्

IIM
भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

Indian Institute of Management Visakhapatnam

4th Annual Report 2018-19

Contents

Chairperson's Message		2
Director's Message		3
1.	Governing Bodies	4
2.	Programmes	6
3.	Executive Education	10
4.	Faculty	11
5.	Research and Publications	12
6.	Entrepreneurship	13
7.	Infrastructure	14
8.	Alumni Activities	17
9.	Policy and Initiatives	18
10.	Personnel and Administration	19
11.	Financial Position	20
12.	Statements	21
13.	Director's Report	32
14.	Statement of Accounts	45

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 1 06/12/2019 19:08:50

Chairperson's Message

Hari S. Bhartia

Dear Stakeholders & Patrons,

The Year 2018-19 witnessed many important milestones being crossed by the Institute, in its path of progress.

The student-intake as well as faculty-strength almost doubled during the year. About 20% of students are girls and about 33% of the faculty are women, reflecting the attention the Institute pays to diversity. With the students representing about 20 states and faculty representing about 10 states, the Institute represents the national character in true sense and spirit.

The Institute is special in many ways and first on many fronts, maintaining a distinct lead in the comity of its peers. It has earned a good name in quick-time and is being considered as a valuable knowledge-asset in the country.

In a first of its kind, the Institute launched a Post-Graduate Certificate Program for Experienced Professionals, with classes conveniently scheduled over weekends, for the management-education aspirants based in and around Visakhapatnam. A PhD program has also been readied for launch from 2019 towards advancing new knowledge and research-focus in management. Thus, the Institute is walking the extra-mile in building management capacities in the aspirants.

One of the most significant tasks completed by the Institute during the year has been the appointment of a reputed Architect and an equally competent Project Management Consulting firm. The process for building a word-class campus, has therefore been set in motion. The proposed campus would blend with the surrounding landscape of hills, valleys and water bodies, resonate with and reflect the local art and architecture; history and heritage. It would be a future-proof, energy-efficient and water-positive campus with ambience and aesthetics of global standards. It is envisaged that the campus would be a legendary landmark.

With the IIM Act 2017 coming into effect from 31 Jan. 2018, IIM Visakhapatnam is declared as an Institution of National Importance. As enshrined in the Act, the Institute stands committed to working towards achieving global excellence in management education, management research and allied areas of knowledge. It shall direct its endeavours towards advancing the inclusive, equitable and sustainable national development goals, promoting social and gender equity in the process.

The Central and State Governments continue to contribute significantly to the smooth functioning of the Institute. We are grateful to them for the enabling autonomy and encouraging support they have been extending for the rapid growth that the Institute is registering.

I also take this opportunity to acknowledge the mentorship of IIM Bangalore, which ensures that this Institute operates at high level of standards in academics and governance.

In conclusion, I would like to state that the various initiatives of the Institute are well thought-through and are being supported by a discerning Board of Governors that assumed charge during the year, in accordance with the provisions of the Act. I thank all my fellow members on the Board, for the value-add they have been providing.

The Director and his team of teaching and non-teaching staff deserve compliments for their efforts towards building IIMV as a fine institution.

I am positive, the goodwill that the Institute has been generating in the government, business and the society at large will stand it in good stead, as it sets before itself higher targets of performance, with sincerity of purpose and a deep sense of commitment.

Hari S. Bhartia

Hari S. Bhartia
Chairperson, Board of Governors
IIM Visakhapatnam

Date: 08 Nov. 2019

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 2 06/12/2019 19:08:51

Director's Message

Prof. M. Chandrasekhar

Dear Sir / Madam,

It's a matter of great pride and happiness for the IIM Visakhapatnam family that the Institute is being widely acknowledged as the best among its generation of public institutions engaged in management education. The reasons for attaining such a pre-eminent position in just four years of our existence are not far to seek. The Institute is deriving significant benefit from: the timely policy and funding support from MHRD; the constant guidance, encouragement and oversight from the distinguished Board of Governors; the wise-counsel and enabling decisions of the Building & Works Committee as well as the Finance, Investment and Audit Committee of the Institute; and, the mentorship by IIM Bangalore, the globally acknowledged leader among business schools.

The Institute has been able to scale up its activities in nature and extent; scope and specialization; on the strength of four "I"s viz. Intellectual resources (faculty and students) of high-quality; Infrastructural resources (best-in-class); Institutional processes (robust and well-reasoned); and Investment (of time, effort and energy) in the pursuit of excellence in all initiatives and endeavours.

The Institute has been paying high attention not only to hard skills but also to soft skills as well as the societal quotient of students, promoting self-awareness, self-regulation, social responsibility, sensitivity to sustainability, shared values and sincerity of commitment to humanism.

Calibrating its curriculum to being contemporary in content and current in context, the Institute has been able to maintain academic rigour in terms of depth and width, broadening the horizon and world-view of students and sharpening their instincts, intuition, imagination, inquisitiveness, initiative and intellect leading to newer insights and ideas that would help them bridge their foresight with their hindsight; and improve their efficiency and effectiveness in their work careers.

As a result, the Institute has been able to foster and maintain an ecosystem that is conducive to high-impact learning outcomes and research outputs. Design thinking, solution mindset and commitment to stakeholder delight are firmly ingrained in the DNA of the Institute.

In essence, our MBA programs help students excel academically; evolve emotionally; engage socially and emerge successfully. We will continue to play a constructive and contributory role in providing a pool of competent managers and capable leaders for realizing the dreams and developmental goals of New India.

Benefitting much from the unstinting support of the MHRD and the inspiring vision and leadership of the Chairperson and members of the Board, the initiatives of the Institute have been attaining good traction and registering progress, growth and success. My team and I place on record, our gratitude to all our stakeholders, for the continued confidence and trust being reposed in us. It shall be our constant endeavour to further enhance the visibility and vibrancy; image and identity; prestige and popularity of this public institution of eminence in the making.

Prof. M. Chandrasekhar
Director, IIM Visakhapatnam

Date: 08 Nov. 2019

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 3 06/12/2019 19:08:51

1. Governing Bodies (updated as on the date of publication)

1.1 Board of Governors

Chairperson **Hari S Bhartia** Co-Chairman and Founder, Jubilant Bhartia Group	
Members	
Sanjay Kumar Sinha, IFS Joint Secretary (Management & Language), Ministry of HRD, Govt. of India	J S Venkateswara Prasad, IAS Spl. Chief Secretary, Higher Education, Govt. of Andhra Pradesh
Uma Sudhindra Security Strategist and Founder & Managing Partner Go Magic Trails; Co-Founder, I'm Every Woman	Prasad Dahapute Managing Director The Varhad Group
Satish Reddy Chairman Dr. Reddy's Laboratories	Naushad D Forbes Co-Chairman Forbes Marshall Group of Companies
G Raghuram Director Indian Institute of Management Bangalore	Rajeev Kapoor, IAS (Retd.) Former Secretary to the Govt. of India & Former Director, LBSNAA
Malavika Harita Distinguished Alumna, IIM Bangalore Founder, Brand Circle	Ameeta Chatterjee Managing Trustee, Ekam Foundation Mumbai
M Chandrasekhar Director Indian Institute of Management Visakhapatnam	

Kaleem V Khan, Secretary of the Board, IIM Visakhapatnam

1.2 Building & Works Committee

Chairperson
Satish Reddy
Chairman, Dr Reddy's Labs & Member (BoG), IIM Visakhapatnam

Members

Ligy Philip Professor, Dept. of Civil Engineering & Dean (Planning), IIT Madras	Rajiv Mishra Principal, Sir J J School of Architecture University of Mumbai
V Nagadevara Formerly Professor, Dean & Chairman, Building Committee; IIM Bangalore	P. Koteswara Rao, IAS Metropolitan Commissioner, Visakhapatnam Metropolitan Region Development Authority
M Chandrasekhar Director, IIM Visakhapatnam	Amit Baran Chakrabarti Assistant Professor, IIM Visakhapatnam
Sayikrishna Raju Head (Projects), IIM Visakhapatnam (Member-Convenor)	Invitee: Sushant Baliga (Formerly: Addl. Director General, CPWD) Advisor (Building & Works), IIM Visakhapatnam

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 4 06/12/2019 19:08:51

1.3 Finance, Investment & Audit Committee

Chairperson

Ameeta Chatterjee

Managing Trustee, Ekam Foundation Mumbai & Member (BoG), IIM Visakhapatnam

Members

Darshana M Dabral Joint Secretary & Financial Advisor Ministry of HRD, Govt. of India	Padmini Srinivasan Associate Professor (Finance & Accounts) IIM Bangalore
A Radha Krishna Financial Controller & Company Secretary Barclay's Shared Services	Srinivas Kumar Alamuru, IA&AS (Retd.) Former Accountant General (A&E), Andhra Pradesh
M Chandrasekhar Director IIM Visakhapatnam	C P Vittal Manager (Finance & Accounts) IIM Visakhapatnam (Member-Convenor)

The details of the meetings of the Board of Governors, Building & Works Committee and Finance, Investment & Audit Committee are appended in **Statement 1.**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 5 06/12/2019 19:08:51

2. Programmes

The Indian Institute of Management Visakhapatnam currently offers two long-duration programmes – the Post Graduate Programme in Management (PGP) and the Post Graduate Certificate Programme in Business Management for Experienced Professionals (PGCEP). The first batch of PGCEP started from October 06, 2018.

2.1 Post Graduate Programme in Management

The two-year full-time residential Post Graduate Programme, leading to a Master of Business Administration (MBA) degree, is designed to equip students to take on leadership roles in an increasingly complex and dynamic global scenario. Spread over three terms in a year with a summer internship between the two years, the programme lays the foundation for conceptual and analytical reasoning and gives students an insight into the dynamics of the business environment.

2.1.1 Academics

The curriculum of MBA at IIMV is benchmarked against the best in the world to ensure that world-class business education is imparted based on dynamic pedagogic practices while focusing on the Indian context. Constant focus is laid on evolving the course curriculum that helps nurture and transform an exceptional pool of students into dynamic business leaders under the guidance of faculty with impressive academic and research credentials. Guest lectures by various renowned academicians, industrialists, and eminent personalities also enrich student-experience.

Courses are delivered and evaluated through a combination of lectures, classroom discussions, case studies, individual and group projects, term papers, role plays, business games etc.

A total of 105 students were admitted to the PGP batch of 2018-20. A snapshot of the class profile indicates that there were 17 SC students, 18 women students, 74 students with work experience, and 99 students with an engineering background.

During 2018-19, 35 elective courses were offered. The list of courses is appended as **Statement 2.**

2.1.2 International Immersion Programme

The International Immersion Programme is designed to provide students with insights into the economic, social and cultural spheres of emerging/advanced economies. As a part of the elective course 'Business Planning and International Markets' in the second year of the programme, students attend lectures with specific focus on business and industry. In addition, during their study visit to Japan/Dubai, they familiarized themselves with local challenges and opportunities. The visit was organized during the term break for seven days in Aug – September 2018. It is fully funded by the Institute. This visit also included interaction with academia and industry, visit to historical sites and other academics-related activities. On returning from the visit, each student submitted a report and made a presentation on key learnings.

2.1.3 Director's Merit List

The top 5% students in the batch, on the basis of academic performance (CGPA) at the end of the first year, are included in the Director's Merit List. Eight students of PGP 2018-20 were selected for the Director's Merit List. Each student is eligible for a book grant of INR 5,000 and a Certificate of Merit.

2.1.4 Merit Certificate

Students who are ranked first on the basis of academic performance (TGPA) at the end of Terms 1, 2 and 3 are included in Merit Certificate List. Seven students of each term of PGP 2018-20 are selected for Merit Certificate. Each student is eligible a book grant of INR 3000/- and a Certificate of Merit.

2.1.5 Financial Aid

The Institute extends aid to students in need of financial assistance. The objective of the Financial Aid Policy is to ensure that no student is deprived of education at the Institute for financial reasons. All students whose annual household income is below INR 6,00,000/- are eligible to apply. Other students with financial difficulties are also considered.

The Financial Aid Committee undertakes a two- step process for deciding the number of awardees and quantum of aid. In the first stage, the applicants are rated on two criteria – income (family income

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 6 06/12/2019 19:08:51

+ personal income before joining IIMV) and outstanding loans (provided they were not taken for conspicuous consumption). Based on this rating, they are called for a personal interaction with the faculty panel.

During these interactions, the faculty panel evaluates each applicant's liquidity, creditworthiness and financial situation to arrive at a rank order of applicants. Based on the weighted average scores of these parameters, applicants are provided financial aid as per the Committee's recommendations.

During the academic year 2018-19, an amount of INR 33.60 Lakh was made available to 9 students as financial aid in terms of waiver of programme fees and living assistance.

The break-up of beneficiaries is appended below:

Financial Aid 2018-19			
Category	Applied	Sanctioned	Amount Sanctioned
SC	05	02	
DAP	00	00	
NC-OBC	08	04	
General	07	03	
Total	**20**	**09**	**INR 33,60,000**

2.1.6 Award of Degrees

At the 3rd Annual Convocation held on March 30, 2019, 61 students received the MBA degrees. Of the 61 students, 55 received the Degree in person and 5 in absentia. Shri M. Venkaiah Naidu, Hon'ble Vice President of India, was the Chief Guest, who delivered the Convocation Address. Shri Hari S. Bhartia, Chairperson, BoG addressed the gathering and Professor M. Chandrasekhar, Director of IIMV, presented the Director's Report.

Girish Menon received the Gold Medal for 1st rank, Parul Chaudhary received the Gold Medal for 2nd rank, Pochampally Kartheek Koundinya won the award for Best All-Round Performance. Parul Chaudhary also won the Vani Row Memorial Gold Medal (First Rank among Girls). They received the awards from the Hon'ble Vice President of India.

2.1.7 Placements

The Office of Career Development Services (CDS) in coordination with the Students' Placement Committee facilitated the Summer and Final placements during the year.

2.1.8 Summer Internship – PGP 2018-20

Riding on the success of the previous batches that demonstrated excellence in the industry, the fourth batch of IIM Visakhapatnam received enthusiastic industry support, with all 103 participating students receiving paid internships. One student opted out of the process.

The highest stipend was a whopping INR 2.50 lakh. The average stipend of the top quartile stood at INR 93,200/- while the average for the entire batch stood at INR 50,630/- breaking all previous records.

Sales & Marketing (34%), General Management (23%), Strategy & Advisory (19%), and Customer Relationship Management (15%) were the dominant roles offered. Finance, Operations and Product Management roles accounted for 9% of the offers.

2.1.9 Final Placements – PGP 2017-19

Sustained success is a way of life at the Indian Institute of Management Visakhapatnam. Three years from the commencement, the Institute showcased its excellence once again, with 100% placements for the graduating batch of PGP 2017-19. Despite the increasing competition, the student cohort lived up to the high expectations and landed plum offers in rich profiles and niche roles, from renowned companies that visited the campus. The industry thus showed its staunch support by offering diverse and rich profiles and niche roles.

The Final Placement Process for IIM Visakhapatnam was on rolling basis held on campus, and the Institute witnessed more than 50 companies participating in the process and multiple offers being rolled out. Out of 60 eligible students, 4 students requested deferment of their placements to next year.

The average salary for the top quartile offers is Rs. 17.07 Lakh per annum (LPA), and the top half is Rs. 14.82 LPA. The average salary for the batch is Rs. 12.61 LPA while the median stood at Rs. 12.00 LPA to cap it all, with the highest salary at Rs. 22.00 LPA. The batch broke all previous records and set new benchmarks.

The dominant roles offered were in Automobile (1.8%), BFSI (25.0%), Chemical (1.8%), Conglomerate (7.1%), Consulting (10.7%), Energy (8.9%), FMCG (1.8%), Government (1.8%), Hospitality (3.6%), Infrastructure (3.6%), IT/ITES (25.0%), Luxury Goods (3.6%), Manufacturing (1.8%), Market Research (1.8%) and Mining (1.8%).

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 7 06/12/2019 19:08:51

2.1.10 Student Achievements

1. Team of Sri Sai Ganesh, K Suthesh and Lakshmi Priya SJ were the National Finalists in Consulting Czars, Dhruva 19, a case study competition organized by Consulate – The Strategy & Consulting Clube of IIM Trichy.
2. Joydeep Datta and Abhishek Kumar were the winners of Article writing competition on Big Data & Analytics in BlackCoffer Insights 8.0
3. Joydeep Datta and Abhishek Kumar were the winners of Case Study on Data Analytics, conducted by Parivaishak' 2019 at IIM Raipur.
4. Baibhav Singh Rajput, Sayali Batle and Anubhav Chaturvedi were the National Finalists of the Simulation of Political Marketing & PR Campaign conducted by Abki Baar at K J Somaiya Institute, Mumbai.
5. Baibhav Singh Rajput, Sayali Batle and Anubhav Chaturvedi were the National Finalists at Vipanan – Most wanted (a marketing event for Abhyudaya 19) conducted by IFMR Graduate School of Business, Bengaluru.
6. Baibhav Singh Rajput and Anubhav Chaturvedi were among the Top 10 at Case Czar 2019 conducted by XIMB, Bhubaneshwar.
7. Baibhav Singh Rajput and Anubhav Chaturvedi were winners at Wall Street Business Challenge and bagged Internships offers too, conducted by BITS Pilani Hyderabad Campus.
8. Mohit Ganiger, Rahul Prasad and Bharti Goyal were runners up at EntrØe-Preneurship (A case study competition) conducted by IIM Nagpur.
9. Vemuri Krishna Chaitanya, Ganadeep Appari and Sravan Kumar were the National Finalists at Ranbhoomi 2019, a case study competition organized by Consilium - Consulting & Strategy club of IIM Kashipur.
10. Arijit Ghosh and Anubhav Chaturvedi were winners at Entrospetive, an article writing competition in the Annual Magazine of E-Cell at FMS Delhi.
11. Joydeep Datta was 2nd Runner up in Tech Tronix, a nationwide Data Analytics Competition conducted by IIM Indore.
12. Himanth Esarapu, Elakkiya Nedunchezian, Shanthan Nimmagadda and Katta Nija were finalists of TATA Crucible Vizag, a Corporate Business Quiz.
13. Saurabh Yadav was winner at FORSE Operations Magaine 'Momentum', an article writing competition at K J Somaiya Institute, Mumbai.
14. Sriharsha Palvadi has cleared FRM Level 1 exam, conducted by Global Association of Risk Professionals.
15. Abhinav Akash, Rohit Rastogi and Vaibhav Raj were the National Finalists of L & T OutThink 2018.
16. KVS Pranav Kumar, Aditya Anand Lal Gogikar, Pochampally Kartheek Koundinya, Sumit Saurav and Girish Menon were the Zonal Finalists of the CFA Institute Research Challenge.
17. Tejaswi Veeramachaneni and Adish Bhandari acquired 6th and 28th positions nationally in the FLIP National Challenge 2018.
18. Navasai Krishna Alaparthi, G S Mohit and Sooraj James were the National Finalists at Stratosphere (Case contest), Advaita 2018 conducted by ISB, Hyderabad.
19. Abhinav Akash, Arijit Ghosh, Baibhav Kumar Singh, Preksha Paliwal, Sayali Batle, Bhavana Vonteddu, Saurabh Yadav, Rahul Prasad and Aditya Anand Lal Gogikar were Campus Winners at the YES Bank Transformation Series 2018.
20. Kunal Ahirwal is the winner at Eye2Eye Markathon, an article writing competition conducted by IIM Shillong.
21. Mansi Gupta and Navasai Krishna Alaparthi bagged 2nd position at GELF Life Challenge, Vista 2018 at IIM Bangalore.
22. Mayur Bhosale was 2nd Runner up (Writer of the month) conducted by Team Gnonis, The Literary Club of NMIMS Hyderabad.
23. Pavan Kumar bagged Best Intern Award for Summer 2018 at Turbo Mech Services Pvt. Ltd.
24. Madhu Aravind Stalin and Sriharsha Palvadi have cleared CFA Level 1 exam in June 2018.
25. Arijit Ghosh and Tanvir Singh were the 1st

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 8 06/12/2019 19:08:51

Runners up of the White Paper contest at Ashwamedh 18, conducted by XIMB.

2.1.11 Activities organised by various Student Clubs

There are various Students Clubs that cater to various fields like business, sports, cultural perspectives of the students for an all round growth and development. Some of the major events held by these Clubs are as under:

- The Business Club organized its Business Fest Conflux 3.0 on 28 October, 2018
- The Cultural Club organized its third Cultural fest, Samarambh 3.0 on 15-16 December, 2018
- EPIC Club in association with Andhra Pradesh Innovation Society (AP Govt) organized Exordia 3.0 on 27 January 2019

2.2 Post Graduate Certificate Programme in Business Management for Experienced Professionals (PGCEP)

As an addition to its much sought-after MBA Programme, IIM Visakhapatnam has launched a Post Graduate Certificate Programme in Business Management for Experienced Professionals (PGCEP) on October 6, 2018. This is in alignment with the Institute's goal of catering to the industry in the region with a vision towards creating knowledge and resources comparable in excellence on a global scale. The PGCEP is thus catering to the large population of professionals in and around Visakhapatnam, aspiring to pursue management education of high quality. The Programme aims at advancing their learning and supporting their contribution as successful managers and entrepreneurs.

2.2.1 Academics

The program curriculum includes 21 courses with a total of 252 hours of classroom based training on weekends. Courses are divided into 3 Terms (15 months) including an International immersion program comprising interaction with CEOs, on global business best practices; and IIM Visakhapatnam Alumni Status.

A total of 33 students were admitted into the PGCEP batch of 2018. The list of courses being offered in PGCEP program may be viewed in **Statement 3.**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 9 06/12/2019 19:08:51

3. Executive Education

The Institute has ambitious plans in offering a variety of Custom and Open Executive Education Programs. As enshrined in the IIM Act 2017, the objectives are to educate and support leaders who can contribute as professional managers, entrepreneurs, and stewards of existing and emerging enterprises in the private, public, and social sectors; to provide management education of high quality and to promote allied areas of knowledge as well as interdisciplinary studies; to support and develop programmes promoting social and gender equity; to develop educational programmes and faculties that advance the cause of education, teaching and learning, across disciplines.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 10 06/12/2019 19:08:52

4. Faculty

The Institute stood tall in its recruitment activities by actively recruiting faculty members with high standing and impressive teaching and research credentials. With the support, guidance and hand-holding of the mentor Institute IIM Bangalore, the Institute completed the 2nd round of faculty recruitment and selected five faculty members as Assistant/Associate Professors. The faculty joined the Institute in the year FY 2018-19, while one faculty member who joined during 2017-18 on lien from IIM Calcutta, went to back. With this, the Institute has a cumulative faculty strength of 13 members as at the end of the FY 2018-19. The Institute has ambitious plans to hire and retain competent faculty on an ongoing basis.

4.1 Appointments

- Dr. Milan Kumar was appointed as Assistant Professor on April 20, 2018 in the Production and Operations Management area.
- Dr. Deepika Gupta was appointed as Assistant Professor on June 13, 2018 in the Corporate Strategy area.
- Dr. Bhargab Chattopadhyay was appointed as Assistant Professor on January 08, 2019 in the Decision Sciences area.
- Dr. Vinay Ramani was appointed as Associate Professor on January 18, 2019 in the Economics & Social Sciences area.
- Dr. Bishakha Majumdar was appointed as Assistant Professor on March 01, 2019 in the Organizational Behaviour & Human Resources area.

4.2 Resignations

Dr. Nimruji Prasad J, Associate Professor, who came on lien from IIM Calcutta, went back on August 23, 2018.

Apart from the above, a number of visiting faculty chosen from the full-time/adjunct/visiting faculty of IIMB and select non-IIMB faculty also taught various courses. A list of faculty members is appended as **Statement 4.**

4.3 Guest Lectures

The Institute takes pride in its high-quality guest lectures delivered by eminent personalities drawn from the industry, academia and the government. Guest lectures complement the learning process of the students in understanding the dynamics of the corporate world.

The list of Guest lectures conducted during the year is appended as **Statement 5.**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 11 06/12/2019 19:08:52

5. Research and Publications

With the regular faculty coming on to the rolls of the Institute, the Institute has gained traction in its research pursuits. The Institute's faculty have added to the expanding body of scholarly publications through their outstanding research from time to time. Apart from this, they had bagged consulting opportunities. Their research output is as follows:

Publications - Research Papers

- **Chakrabarti, A B;** and Mondal, A. (Forthcoming), *"The effect of institutional transition on entrepreneurial orientation of family businesses: Evidence from India",* International Journal of Entrepreneurial Behaviour & Research **[ABDC (B)]**
- **Jawed, M. S.;** and Kumar, K. K. (Accepted May 2018), *"Stock Liquidity and Firm Value: Evidence from a Policy Experiment in India",* International Review of Finance, DOI: 10.1111/irfi.12200 **[ABDC (A)]**
- **Kaveri, K.;** Basu, Sankarshan; and Thampy, Ashok. (Accepted), *"Has the Global Financial Crisis changed the Market response to Credit Ratings? Evidence from an Emerging Market",* Journal of Emerging Market Finance**. [ABDC (B)]**
- **Sharma, Anupama** (Accepted), *"Work engagement, job crafting and innovativeness in the Indian IT Industry"* Personnel Review **[ABDC (A)]**
- **Gupta, Deepika;** Veliyath R.; and George, R. (2018), "Influence of National Culture on IPO Activity, Journal of Business Research, Sept (2018), 226-246 **[ABDC (A)]**
- **Jawed, M. S. (March 2019);** *"The Sectoral effect of Demonetisation on the Economy: Evidence from Early Reaction of the Indian Stock Market"* Cogent Economics & Finance **[ABDC (B)]**

Conference Paper Presentations

- **Gupta, Deepika**; Kumar, K.; and George, R. *"Influence of Internal Corporate Governance Mechanisms on use of IPO Proceeds by Indian Firms"*, was presented at The Academy of Management 78th Annual Conference (Strategic Management Division) held in Chicago, Illinois, USA during August 10-14, 2018.
- **Kaveri, K.**; *"Does Product Market Competition Affect Analysts' Target Price Property?"* was presented at the **Midwest Region Meeting of the American Accounting Association (AAA),** Oct 4-6, 2018, Indianapolis, Indiana.

Prof. Deepika Gupta also received the Elsevier Reviewer Recognition Certificate Award in recognition of review contributed to the Journal of Business Research (March 2019).

Prof Amit Baran Chakrabarti was awarded, on 26/9/2018, a research project titled "Performance of Corporates: Firm Performance of Different Ownership Categories in India" worth Rs.8.30 lakh (excl. GST) by the Ministry of Corporate Affairs, Govt. of India.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 12 06/12/2019 19:08:52

6. Entrepreneurship

IIM Visakhapatnam is committed to playing a constructive role in contributing its bit to the overarching goal of inclusive and equitable development of the nation as a whole and the state of Andhra Pradesh in particular. With this in view, the Institute is partnering with the N S Raghavan Centre for Entrepreneurial Learning (NSRCEL) at IIM Bangalore (IIMB), to promote women start-ups in the region. It is envisaged that the program will help the women in the region to start and grow their ventures. The Institute is providing incubation facility at its temporary campus at Andhra University. The program is funded by IIMB, which in turn is being supported by Goldman Sachs, a global investment bank and active investor in India, and the Department of Science & Technology (DST), Government of India.

At the start of 2018, the Women Startup Programme (WSP) of IIM Bangalore, WSP through its "Do Your Venture" Massive Open Online Course (MOOC) trained more than 6000 women participants from across the nation (1500+ being from the AP/TS region). Thereafter, 300 women entrepreneurs-to-be were shortlisted for a boot camp held at partner campuses (IIM Visakhapatnam being one of them), where they received classroom instructions on communications, customer interaction and idea validation. From the 300 aspirants, 100 applicants were selected for a 10-day long second boot camp at IIMB campus, where they received classroom instructions on developing a business plan, understanding costing and pricing, sales and marketing, and negotiation skills. In the last phase of the program, 25 (from AP/Telangana region) of the top 100 women had their business ideas incubated for a year at IIM Visakhapatnam.

During the incubation phase, the participants had to report their progress once in a fortnight. These meetings happened both in-person and through Video Conferencing. Key resources provided during the incubation included:

- Structured and periodic Mentorship Support by IIMV faculty, alumni and distinguished industry professionals.
- Regular interaction with many start-up mentors (NSRCEL), industry delegates, entrepreneurs & CXOs, visiting Professors and distinguished alumni of IIMs.
- INR 30,000/- per month for a period of one year of incubation at IIMV
- A one-time competitive Prototype Development Grant.
- Office Space with access to all the modern infrastructure both at Visakhapatnam and Hyderabad.
- Access to comprehensive library resources at IIMV (physical library catalogue, e-books, journals and databases)
- Meeting room with state-of-the-art video conferencing facilities
- Structured Mentorship & Intellectual Support during the incubation phase
- Media Coverage & Exhibits

The cohort during their one-year of incubation at IIMV created many success stories. A few of those achievements are highlighted below:

- One of the incubated initiatives received a Seed funding of USD 10,000 and accelerator support by Shell foundation and DST-GOI (Energy Entrepreneurs powered by ZoneStartups) in December 2018.
- An entrepreneur was shortlisted amongst top ten ventures at "FinTech Empower Demo Night" event, organized by Paisa Bazaar Fintegrate Zone 2019, at Bombay Stock Exchange (BSE).
- One of the incubated ventures was in the final round with IOCL start-up support program of approx. Rs.1.8 Cr. to take the prototype forward to a proof-of-concept-scale demo plant.
- Highest monthly business turnover of the incubated ventures stood at Rs. 13.0 lakh.
- One of the incubated endeavours was selected amongst the top 4 start-ups in an investor pitch event "ARISE" organized by APIS, Visakhapatnam.
- Two out of eight incubatees selected for a DST-sponsored international immersion program at Israel were from IIM Visakhapatnam.

The participants also got the opportunity to work closely with the PGP (MBA) students. WSP office liaised with student-run Entrepreneurial Passion and Innovation Club (EPIC) and the start-ups, to give opportunities to the PGP students to work

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 13 06/12/2019 19:08:52

on various challenges faced by the start-ups via business competitions, consulting assignments, live projects, part-time internships etc. This produced a unique synergy between the two as the start-ups got support from the best student brains in the country to solve some of their managerial challenges while the students got an open canvas to implement their theoretical learning in the real world even before they started working.

Apart from this, the EPIC students conducted various events to promote and nurture entrepreneurship. The annual event EXORDIA of EPIC witnessed various start-up founders, mentors and start-up enthusiasts come onto a common platform to exchange knowledge, share experiences and benefit from industry best practices. The club also conducted a series of case and business competitions related to start-up challenges for students of IIMV and other Business Schools from India.

IIMV also conducted a series of networking events and knowledge series workshops for entrepreneurs from the region that attracted early stage start-ups., start-up coaches and faculty members teaching entrepreneurship from various management and technical institutions. Some of the major events:

- Capacity Development Programs for Entrepreneurs
    - A seven-day capacity development program for select 70 women entrepreneurs from Andhra Pradesh and Telangana region.
    - The sessions were designed especially for the benefit of women entrepreneurs who were at the ideation stage.
- Screening and Investor Pitch Events
    - 2-day pitch event for screening start-ups for incubation
    - Investor pitch event (half day long at Exordia 3.0)
- Networking events
    - Two networking events were conducted.
    - 150+ Entrepreneurs from in and around the city had attended the event.
- Workshops/Seminars:
    - A seminar on Marketing for Start-ups was conducted on the campus in November 2018.
        - The event was organized in collaboration with NSRCEL (IIM Bangalore).
        - Around 90 participants had attended the event.
    - A day-long seminar “Exordia” was conducted in collaboration with EPIC and APIS, which was attended by 100+ stakeholders, form the start-up ecosystem in and around Vizag.
        - The event had many invited industry experts who spoke about innovation and start-up culture.
        - Entrepreneurs and Investors (Angels & VCs) participated in panel discussions on FinTech and Sustainable Development by start-ups in the field of Agri-Tech, Ed-Tech, Health-Tech and Social-Tech.
    - A half-day workshop/seminar was conducted inviting start-ups and trainers from nearby colleges to discuss various marketing and finance-related issues of start-ups, which was organized in collaboration with EPIC.
- Industry/CXO Lecture Series:
    - More than 20 guest lectures were organized for the incubated ventures and start-ups.
    - The speakers were mostly successful entrepreneurs, industry veterans or leaders leading/managing successful firms.
- Networking Dinners:
    - Two networking dinners were organized with stakeholders of entrepreneurial eco-system.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 14 06/12/2019 19:08:52

7. Infrastructure

7.1 Transit campus

The following infrastructure - related projects/ facilities were taken up and completed during the year:

- Construction of new Classrooms
    - 60-seater classroom – 1
    - 35-seater classroom – 1
    - 25-seater modern Meeting Room – 1

7.2 Hostel

A hostel to house 79 students on twin occupancy basis was hired and suitably furnished.

7.3 Permanent campus

- The Government of Andhra Pradesh allotted 241.50-acre (including 80 feet road) land located at Gambheeram Village of Anandapuram Mandal.
- Construction of boundary wall for the site was completed.
- The site was handed over by the State government in March 2018.
- The Detailed Project Report (DPR) was approved by GoI on September 17, 2018 with a total estimated capital expenditure of Rs. 807.79 Cr. (Rs. 445.0 crore for Phase-I) and Rs.489.89 Cr. towards recurring expenditure.
- The Higher Education Financing Agency, with whom the Institute signed an agreement as per the advice of MHRD, sanctioned a loan of Rs.445.0 Cr. for construction of Phase-1.
- Following due process of public procurement, the Institute appointed Arcop Associates Pvt. Ltd. as Architect and NBCC (India) Ltd. as the Project Management Consultant (PMC) for the Permanent Campus.
- Thus, the process for the construction of the permanent campus has been set in motion.

7.4 Library

Library at IIMV (https://elibrary.iimv.ac.in/) offers seamless access to knowledge resources. It is a hub to meet the information needs if IIMV community. Spread over 1,265 sqft, the library is a hybrid repository comprising online databases, electronic books, online reference sources and a print collection. It is open from 0800 hrs to 2000 hrs on all days of the year, except on three national holidays (Republic Day, Independence Day and Gandhi Jayanti).

The Library provides following customised information services to its users:

- Circulation of books
- Reference Services
- Literature search
- Inter-Library Loan (ILL)
- Hands-on-training on databases
- Article-alert service

The Library also preserves institutional memory of IIM Visakhapatnam by archiving institutional publications.

During the reporting year, the Library conducted orientation programmes for PGP and PGCEP batches. It also organised two book exhibitions. It started lending Kindle devices to students. The various user-friendly initiatives of the Library received good response from the students.

7.4.1 Circulation Statistics

Books issued	580
Books returned	482
Books renewed	194
Amazon Kindle issued	33
ILL Requests	14
Remote Access log-in Sessions	3116

7.4.2 Additions to library Collections: 2018-19

S. No.	Nature of document added to the collection	Quantity added
1	Books	402
2	Journals and Magazines (Print)	30
3	Print Newspapers	9
4	Online Newspapers	2
5	Research Assistance Tool	1
6	IT Tools	2
7	Databases	5

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 15 06/12/2019 19:08:52

Library collection highlights are appended at **Statement 6.**

7.5 Computer Centre & IT Infrastructure

The highlights of the activities of the Computer Centre and IT infrastructure are:

- Institute website was re-designed and maintained by the in-house IT workforce.
- Biometric attendance system was introduced for the staff
- State-of-the art audio-visual (AV) facilities were provided in the newly constructed classrooms and meeting room
- IT Facility Management Services and AV AMC services were successfully concluded ensuring support for the IT&AV activities
- All the IT applications were moved from IIMB to IIMV Data Centre.
- All the IT Support activities started functioning from IIM Visakhapatnam itself, independently, with the knowledge-transfer having taken place from IIM Bangalore
- Internet and Wi-Fi services were provided for the new student hostel
- Data Analytics Software like SPSS-AMOS, STATA, NVIVO, Event Study Metrics, etc. were procured to boost research.
- Campus network equipment licenses were renewed
- New Desktops, laptops and printers were procured for the use of Faculty and Staff through GeM portal
- IT and AV facilities were set up to support the Incubation Centre for Women Start-up Program.
- An Intranet portal was developed by internal IT workforce
- An online Admissions portal was developed to automate the PGP admissions process

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 16 06/12/2019 19:08:52

8. Alumni Activities

Academic institutions reach great heights on the active support of their alumni base. The student-alumni committee of the Institute, in coordination with alumni office, strives to foster the strong bond with the students, past and present. Numerous sessions involving alumni-student interaction such as mentorship programs, knowledge-sharing webinars, placement-related guidance, etc. are held on regular basis to actively engage with the alumni. The main aim of such interactive sessions is to foster strengthening of the brand image and visibility of their alma mater in the government, industry and the society at large as well as to promote networking within the IIMV family.

The Institute has organized Sanshrey 2018- Annual Alumni Homecoming on 23rd December 2018. It is highlight-worthy that IIMV Alumnus Sai Aditya Velichety (PGP 2015-17) bagged 'Innovation Award for New Digital Product Proposal' at the Annual Award ceremony of ICICI Lombard General Insurance Company Ltd.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 17 06/12/2019 19:08:52

9. Policy and Initiatives

9.1 Disability Services

The Office of the Disability Services (ODS) at IIM Bangalore continues to support the Institute in addressing the needs of specially-abled students. The goal at the Institute, is to provide equal access for students with disabilities so that they get as good an educational experience as any other student. The Programmes Office at the Institute, in consultation with the ODS (IIM Bangalore) works with the faculty and students to ensure that the needs of the students like accessibility to classrooms, seating arrangements for students with special requirements etc. are met. The Institute welcomes students with special needs and is committed to the continuing development of an enabling environment and a non-discriminatory culture. Accordingly, the Institute recognizes its responsibility to provide reasonable accommodation to ensure that a student with special needs has equal access to all activities, academic and otherwise, and is not placed at a disadvantage in comparison with other students.

Every student with special needs is taken through an assessment to identify the specific needs required by him / her. This is done well in advance to ensure that the office can work with the student at each step - starting from accommodation to accessibility of campus and any other support required.

During the Orientation Week, a session is included to build awareness and sensitization towards students with disabilities.

Campus and hostel premises are installed with lifts, ramps, railings and accessible washrooms have been added to make the existing infrastructure more accessible. Improvements are being made every year based on inputs received from students and domain experts.

Details of students with disability are appended as **Statement 7.**

9.2 Internal Complaints Committee

The Institute gives importance to the safety of its girl students and women staff. It is a secure campus where safety measures, such as CCTVs, round-the clock security, etc. are in place and monitored closely. The Institute has a prompt system of addressing any form of grievance raised by any member of its community. The Institute follows all applicable legal and procedural guidelines in enforcing norms of good conduct. The Institute's zero-tolerance policy towards any kind of gender-discrimination or harassment is clearly stated on the website (www.iimv.ac.in). There is an Internal Complaints Committee (ICC), as required by the law, against sexual harassment, which is headed by a senior woman faculty member. The ICC is equipped to ensure prompt redressal of grievances and complete confidentiality. During the Orientation Week, a session is included to build awareness and sensitization on prevention of sexual harassment wherein a presentation is made covering policies, examples of sexual harassment, details of ICC members, responsibilities of the Institute-community, etc.

As per the Government of India guidelines, IIMV has been convening quarterly meetings of the ICC to take stock of things and review preparedness to fulfil all requirements of the VISHAKA guidelines. The Institute also conducts sensitization programs for the benefit of the entire IIMV Community.

No case of harassment of any kind was reported since the inception of the Institute, including in the year under consideration.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 18 06/12/2019 19:08:52

10. Personnel and Administration

As on 31 March 2019, there were 13 officers, 9 administrative staff, 2 Library Interns and 11 Academic Associates, all on contractual terms except for one Senior Administrative Officer on regular terms and 2 persons (in consulting/advisory) on retainership basis at the Institute.

The detailed status is given in **Statement 8.**

The list of personnel is appended as **Statement 9.**

10.1 Official Language Implementation

IIM Visakhapatnam makes sincere endeavours in the usage of official language in every way possible. The Institute has implemented use of Hindi language in sign boards etc. The Institute has also conducted activities like Hindi speeches, poems and slogan competitions during the 'Hindi Day' celebrations. The Institute endeavours to build greater awareness of the language and encourages use of Hindi in all its day to day operations.

10.2 Digital Transactions and e-procurement

The Institute has always been at the forefront in embracing the digital technologies. Out of 3211 total transactions that took place in FY 2018-19, 3006 (93.62%) were digital transactions. The Institute has also embarked on purchase of goods through GeM portal and follows e-Procurement for sourcing of goods and supplies through Central Public Procurement Portal (CPPP).

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 19 06/12/2019 19:08:52

11. Financial Position

The financial position of the institute showing the income and expenditure for the year 2018-19, is given below:

Particulars		Rs. In Crore	
	RECURRING	**2018-19**	**2017-18**
1	**Income**		
	Govt, Grants	08.78	15.44
	Own Revenue	10.67	06.73
	Total	19.45	22.17
2	**Expenditure**	19.41	15.44
3	**Surplus / Deficit**	00.04	06.73
Less:	Transferred to/(from) Designated Fund	-	-
	Gross Surplus/Deficit	00.04	06.73
Add:	Fund (non-recurring) utilized to meet deficit	-	-
4	Net Savings transferred to Corpus/Capital Fund	00.04	06.73
	NON-RECURRING		
1	**Receipts**		
	Grants from MHRD	02.52	08.24
2	**Expenditure**		
	Fixed Assets procured	04.98	06.24
	Revenue expenses met from Funds Non-recurring (as stated above)	-	-
3	**Total Expenditure met from Funds** (Non-recurring) **granted**	04.98	06.24

Other finance related details are appended in Statement of Accounts 2018-19.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 20 06/12/2019 19:08:52

12. Statements

Statement 1

Board of Governors

No. of meetings held during 2018-19	6

Meeting Number	Date
7th Meeting	8 June 2018
8th Meeting	28 September 2018
9th Meeting (1st Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	26 November 2018
10th Meeting (2nd Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	11 January 2019
11th Meeting (3rd Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	20 February 2019
12th Meeting (4th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	30 March 2019

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Hari S Bhartia (Chairperson)	6	
Sanjay Kumar Sinha	3 (8th ,9th and 10th)	Leave of absence for 12th
Subrat Kumar Pradhan	1 (11th)	Representative of JS (Management) MHRD, Govt. of India
Arun Kumar	1 (8th)	Representative of JS&FA MHRD, Govt. of India
Rakesh Bhutani	2 (7th and 10th)	Representative of JS (Management) MHRD, Govt. of India for 7th Meeting and In Attendance for 10th Meeting
A Srikanth	1 (9th)	Representative of the Spl. Chief Secretary (Higher Education), Govt. of Andhra Pradesh
K Damayanthi	2 (10th and 11th)	Not a Member for 7th, 8th and 9th and Leave of absence for 12th
Aditya Nath Das	1 (7th)	Not a Member for 10th, 11th and 12th and Leave of absence for 8th
Rakesh Kapoor	2 (7th and 8th)	Not a Member for 9th, 10th , 11th and 12th
G Yoganand	2 (7th and 8th)	Not a Member for 9th, 10th , 11th and 12th
Uma Sudhindra	4 (7th, 8th, 11th and 12th)	Not a member for 9th and 10th
Prasad Dahapute	4 (7th, 8th, 11th and 12th)	Not a member for 9th and 10th
Uday B Desai	1 (8th)	Not a member for 9th, 10th , 11th and 12th and Leave of absence for 7th

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 21 06/12/2019 19:08:52

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Naushad D Forbes	2 (7th and 8th)	Not a member for 9th and 10th and Leave of absence for 11th and 12th
Satish Reddy	3 (7th , 11th and 12th)	Not a member for 9th and 10th and Leave of absence for 8th
V K Soni	1 (8th)	Representative of Chairman, AICTE
G Raghuram	5 (7th , 8th , 10th , 11th and 12th)	Not a member for 9th
Rajeev Kapoor	3 (10th , 11th , and 12th)	Not a member for 7th , 8th and 9th
Malavika Harita	3 (10th , 11th , and 12th)	Not a member for 7th , 8th and 9th
M Chandrasekhar	6	
Invitees		
V Bhaskar	3 (7th, 8th and 12th)	
B Srirangacharyulu	4 (7th,8th , 10th and 12th)	
Nimruji Prasad J	1 (7th)	
Deepika Gupta	3 (8th, 10th and 12th)	
Rajiv Mishra	1 (11th)	
Amit B. Chakrabarti	1 (11th)	
R Sayikrishna Raju	1 (11th)	
In attendance		
G Janaki Ramachandram, Secretary to the Board	2 (7th and 8th)	
Kaleem V. Khan, Secretary to the Board	4 (9th , 10th , 11th and 12th)	

Building & Works Committee

No. of meetings held during 2018-19	2

Meeting Number	Date
3rd Meeting	01 June 2018
4th Meeting	01-02 December 2018

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Satish Reddy (Chairman)	2	
Ligy Philip	2	

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 22 06/12/2019 19:08:53

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Rajiv Mishra	2	
V Nagadevara	2	
P Basanth Kumar	2	
Amit Baran Chakrabarti	2	
M Chandrasekhar	2	
R Sayikrishna Raju	2	
Invitees		
Sushant Baliga	2	
Nimruji Prasad	1 (3rd)	
B Srirangacharyulu	1 (4th)	

Domain Experts		
Chetan Vaidya	1 (4th)	
Padmavathi Pervar	1 (4th)	
Biplab K Sengupta	1 (4th)	
T Srinivas	1 (4th)	

Finance, Investment & Audit Committee

No. of meetings held during 2018-19	4

Meeting Number	Date
4th Meeting	08 June 2018
5th Meeting	28 September 2018
6th Meeting	09 December 2018
7th Meeting	29 March 2019

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
V Bhaskar	4	
A Radha Krishna	4	
Arun Kumar	1 (5th)	Representative of JS&FA MHRD, Govt. of India
Padmini Srinivasan	3 (4th, 5th and 7th)	Leave of absence for 6th
M Chandrasekhar	4	

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 23 06/12/2019 19:08:53

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
C P Vittal	4	
In attendance		
Nimruji Prasad J	1 (4th)	
CA V Srinivasa Rao	1 (4th)	
CA P V Siddardha Gupta	1 (4th)	
Deepika Gupta	3 (5th,6th and 7th)	
G Nandita	2 (6th and 7th)	

Statement 2

List of Electives offered in PGP 2018-19

S. No.	Course Title	Credits	Faculty
1	Advanced Analytics	3.0	V Nagadevara
2	Advertising Management	3.0	K. Sunil Chandran
3	Applications of AI in Industry and Society	3.0	Ramanujam Sridhar
4	B2B Management	3.0	Rajesh Pandit & Suri Valluri
5	Banking, Financial Markets and Systems	3.0	P C Narayan
6	BPIM - Dubai	3.0	Ganesh N Prabhu & Amit Baran Chakrabarti
7	BPIM-Japan	3.0	D Krishna Sundar & Kalyan K
8	Brand Management	3.0	Jayasankar Ramanathan
9	Business Data Mining & Decision Models	3.0	V Nagadevara
10	Consumer Behaviour	3.0	Anurag Dugar
11	Corporate Valuation	3.0	Anil Sood
12	Digital Marketing and E-Commerce	3.0	Suri Valluri & K. Sunil Chandran
13	Financial Analytics using R	3.0	Mohammad Shameem Jawed & K Kiran Kumar
14	General Commercial Knowledge	3.0	S. Shanker
15	Hi -Tech Marketing	3.0	Prakash Bagri
16	Industrial Organization and Firm Performance	3.0	Vinay Ramani

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 24 06/12/2019 19:08:53

S. No.	Course Title	Credits	Faculty
17	Industry & Competitor Analysis	3.0	Amit Baran Chakrabarti
18	Innovation, Technology and New Product Development	3.0	Deepika Gupta
19	International Business	3.0	Amit Baran Chakrabarti
20	Investment Banking	3.0	Pratap Giri
21	Investments	3.0	Sankarshan Basu & Kaveri Krishnan
22	Managing Software Projects	3.0	Madhuchhanda Das Aundhe
23	Mergers Acquisitions and Corporate Restructuring	3.0	Utkarsh Majumdar
24	Operations Research Applications	3.0	B Srirangacharyulu & G Srinivasan
25	Operations Strategy	3.0	D Krishna Sundar
26	Project Management	3.0	V Nagadevara
27	Research for Marketing Decisions	3.0	Suresh Ramadurai
28	Retail Management	3.0	Anil Sood
29	Risk Management	3.0	Sujoy Roychowdhury
30	Sales and Distribution Management	3.0	Pingali Venugopal
31	Services Marketing	3.0	Anurag Dugar
32	Spreadsheets for Business & Personal Productivity	3.0	V N Sastry
33	Strategic Marketing	3.0	Vivek Madupu
34	Supply Chain Management	3.0	G. Srinivasan
35	Text Mining and Social Media Analytics	3.0	Balamurali A R

Statement 3

List of courses offered in PGCEP

S. No.	Course Title	Credits	Faculty
1	Micro-Economics	1.2	Kalyan Kolukuluri
2	Management Accounting	1.2	Shameem Jawed
3	Operations Research	1.2	Srirangacharyulu
4	Marketing Management 1	1.2	Bhagyalakshmi Venkatesh
5	OB & HR 1	1.2	Anupama Sharma
6	Business Statistics	1.2	Anirban Ghatak

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 25 06/12/2019 19:08:53

S. No.	Course Title	Credits	Faculty
7	Business Communication	1.2	Rakesh Godhwani
8	Macro Economics	1.2	Kalyan Kolukuluri
9	Financial Management I	1.2	Kaveri Krishnan
10	Operations Management	1.2	Milan Kumar
11	Marketing Management II	1.2	Jayashankar Ramanathan
12	OB & HR II	1.2	Anupama Sharma
13	Strategic Management	1.2	Deepika Gupta
14	Business Law	1.2	Lionel Aranha
15	Financial Management II	1.2	Shameem Jawed
16	Logistics & Supply Chain Management	1.2	Milan Kumar
17	Marketing Management III	1.2	Ashish Kumar
18	Corporate Responsibility	1.2	Amit Baran Chakrabarti
19	International Business	1.2	Amit Baran Chakrabarti
20	Entrepreneurship & Innovation	1.2	Deepika Gupta
21	Management Information System	1.2	Madhuchhanda Das Aundhe

Statement 4

Faculty List as on March 31, 2019

Name	Affiliation
M Chandrasekhar, Director	IIM Visakhapatnam
Anirban Ghatak	IIM Visakhapatnam
Mohammad Shameem Jawed	IIM Visakhapatnam
B. Srirangacharyulu	IIM Visakhapatnam
Anupama Sharma	IIM Visakhapatnam
Amit Baran Chakrabarti	IIM Visakhapatnam
Kalyan Kolukuluri	IIM Visakhapatnam
Kaveri Krishnan	IIM Visakhapatnam
Jayasankar Ramanathan	IIM Visakhapatnam
Milan Kumar	IIM Visakhapatnam
Deepika R Gupta	IIM Visakhapatnam
Bhargab Chattopadhyay	IIM Visakhapatnam
Vinay Ramani	IIM Visakhapatnam

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 26 06/12/2019 19:08:53

Name	Affiliation
Bishakha Majumdar	IIM Visakhapatnam
Bhagyalakshmi Venkatesh	Adjunct
Rakesh Godhwani	Adjunct
Lionel Aranha	Adjunct
Ashish Kumar	Adjunct
Madhuchhanda Das Aundhe	Adjunct
Anil Sood	Adjunct
Anurag Dugar	Adjunct
Balamurali A R	Adjunct
D Krishna Sundar	IIM Bangalore
G Srinivasan	Adjunct
Ganesh N Prabhu	IIM Bangalore
Jayanthi Iyer	Adjunct
K Kiran Kumar	Adjunct
K. Sunil Chandran	Adjunct
M S Rajagopalan	Adjunct
M S Sriram	IIM Bangalore
P C Narayan	IIM Bangalore
Pingali Venugopal	Adjunct
Prakash Bagri	Adjunct
Pratap Giri	Adjunct
Rajesh Pandit	Adjunct
Ramanujam Sridhar	Adjunct
S. Shanker	Adjunct
Sankarshan Basu	IIM Bangalore
Shabana Mitra	Adjunct
Sujoy Roychowdhury	Adjunct
Suresh Ramadurai	Adjunct
Suri Valluri	Adjunct
Utkarsh Majumdar	Adjunct
V Anand Ram	Adjunct
V N Sastry	Adjunct
V Nagadevara	Adjunct
V Ranganathan	Adjunct
Vivek Madupu	Adjunct

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 27 06/12/2019 19:08:53

Statement 5

List of Guest Lectures

S.No.	Name	Affiliation
1	Dr. Anu Thomas	Manager at EY (Data and Analytics)
2	Viswanath Pingali	Faculty – IIM Ahmedabad
3	Takashi Suzuki	Director General, Japan External Trade Organization (JETRO)
4	Abhishek Sinha	General Manager - Sales , Britannia Industry Limited
5	Saurabh Jain	Vice President of PAYTM
6	Sanjay Kumar	Director (Personnel), Western Coalfields Ltd.
7	Adv. Jaha Aara	IIMV ICC Member
8	Satyarth Priyedarshi	Head of Product Marketing, Jio Chat – Jio

Statement 6

Library Collection Highlights

E-Collection:

Knowledge Resources	No.	Description
E-books	12000+	Access through ProQuest E-Book Central
Online Reference Sources	3	Wiley Encyclopaedias
E-book Reader	2	Amazon Kindle Paperwhite
Finance Databases (Company financials, Annual Reports, market data, industry and company analysis etc.)	9	Ace Analyser Capitaline Plus CMIE Prowess IQ CMIE Prowess DX CMIE Economic Outlook S&P Global Market Intelligence NSE Infobase Venture Intelligence (PE/VC deals database) EMIS Intelligence
Other databases (Business Literature, Cases studies, Statistical Information etc.)	7	EBSCO Business Source Complete ProQuest ABI Inform CRISIL Research Indiastat.com Passport Euromonitor WARC JSTOR

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 28 06/12/2019 19:08:53

Knowledge Resources	No.	Description
E-Journals	2798	Wiley (550) Elsevier (330) Emerald (297) SAGE (514) Taylor and Francis (404) INFORMS (16) Project Muse (687)
Research Assistance Tool	2	Grammarly, Turnitin
IT Tools	2	RemoteXs, EBSCO Discovery Service
Online Newspapers	4	FT.com, Wall Street Journal, Press Reader, The Economist

Print Collection as on 31/3/2019

Type	Quantity
Books	1932
CD-ROM	8
Micro Documents: A. Working Papers B. Pamphlets C. Government Publications and Reports	 16 01 17

Statement 7

Details of students with Disability – PGP 2018-20

Total No. of Students	0
Students with low vision/blindness	0
Students with locomotor disability/cerebral palsy	0

Statement 8

Faculty & Personnel

Period	Regular Faculty	Adjunct Faculty	Total
As of March, 2018	9	40	49
Additions during 2018-19	5	34	39
Deletions during 2018-19	1	40	41
As of March, 2019	13	34	47

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 29 06/12/2019 19:08:53

Officers

Period	Strength (*)
As of March, 2018	9
Additions during 2018-19	5
Deletions during 2018-19	1
As on March, 2019	13

(*) = All on contractual terms, except for one Senior Administrative Officer, on Regular terms

Other Staff

Period	**Strength (*)**
As of March, 2018	15
Additions during 2018-19	10
Deletions during 2018-19	1
As on March, 2019	24

(*) = All on contractual terms

Statement 9

List of Officers (*)

S.No.	Name	Designation
1	Jagadeesha B T	Project Engineer - Infrastructure
2	Biswanath Behera	Program Manager - Academic Program
3	Ramesh Kumar Sethuraman	Manager - Student Hostel & Mess
4	Sayikrishna Raju	Project Manager - Infrastructure
5	Navnath Pawar	Assistant Librarian
6	Tapas Ranjan Pati	Manager - CDS & Alumni Relations
7	K V L N Murty	OSD - Director's Office
8	C P Vittal	Manager - Finance & Accounts
9	Kamal Keerthi	Assistant Manager - IT
10	Gundala Nandita	Assistant Manager - Finance & Accounts
11	V Bhaskar Ram	Medical Officer
12	Saladi Krishna Kanth	Project Engineer - Civil
13	Kaleem V. Khan	Senior Administrative Officer

(*) = Listed as per date of joining. All on contractual terms except for the Senior Administrative Officer on Regular terms.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 30 06/12/2019 19:08:53

List of other Staff (*)

S.No.	Name	Designation
1	Sunil Kumar Sinha	Project Executive - Accounts
2	M S Subrahmanyam	Project Executive - Administration
3	N Sachidhanandam	Project Executive - Academic Programmes
4	Viswanath T	Project Executive - Accounts
5	Deepa Mohan	Counsellor (on retainership basis)
6	Indu P	Executive - PGCEP
7	A. Jayasimha Reddy	Project Executive
8	Devoshri Mukherjee	Senior Executive (Academic Programmes)
9	Kavya Gedela	Academic Associate
10	Subhasree Nayak	Academic Associate
11	Kesava Kumar Madam	Academic Associate
12	Moturu Venkata Raja Sekhar	Academic Associate
13	Poonam Kahnoria	Academic Associate
14	T Suneetha	Academic Associate
15	Jetti Siva Kumar	Academic Associate
16	Biswashree Tanaya Priyadarshini	Academic Associate
17	Srinivas Dinakar Nethi	Academic Associate
18	V Siva Sankar	Library Intern
19	T Ganesh Kumar	Library Intern
20	Kush Dabral	Office Assistant
21	Praveena Musunuru	Academic Associate
22	Shashi Bhushan Kaushik	Advisor - Administration
23	Kota Varuna Devi	Junior Engineer - Civil
24	Bagde Dilip Kumar	Academic Associate

(*) = Listed as per date of joining. All on contractual terms.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 31 06/12/2019 19:08:54

13. Director's Report

(For the Year 2018-19, in compliance with the relevant Sections of the IIM Act 2017)

Section 26(1)(a):

State of Affairs of the Institute

The Institute, continuing its progressive stride, crossed several important milestones in its exciting journey during the year 2018-19. With the Indian Institutes of Management Act 2017 coming into effect from 31/1/2018, as an Institution of National Importance, the Institute is empowered to attain standards of global excellence in management education, management research and allied areas of knowledge.

The Institute continued to benefit from the encouragement and support of the Ministry of Human Resource Development (MHRD), Government of India (GoI) as well as its Board of Governors (BoG), (re)constituted under the Act. Shri Hari S Bhartia, Co-Chairman and Founder, Jubilant Bhartia Group was (re)appointed as the Chairperson of the BoG of the Institute for a period of four years with effect from 15/11/2018. With senior civil servants from MHRD and the Higher Education Dept. of the Govt. of Andhra Pradesh as well as illustrious IIM alumni and eminent persons who have distinguished themselves in the fields of commerce, education, entrepreneurship, industry, management, public administration, social service etc. on the BoG, the policy and strategy as well as governance and good-functioning of the Institute attained further traction. The Building & Works Committee (BWC) as well as the Finance, Investment & Audit Committee (FIAC) of the Institute too, chaired and/or represented by proven professionals with rich domain expertise and wealth of experience in the government, industry and academia, contributed immensely to the progress and development of the Institute.

Some of the highlight-worthy accomplishments of the Institute have been as follows:

Institute's Lead

The Institute leads the competition among its new-generation peers, on a variety of fronts such as:

a. Having world-class infrastructure, even in its temporary campus, conducive to learning outcomes of high impact;

b. Having all faculty with PhDs from top-notch institutions of India and abroad such as IIMs, IITs and reputed foreign universities, with impressive academic and research credentials;

c. Hosting the largest cohort of women-entrepreneurs, after IIM Bangalore (Mentor Institute), under a special initiative called the Women Start-up Program;

d. Announcing (in the 2018 Common Admission Test Bulletin itself) the launch of the PhD program from the Academic Year 2019-20;

e. Conducting a customized Post-Graduate Program on weekends for the benefit of experienced professionals;

f. Reflecting true national character with students coming from about 20 states and union territories of the country; and faculty, form about 10 states.

That the Institute could achieve all this in just three years of our existence, is a matter of pride and fulfilment for the Institute and all its stakeholders.

Student Intake

For the first time since its inception in 2015, the Institute crossed the 100 mark in student-intake in its 2018 Admissions, thus scaling up the student-strength to two sections. This led to increased capacity utilization and improved the Internal Resources Generation (IRG).

Faculty

Continuing its efforts to increase the faculty strength, the Institute recruited five more faculty during the year, adding to the complement of eight faculty members already on rolls. Thus, the Institute had, as the end of March 2019, 13 faculty members with representation in all core disciplines of management.

Faculty have been contributing significantly to all the four pillars of performance viz. teaching; research; service to the Institute; and service to the profession. They published in high-impact journals, presented papers in reputed international conferences abroad and won competitive research grants.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 32 06/12/2019 19:08:54

Placements

On the strength of the efforts made by the faculty facilitating good learning outcomes and impressive performance by students, the Institute consolidated its position as a preferred destination for talent-acquisition. The salary-offers that the students received [Average Rs.12.61 lakh per annum; top quartile Rs.17.07 lakh per annum] broke many records, not only of the Institute (in the previous years) but also of all other new-generation IIMs; and even some of the older ones.

Women Entrepreneurship Development

The Institute had the privilege of partnering with the Mentor Institute (IIM Bangalore) in promoting entrepreneurship among the women in the region. The objective of the Initiative, titled as "Women Start-up Program 2018" was to nurture and build venture-development and enterprise-management skills in aspiring women entrepreneurs.

The maiden cohort comprised of 17 members from the state of Andhra Pradesh and 9 from Telangana, who, emerging successful from a tough screening process, represented a rich diversity in socio-economic background; literacy and knowledge levels.

The Incubation Centre for the endeavour was inaugurated on 18/6/2018 by Shri Prasad Dahapute, Member, BoG of the Institute.

Making its knowledge-resources and infrastructure available to the cohort, the Institute carried out the initiative as a well-structured combination of capacity-building and interactive sessions. Theme-focused workshops and case studies helped the cohort learn the nuances of entrepreneurship. Apart from extending financial, hand-holding and knowledge-support, the Incubation Centre of the Institute facilitated many an idea converting from seed stage to that of innovation. The endeavour helped the cohort connect with investors and industry. Interaction with faculty as well as entrepreneurially-inclined student groups; policy-makers, professionals, practitioners and potential venture partners was part of the knowledge-exchange and experience-sharing endeavour. Members of the cohort were also provided with the information on the several policies and programs of the Central Government (e.g. Stand-up India and MUDRA Yojana) that focus on nurturing and assisting entrepreneurship, particularly among women.

At the instance and with the support of Shri Prasad Dahapute, the cohort also had the opportunity of taking part in the Udyam Sangam 2018 event, organized by the Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises (MSME), Govt. of India (GOI) on 27/6/2018 at Vigyan Bhavan, New Delhi, which was inaugurated by the Hon'ble President of India to mark the UN-SME Day. The WSP cohort thus had a good opportunity of interacting with various stakeholders of the MSME ecosystem at the national level and benefiting from their advice and thoughts.

The ideas developed and incubated by the WSP cohort belonged, broadly to the sectors of Workspace design and furniture; Education; Environment; Event Management Services; Fintech; Food services; Gardening Solutions; Health; and Lifestyle products.

The Institute brought good visibility to the creative endeavours of members. Leveraging the resources of the Institute as a launch pad and a springboard, members could move closer to translating their ideas into tangible products and services and making a positive difference in society. Among the positive outcomes of this effort are: (i) A participant with an indigenous-technology based solution for clean fuels and waste management, emerged as one of the top-nine 'women-in-energy' entrepreneurs in the country; (ii) A mobile-based app that provides curated stock-market analysis, developed by another participant, is ranked as one of the top-ten FinTech start-ups of the country; (iii) Another incubated venture used Cloud and IoT-based technologies to provide high-demand knowledge-services for environmental compliance by MSMEs in the marine and mining sectors; and, (iv) Leveraging traditional knowledge and home-grown techniques, yet another initiative nurtured the farming-practices in tribal areas, promoting natural-produce and creating livelihoods. It is gratifying that the Institute played an enabling role in their success.

The Entrepreneurial Passion and Innovation Club (EPIC), an endeavour of the Institute led, driven and managed by the students, worked in close coordination with the incubatees and assisted them with management inputs and field work. It was thus a great learning experience for the students too to work on live projects.

Among the dignitaries who addressed and interacted with the cohort were Dr K Hari Babu, the (then) Hon'ble Member of Parliament (Lok Sabha), Visakhapatnam constituency; Members on the Board of the Institute: Ms. Malavika Harita, Ms. Ameeta Chatterjee and Mr. Prasad Dahapute; Mr Bhanu Warla, IIMB Alumnus & Industrialist, Mr M N Rao, Chairman & CEO, MediSys etc.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 33 06/12/2019 19:08:54

It is worthy of highlighting that next to the registrations by IIM Bangalore, the enrolment in IIM Visakhapatnam was the highest among all the institutions that partnered with IIM Bangalore in the initiative. It is therefore a matter of pride that IIM Bangalore praised the WSP endeavour of IIM Visakhapatnam as unique and emulation-worthy. It is also a matter of fulfilment for the Institute that Professor G Raghuram, Director of IIM Bangalore and Member of the Board of Governors of IIM Visakhapatnam placed on record his appreciation for the phenomenal efforts put in by the Institute, leading to the scale up of the initiative in a big way.

IIM Visakhapatnam looks forward to deepening its engagement with IIM Bangalore in this endeavour of women's empowerment, emerging as a major hub for incubation; entrepreneurial-learning and enterprise-development in the times to come. As an Institution of National Importance and committed to gender diversity, gender balance and gender empowerment, IIM Visakhapatnam would continue its efforts in helping women entrepreneurs convert their dreams into deeds.

Prof. Shameem Jawed, Chair, Entrepreneurship Development, led the WSP initiative, ensuring that the purpose envisaged of the endeavour, was duly realized.

The Board, in its meeting on 28/9/2018, appreciated the constructive role being played by the Institute in promoting women-entrepreneurship.

Post Graduate Certificate Program for Experienced Professionals

Responding to the requests/enquiries received from many experienced professionals based in and around Visakhapatnam, the Institute launched a Post-Graduate Certificate Program in Business Management for Experienced Professionals (PGCEP).

The overarching goal of the program is to help the participants enhance their managerial competencies and leadership skills for professional growth and development; and through (such) advanced learning, contribute more effectively to their organizations.

The objectives are to help the participants (i) Understand the demands and challenges of modern business organizations; (ii) Enhance their knowledge in functional management domains; (iii) Sharpen their skills in diagnostic, analytical and decision-making tools and techniques; and, (iv) Contribute to their organizational development with greater competence and confidence.

The distinctive features of the program are: (i) Open to professionals with experience (working or self-employed) offering them a unique learning opportunity to upgrade their skills; (ii) Rich in content and value-addition, in terms of range and depth of courses covered; (iii) Conveniently timed during weekends so as to cause nil or minimal disturbance in the work routines of the individuals and their organizations; (iv) Spread across 3 'terms' as in regular MBA, ensuring smooth progression in learning; (v) An on-campus learning opportunity facilitating faculty-interaction, use of library resources and as a result, better learning outcomes; (vi) An international exposure module comprising interaction with CEOs, on global business best practices; (viii) Value-added course packs for enhanced learning; and, (ix) Alumni status.

With the highest number of courses (21) on offer (in comparison with other programs of similar nature) and hence richer in content with more value-addition, the Program attracted good participation, with 33 professionals enrolling in it.

The typical profile is of middle and senior executives, from renowned organizations (public & private sectors) located in and around Visakhapatnam, such as Dr. Reddy's Labs, Vizag Steel Plant, India Post Payments Bank, Tata Consultancy Services, Naval Science & Technology Laboratory (of Defence Research & Development Organization), Bharat Petroleum Corporation Ltd., Indian Navy, HSBC, JSW Steel etc. This cohort too will receive their degrees along with MBA (regular) students, in March 2020.

The Board, in its meeting on 28/9/2018, complimented the Institute on this unique initiative, which would not only contribute to capacity-building in management education in the region but also opens to the Institute, an additional avenue of Internal Resource Generation.

Launch of the Doctoral Program

Taking a lead among the new IIMs, the Institute announced in the Common Admission Test (CAT) Bulletin 2018 itself, launch of doctoral Program from the academic year 2019-20. PhD students bring in a research-culture and contribute substantially to the research output of the Institute. It is envisaged that increased research output would help the Institute establish its credibility as a knowledge-driven entity and also in accreditation, rankings etc. in subsequent years. The PhD program and the resultant research-orientation would also help the Institute to seek external (competitive) grants and build a healthy corpus.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 34 06/12/2019 19:08:54

The Board, in its meeting on 28/9/2018, extended its compliments to the Institute on being the first and only new generation IIM to announce in the CAT Bulletin 2018, the launch of the doctoral program from the academic year 2019-20.

Infrastructure

Permanent Campus

The Institute took possession of about 230.25 acres (excluding 80-feet surrounding road) of permanent campus land allocated by the State Government in March 2018. A six-kilometer long compound wall was also built around the campus. Following due process, the Institute engaged in March 2019, Arcop Associates Pvt. Ltd. as the Architects and NBCC (India) Ltd., a Navratna Central Public Sector Enterprise (CPSE) as the Project Management Consultancy (PMC) firm. Both these organizations are highly reputed, with the former having designed several campuses of the Centrally Funded Technical Institutions like IIMs and IITs and the latter, one of the best PMCs in the country, having been associated with the construction and successful completion of several prestigious projects.

As a new generation IIM, the Institute has the advantage of leapfrogging, drawing upon the experience of the IIMs set up in the recent past. In addition, compliance with the following guiding principles and factors is being taken care of, so that the campus emerges as "first-in-class" in terms of novelty and uniqueness and "best-in-class" in terms of optimizing the use of resources:

- Green buildings, which are carbon and water positive, thereby rationalizing energy usage
- With IT as the core, design of learning and automation systems around it
- Use of intelligent IT systems, smart technologies and modern audio-visual aids that provide for seamless and special learning opportunities for students, faculty and other stakeholders to connect & interact; communicate and collaborate
- Conserving the land as much as possible to provide for future growth and expansion
- Making use of the third dimension (viz. height) to the extent possible
- Concept and design being in sync with the location and blending with the local art and architecture; history & heritage.

Approval for the Detailed Project Report (DPR) for the permanent campus was conveyed by MHRD on 17/9/2018. The total built-up area of the campus is 1,15,800 sq. meters. Of this Phase-1 would be 60,384 sq. meters built at a capital cost of Rs.445.0 Cr. With the approval accorded by the MHRD, GOI for building the Phase-I in EPC (Engineering, Procurement & Construction) mode, the Institute has been making good progress towards finalization of the Master Plan and detailed Building Drawings.

As advised by and with the approval of MHRD, the project outlay is being availed as a loan from the Higher Education Financing Agency (HEFA), a special purpose vehicle of MHRD and Canara Bank. The loan is repayable in 20 equated monthly instalments (EMIs), spread over 10 years. MHRD would repay 87.5% of the loan from the first year and the Institute's liability is 12.5%, beginning from the fifth year after the starting date of construction. The entire interest liability is borne by the GOI. Loan Documentation was executed in March 2019, between the Institute, HEFA and the bankers to both the organizations.

The Board, in its meeting on 20/2/2019, appreciated the good work of the Building & Works Committee under the leadership of Shri Satish Reddy [Member (BoG) & Chair (BWC)] for the meticulous and painstaking exercise carried out by them, in the selection of the Architect and PMC for the permanent campus.

Temporary (Transit) Campus, Andhra University

To cater to increased student-intake and upscaling of the activity profile of the Institute, the following infrastructure - related projects/facilities were completed during the year 2018-19:

- **Construction of new classrooms**
  - 60-seater & 35-seater classrooms – 1 each
  - 25-seater Modern Meeting Room (Board Room) – 1
- **Hostel**
  - A new hostel was hired and suitably furnished to house about 80 students on twin-sharing basis.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 35 06/12/2019 19:08:54

- **Computer Centre & IT Infrastructure**
  - Institute website has been re-designed and made more informative and user-friendly, by the Institute's IT team
  - Biometric attendance system for the staff was introduced
  - State of the art audio-visual (AV) facilities were installed in the two new classrooms and in one Meeting Room
  - All the IT applications were moved from IIMB to IIMV Data Centre; and all the IT Support activities started functioning from IIM Visakhapatnam
  - Internet and Wi-Fi services were provided to the new student Hostel (80-seater)
  - New desktops, laptops and printers were procured for the use of faculty and staff as a further step promoting automation
  - IT and AV facilities were created to support the Incubation Centre for Women Start-up Program
  - An Intranet portal was developed by the Institute's IT team which is being widely used
  - An online Admissions portal has been developed to automate the PGP admissions process.

Library

The Institute's Library successfully migrated its operations on 28/8/2018 to new library software - KOHA, an open source integrated library management system, popular in IIMs.

(a) Following were the new **databases** subscribed by the library during the year:
   a. S&P Global Market Intelligence
   b. NSE Infobase
   c. ProQuest ABI (e-journals)

(b) The following research software packages were procured:
   a. STATA
   b. SMART PLS3
   c. NVivo
   d. MATLAB
   e. Scientific Workplace
   f. SPSS Amos
   g. Event study metrics

(c) The Institute's Library is now part of the Union Catalogue project of IIM Bangalore. With the new union catalogue, it becomes easier to locate books across IIMs, put in a request for Inter-Library-Loan, build a collection and share cataloguing data. This project of library co-operation thus greatly helps researchers.

Registration with the National Scholarship Portal

The Institute got registered w.e.f. 06/8/2018 on the National Scholarship Portal (https://scholarships.gov.in/). Students are thus able to apply for scholarships announced by the Government Ministries/Departments and (other) government bodies and avail funding for their education. Scholarships are available for eligible students under categories such as Minorities, Persons with Disabilities, Scheduled Caste and Scheduled Tribes.

Foundation Day

The fifth Foundation Day Lecture of the Institute was delivered by Dr Sanjay Kumar, Director (Personnel), Western Coalfields Ltd., on 17/1/2019. The lecture was well attended by the faculty, staff and students of the Institute, besides invited guests. The lecture was well received and appreciated.

Governance

The Board of Governors (BoG) met six times during the year (08/6/2018, 28/9/2018, 26/11/2018, 11/1/2019, 20/2/2019 and 30/3/2019). The FIAC (constituted by the BoG in its meeting on 26/5/2017) met four times (08/6/2018, 28/9/2018, 09/12/2018, 29/3/2019) and the BWC (constituted by the BoG in its meeting on 26/5/2017) met two times (01/6/2018, 01-02/12/2018) during the Year 2018-19.

Systems & Processes

(a) **Faculty Work Norms**

The faculty work norms to measure the

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 36 06/12/2019 19:08:54

performance of the faculty under for pillars viz. Teaching, Research, Service to the Institute and Service to Profession were formulated, drawing upon the practice prevalent in the Mentor Institute (IIMB).

(b) **Regulations & Ordinances**

Drawing upon the IIM Act 2017, the Institute formulated a number of regulations and ordinances, which were implemented with the approval of the Board, contributing to the good functioning of the Institute.

(c) **Use of GeM Portal**

While, in conformity with GFR 2017, the Institute has been using the Central Public Procurement Portal (CPPP) - eprocure.gov.in for e-publishing of tenders, the Institute made further progress and commenced using the Government e-Market Place (GeM) portal for procurements w.e.f. 07/7/2018, in due observance of the process laid down in GFR 2017.

(d) **Savings on Tender Advertisements in Print Media**

Taking a leaf out of the practice being followed by reputed Central Public Sector Enterprises (such as NTPC, HSL etc.) the Institute published an advertisement on 20/8/2018 in (all) the pan-India editions of Times of India notifying that the Institute would not publish, any longer, tenders for procurement of goods and services in newspapers and that such tenders would henceforth be published on the CPPP portal and on the Institute's website only and that interested bidders are advised to visit these websites from time to time. This measure is resulting in good savings for the Institute.

(e) **Activation of EAT Module of PFMS**

In accordance with the advice dated 21/6/2018 of MHRD-GOI, the EAT (Expenditure – Advance – Transfer) Module of PFMS (Public Financial Management System) was successfully activated and is being used by the Institute for recording and uploading data regarding utilization of grants. This is a pre-requisite for release of funds by MHRD.

(f) **Local Audit Inspection Report of the CAG**

The CAG viz. the Office of the Principal Director of Audit (Central), Hyderabad, conducted inspection on the accounts of the Institute for the year 2018-19 in January 2019, covering the records of three Financial Years 2015-16, 2016-17 and 2017-18. During the audit, accounts were examined, and test check conducted. Consequently, the CAG, vide letter dated 22/02/2019, forwarded the Local Audit Inspection Report, which stated persistent irregularities; major irregularities and Test Audit Note (all of them) as 'nil'. The Inspection Report thus did not contain (adverse) comments of any substantive nature, reflecting the robustness of the systems and procedures being followed by the Institute.

The FIAC in its meeting on 29/3/2019 and the BoG in its meeting on 30/3/2019 observed and endorsed respectively that the Inspection Report being devoid of (adverse) comments of any substantive nature reflects the robustness of the systems and procedures being followed by the Institute, and hence the Institute deserves compliments.

(g) **Enrolment in National Academic Depository**

Following the advice of MHRD, the Institute entered into a Service Level Agreement on 12/7/2018 through Central Depository Services Ltd. (CDSL). National Academic Depository (NAD) is a 24*7 online store-house of all academic awards viz. certificates, diplomas, degrees, mark-sheets etc. duly digitised and lodged by academic institutions. NAD not only ensures easy access to and retrieval of academic awards but also validates and guarantees their authenticity and safe storage. Several first- and second-generation IIMs are already availing the NAD services of CDSL. The salient features of NAD are:

a. Use of Digital Signature Certificates in compliance with the IT Act 2000, for privacy/confidentiality, authenticity, integrity and non-repudiation.

b. Use of "DigiLocker", a "digital locker" service operated by the Government of India that enables storage of official documents on the cloud.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 37 06/12/2019 19:08:54

c. Sharing of academic award data only upon receipt of consent from the student.
d. Provision for making available, verified data relating to academic award to authorized users, with prior consent of the student.

Annual Accounts

The Institute is up to date in its Annual Accounts, having brought out the Annual Reports for 2015-16 (first year), 2016-17 (second year) and 2017-18 (Third Year).

Appointment of (New) Internal Auditors

Consequent upon the Internal Auditors - M/s Manohar Chowdhry & Associates completing their term of four years by 31/3/2019 (the maximum duration of engagement permitted as per the IIM Act 2017), following due public procurement process and subsequent evaluation, M/s Komandoor & Co LLP were engaged as Internal Auditors for the Year 2019-20, upon recommendation of the Finance, Investment & Audit Committee of the Institute and approval of the Board, in its meeting on 11/1/2019.

Institute Events

The Institute celebrated with enthusiasm and active participation, many events such as Pandit Deen Dayal Upadhyay Birth Anniversary, Ek Bharat Shresht Bharat, International Yoga Day, Rashtriya Ekta Diwas, Vigilance Awareness Week, Swachh Pakhwada, Swachhta Hi Sewa, etc.

The Institute celebrated the International Women's Day on 08/3/2019, with Ms. Malavika Harita, Distinguished Alumna of IIM Bangalore and Member (BoG) of the Institute, as the Lead Speaker.

As part of the celebrations, the Institute received a liberal donation of Rs.2.22 Cr. made by Dr B R L Row, an eminent scientist and a native of Visakhapatnam, in memory of his late daughter Ms Vani Row, who was a brilliant alumna of the 1993 batch of IIM Ahmedabad; and, who has had a highly successful career in the US and India. As desired by Dr Row, the Donation is being utilized by the Institute for creating a knowledge-facility in the Institute's permanent campus; and for awarding a Gold Medal every year, to the girl student standing first in MBA. The donation would be administered and managed in tune with the "Giving Policy" guidelines of the Mentor Institute (IIM Bangalore), as approved by the BoG.

The Hon'ble Vice President of India, Shri M Venkaiah Naidu was the Chief Guest at the 3rd Convocation of the Institute, held on 30/3/2019. He delivered the Convocation Address and presented the degrees to the graduating students. Top ranking students received their Gold Medals too, at the hands of the Hon'ble Vice President of India. The address by the distinguished dignitary was educative and enriching.

Other Important Events

Dr E S Rao, MD & CEO of IFCI Ltd. visited the Institute on 22/8/2018 and interacted with the students. Ms. K Damayanthi, the (then) Prl. Secretary (HE), Govt. of AP visited the campus on 14/2/2019 and interacted with faculty and staff.

The Director delivered an invited talk on 10/11/2018 at the Avanthi Group of Educational Institutions, Hyderabad belonging to Shri M Srinivasa Rao, (the then) Hon'ble Lok Sabha MP from Anakapalle and (currently) the Minister for Tourism, Culture & Youth Advancement, Govt. of AP.

Section (26)(1)(b):

The Amounts the Institute proposes to carry to Surplus Reserves in its Balance Sheet

In accordance with the Accounts for the FY 2018-19 approved by the Board in its meeting on 14/6/2019 and adopted (post CAG-audit) by the Board in its meeting on 14/9/2019, the excess of Income over Expenditure for the year ending 31/3/2019 (Rs.3.38 lakh) was transferred to the Corpus Fund.

Section (26)(1)(c):

The extent to which understatement or overstatement of any surplus of income over expenditure or any shortfall of expenditure over income has been indicated in the auditor's report and the reasons for such understatement or overstatement.

In the Separate Audit Report (SAR) by the C&AG [Office of the Principal Director of Audit (Central), Hyderabad] on the Accounts of the Institute for the year 2018-19, no understatement or overstatement of any surplus of income over expenditure or any shortfall of expenditure over income has been indicated.

The SAR states:

- The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 38 06/12/2019 19:08:54

dealt with by the Report are in agreement with the books of accounts;

- In their opinion and to the best of their information and according to the explanations given to them, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to the Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

  α. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2019; and

  β. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

Section (26)(1)(d):

The productivity of research projects undertaken by the Institute measured in accordance with such norms as may be specified by the Board.

Sponsored Research Project

Prof Amit Baran Chakrabarti was awarded, on 26/9/2018, a research project titled "Performance of Corporates: Firm Performance of Different Ownership Categories in India" worth Rs.8.30 lakh (excl. GST) by the Ministry of Corporate Affairs, Govt. of India. The project seeks to enquire whether and to what extent, the identity of the ownership category influences firm financial performance, in an emerging market context. The research is focusing on differences of government vs. non-government firms; domestic vs. multi-national firms; and publicly-held vs. privately-held firms. The research uses longitudinal data on the population of firms available in the MCA 21 database. The study views firm-performance as a multi-dimensional construct consisting of profitability measures; liquidity and capital-structure measures; operational performance measures; and, efficiency measures. Thus, the research study will help establish heterogeneity in firm-performance across the different ownership categories over time and on multiple metrics. It is envisaged that it would empower policy makers to identify firms with high-growth potential and subsequently consider offering them targeted benefits, with a view to accelerating economic growth.

Research Publications

A set of norms for performance including incentivization for research publications was approved by the Board in its meeting on 24/10/2017, as part of the terms and conditions governing the service of the faculty members.

The Institute's research output is witnessing good growth, on the strength of faculty publications. The following were the research papers published by the faculty in high-impact, peer-reviewed, internationally-recognized journals:

Publications - Research Papers

- **Chakrabarti, A B;** and Mondal, A. (Forthcoming), *"The effect of institutional transition on entrepreneurial orientation of family businesses: Evidence from India",* International Journal of Entrepreneurial Behaviour & Research **[ABDC (B)]**

- **Jawed, M. S.;** and Kumar, K. K. (Accepted May 2018), *"Stock Liquidity and Firm Value: Evidence from a Policy Experiment in India",* International Review of Finance, DOI: 10.1111/irfi.12200 **[ABDC (A)]**

- **Kaveri, K.;** Basu, Sankarshan; and Thampy, Ashok. (Accepted), *"Has the Global Financial Crisis changed the Market response to Credit Ratings? Evidence from an Emerging Market",* Journal of Emerging Market Finance**. [ABDC (B)]**

- **Sharma, Anupama** (Accepted), *"Work engagement, job crafting and innovativeness in the Indian IT Industry"* Personnel Review **[ABDC (A)]**

- **Gupta, Deepika;** Veliyath R.; and George, R. (2018), "Influence of National Culture on IPO Activity, Journal of Business Research, Sept (2018), 226-246 **[ABDC (A)]**

- **Jawed, M. S. (March 2019);** *"The Sectoral effect of Demonetisation on the Economy: Evidence from Early Reaction of the Indian Stock Market"* Cogent Economics & Finance **[ABDC (B)]**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 39 06/12/2019 19:08:54

Conference Paper Presentations

- **Gupta, Deepika**; Kumar, K.; and George, R. *"Influence of Internal Corporate Governance Mechanisms on use of IPO Proceeds by Indian Firms"*, was presented at The Academy of Management 78th Annual Conference (Strategic Management Division) held in Chicago, Illinois, USA during August 10-14, 2018.
- **Kaveri, K.**; *"Does Product Market Competition Affect Analysts' Target Price Property?"* was presented at the **Midwest Region Meeting of the American Accounting Association (AAA),** Oct 4-6, 2018, Indianapolis, Indiana.

Prof. Deepika Gupta also received the Elsevier Reviewer Recognition Certificate Award in recognition of review contributed to the Journal of Business Research (March 2019).

Section (26)(1)(e):

Appointments of the Officers and Faculty Members of the Institute

Appointment of Faculty

Following a rigorous selected process under the guidance, mentorship and hand-holding support of IIM Bangalore, the Institute appointed during 2018-19, five more faculty members as Assistant/ Associate Professors. Coming from IIMs and reputed foreign universities, they have impressive academic and research credentials. Thus, the total strength of faculty on the rolls of the Institute, was 13, as at the end of the year.

Appointment of Officers

At the end of 2018-19, the Institute has 20 Non-teaching staff, all but one on contractual terms. Of these, 5 officers were recruited during the year. The Senior Administrative Officer of the Institute is the only employee on regular rolls, and he is designated as the Secretary of the Board, in the meeting of the Board of Governors held on 26/11/2018.

Section (26)(1)(f):

Performance indicators and internal standards set by the Institute, including the nature of innovations in teaching, research and application of knowledge

Performance Indicators & Internal Standards

An MOU was signed by the Institute with the MHRD, setting out the Key Result Areas and Key Performance Indicators covering the five pillars contributing to the excellence of higher educational institutions viz. Teaching & Learning Resources; Research & Professional Practice; Outreach & Inclusivity; Graduation Outcomes; and Perception. The MOU also covered Financial parameters. The Institute achieved an Overall Rating of "Very Good" during the year under consideration. The Institute would strive to achieve and maintain an "Excellent" rating (i.e. the next higher level rating) in the future years.

Innovations in Teaching, Research and Application of Knowledge

In today's technological era, knowledge is readily available in different forms to the students of higher education, including and especially, business schools. This phenomenon, on the one hand, augments the teaching efficiency and effectiveness of the faculty, while on the other hand, it poses a challenge by making the student less interested in the classroom. Thus, the faculty needs to keep innovating new teaching methods such as developing role-play based mini-cases, activities and games using the relevant data/information derived from their consulting/research projects and weaving them around the contents to be delivered in the classroom.

The following innovations by faculty of the Institute are highlight-worthy in this regard.

Prof. M S Jawed

- **Financial Analytics using R**

  This is a non-conventional course. However, due to the amalgamation of the technology with the domain over the years, it has become one of the most sought-after skills every finance professional needs to possess. The course was designed and developed in collaboration with Prof. Kiran Kumar, IIM Indore. It was a good mix of applied financial econometrics and financial-data analytics. For the data analytics, students were not only introduced to the Programming language but also to adequate mix of theory and practical applications. These allowed them to handle very sophisticated applications like – time series data, pairs-trading and cointegration, real-time portfolio optimization, technical analysis, building one's own trading strategies using

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 40 06/12/2019 19:08:54

fundamental and technical tools and back-testing the same to be used in algorithmic trading platforms. Students were exposed to high-frequency trades (HFT) data and HFT analysis for both Exchange-Traded Funds (ETF) and Futures & Options (F&O) segments.

- **Management Accounting**

  The challenge was to make the course all the more interesting, involving the whole batch (i.e. including students from non-finance focus-groups) in a simulated game that was developed and administered in groups towards the fag-end of the course. This helped them implement their learning in a dynamic and competitive marketplace starting from bookkeeping, budgeting, scenario analysis, ABC and job order costing, outsourcing, make-vs-buy decisions, to bid or not-to-bid etc. The game was designed to also allow the students to use their holistic management knowledge like pricing, positioning, lean manufacturing etc. However, this was a 3-hour long activity and for deeper understanding, availability of data of the listed firms on costing & pricing, was a challenge. Thus, a capstone project was designed to solve costing and pricing dilemma faced by startups and small food joints in the locality which saw 20 such small businesses getting benefited by the submission of the consulting project report at the end of the course, by the study groups.

- **Contemporary Concerns Study**

  CCS courses are for students who wish to develop skills by understanding the broader theoretical underpinnings with the help of books, research articles, blogs, discussion and also with the help of faculty, in their chosen subject areas. The faculty provide exposure to various small and interesting problem statements/research questions which are worth exploring and are contemporary in nature. This is made possible by extensive reading and is borne out of a healthy research pipeline of the faculty. The students thereafter finalize the problem statement they wish to work on. The faculty facilitates learning through targeted content and detailed one-to-one discussions. Thus, students understand the underpinnings of the domain they are working. With the faculty walking the extra mile and helping them do a small pilot study with the related data, applied learning as part of the coursework is greatly facilitated.

- **Nature of Price Elasticity of Common Stocks: Evidence from Policy Experiment in India**

  Market regulators like SEBI, across the globe, are working on policies which could improve the retail investor participation in the markets. One such method is improving market liquidity which results in fair price discovery of the traded stocks. India, despite its recent advances in technology in the secondary market, is beset with entrenchment issues emerging from very-high promoter holdings (family/business group). To ward off such market imperfections, SEBI mandated the listed firms to dilute their promoter holding to 75%. Research efforts in the Finance & Accounting Area of the Institute successfully identified and proved this event to be an exogenous shock to the supply of stocks and re-established the downward sloping demand curve hypothesis, as the empirical literature in this domain called for such a research in view of the existing body of knowledge using either a demand side shock which is suboptimal or a supply side shock having proven information-effect, biasing the results.

Prof. Kaveri Krishnan

- An interactive on-line simulation on the business cycle and portfolio management was conducted in the elective course on Investments.

- An online platform EquityLevers was used to bring in live Indian cases on stock-and-bond valuation, and a guest lecture by the founder of EquityLevers, an expert on the Investment scenario in the Indian financial market, was arranged.

- A portfolio simulator was used with real companies and live data, where students experienced actual stock buying and selling through simulation.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 41 06/12/2019 19:08:54

Prof. Vinay Ramani

- A mixture of lectures and carefully chosen cases that are contemporary in content and custom-written to the context were used to convey various theoretical ideas. In particular, an effort was made to relate the analytical model (from Economics) to different functional areas (Strategy, Marketing & Operations) and highlight the connections between the foundational and functional disciplines.

- Ideas from Applied Microeconomics, mainly Game Theory were used and were applied to study interesting problems in the domain of green supply chains, closed loop supply chains, and more recently, studying the impact of various workplace safety incentive programmes on safety outcomes. Business decision-making contexts are brought into applied theory research.

In keeping with the industry and market requirements and expectations, a new elective course – "Innovation, Technology and New Product Development" – was designed and taught by Professor Deepika Gupta. "Managing Software Projects" was another Course that addressed the felt-need of the software industry. It was taught by Prof. Madhuchhanda Das Aundhe, Visiting Faculty, who teaches at IIMT.

Other value-adding, knowledge-enriching practices being followed by the faculty of Institute are:

- Co-teaching with Senior Professors from IIMB (Mentor Institute) and other older, more established IIMs (e.g. IIM Indore)

- Introduction of new teaching methods/ tools – Games & Simulations

- Innovative assessment techniques – like Group Quiz, Live Consulting for Startups (Costing & Pricing), and Cross-grading of Group Presentations.

- Using findings from own research papers in teaching

- Policy induced news/events-based research

- Aligning of Course of Independent Study (CIS) projects & Interns with research pipeline.

- Interdisciplinary research

- Collaboration across leading B-Schools for research publications etc.

Section 26(2):

Statement showing the names of the five officers including faculty members and other employees of the Institute who received the highest remuneration (including allowances and other payments made to such employees) during the financial year and the contributions made by such employees during the financial year. The statement is appended.

Section 26(3):

The statement referred to in sub-section (2) shall indicate whether any such employee is a relative of any member of the Board or Academic Council of the Institute and if so, the name of such member; and such other particulars as may be determined by the Board.

To the best of knowledge and belief of the Institute, as on the date of the report, none of the officers figuring in the statement of employees receiving high remuneration is a relative of any member of the Board or Academic Council of the Institute.

Section 26(4):

The Director shall also be bound to give the complete information and explanations in the report referred to in sub-section (1) on every reservation, qualification or adverse remark contained in the auditors' report.

In the Separate Audit Report (SAR) by the C&AG on the Accounts of the Institute for the Year 2018-19, the Office of the Principal Director of Audit (Central), Hyderabad reported that:

4(i) They have obtained all the information and explanations which to the best of their knowledge and belief were necessary for the purpose of their audit;

4(ii) The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account dealt with by the Report have been drawn in the Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Human Resource Development, for Central Educational Institutions.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 42 06/12/2019 19:08:54

4(iii) In their opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute, in so far as it appears from their examination of such books.

4(iv) They further reported that:

A. General

A.1 The misclassification of construction of compound wall (Rs.5.39 Cr.) under Site Development instead of under "Buildings" needs to be rectified.

A.2 The caution deposits pertaining to both ex-students and current students were combined under Current Liabilities (Schedule 3) without splitting as required under MHRD guidelines which needs to be rectified.

A.3 The total expenditure in respect of both teaching and non-teaching staff was exhibited under one head, without classifying separately as required under MHRD guidelines which needs to be rectified.

B. Grants-in-aid

Out of Grants-in-aid of Rs.32.65 crore received during the year (including Rs.1.00 crore received in March 2019), together with unutilized balance of Rs.9.34 crore pertaining to previous year, and interest earned of Rs.0.44 crore, totalling Rs.42.43 crore. IIMV utilized a sum of Rs.13.76 crore, leaving a balance of Rs.28.67 crore unutilized as on 31st March 2019.

C. Management Letter

Deficiencies which have not been included in this Report have been brought to the notice of the Institute through a Management Letter issued separately for remedial/ corrective action.

4(v) Subject to their observations in the preceding paragraphs, the CAG reported that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by the Report were in agreement with the books of accounts.

4(vi) In their opinion and to the best of their information and according to the explanations given to them, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to the Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2019; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

In the Annexure to the Report, the CAG stated:

1. Adequacy of Internal Audit System: The assignment of Internal Audit was entrusted to M/s Manohar Chowdhry & Associates, a Chartered Accountants firm, which completed the audit for the year 2018-19.

2. Adequacy of Internal Control System: Internal Control System was not adequate due to improper accounting of various transactions.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 43 06/12/2019 19:08:55

3. System of Physical verification of fixed assets: Physical verification of fixed assets was completed for the year 2018-19 and no discrepancies were noticed in audit.

4. System of Physical verification of inventory: Physical verification of Inventory was completed for the year 2018-19 and no discrepancies were noticed in audit.

5. Regularity in payment of statutory dues: Statutory dues were paid regularly.

Thus, the audit observations mainly pertain to classification / de-grouping of items etc. The Institute would, however, endeavour to take extra care in ensuring that the observations are duly addressed/remediated by the Institute and the suggestions complied with, in future.

In conclusion, it can be said that the Institute has emerged at the very top among the new generation of IIMs. The Institute is proud of its various 'first-mover' initiatives.

The aspiration of the Institute is to be unique. The ambition is to emerge as a path-breaker and trend-setter in management-educations. Thus, the aim is not only to follow best practices; but also, to create next practices.

The Institute continues to strive towards attaining standards of global excellence as enshrined in the IIM Act, through its high-impact academic, research and capacity building initiatives, winning and sustaining in the process, the trust and confidence of all stakeholders. As enshrined under the Act, the Institute would continue to focus on fostering new knowledge and innovation and to direct them towards enhancing inclusive, equitable and sustainable national development goals.

Under the guidance of MHRD and the BoG, the Institute has signed an MOU with MHRD for 2019-20 duly reflecting the scale up envisaged in the activity profile, in scope and specialization.

For catalysing the committed endeavour of the Institute, the Director places on record, his gratitude to the Ministry of HRD, the Office of the Comptroller & Auditor General of India; the Chairperson and Members of the Board; Chairperson and Members of the Finance, Investment & Audit Committee; Chairperson and members of the Building & Works Committee; Director, faculty and staff of IIM Bangalore (Mentor Institute); The Government of Andhra Pradesh, The District and City Administration of Visakhapatnam; the Internal Auditors of the Institute (M/s Manohar Chowdhry & Associates), the leadership of Andhra University; the renowned recruiters of the Institute; Philanthropist & Donor Dr B R L Row; the Confederation of Indian Industry; and all other stakeholders who have been standing shoulder-to-shoulder with the Institute, as partners in progress.

Appendix

Indian Institute of Management Visakhapatnam

Employee Gross Salary for FY 2018-19

S No	Emp ID	Employee Name	Designation	Department	D O J	Total Gross Annual Salary (Rs.)
1	20001	M Chandrasekhar	Director	Director	22-Mar-2017	29,95,564/-
2	20004	B. Srirangacharyulu	Dean - A&R	Production and Operations Management	29-Nov-2017	28,04,514/-
3	20003	Mohammad Shameem Jawed	Assistant Professor	Finance & Accounting	01-Nov-2017	23,53,013/-
4	20006	Amit Baran Chakrabarti	Assistant Professor	Strategic Management	11-Dec-2017	21,33,441/-
5	20007	Kalyan Kolukuluri	Assistant Professor	Economics	21-Dec-2017	19,25,606/-

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 44 06/12/2019 19:08:55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

14. Statement of Accounts

2018-2019

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 45 06/12/2019 19:08:55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SOURCES OF FUNDS	Schedule	2018-19	2017-18
CORPUS/CAPITAL FUND	1	37,94,24,412	31,80,95,972
DESIGNATED/EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	2	2,21,73,558	-
CURRENT LIABILITIES, PROVISIONS & LOANS	3	33,21,97,721	18,39,72,802
TOTAL		**73,37,95,691**	**50,20,68,774**

APPLICATION OF FUNDS	Schedule	2018-19	2017-18
FIXED ASSETS	**4**	**13,74,40,156**	**10,43,56,593**
Tangible Assets		12,12,04,398	10,43,56,593
Intangible Assets		1,19,73,928	-
Capital Works-In-Progress		42,61,830	-
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	**5**	**2,20,00,000**	**-**
Long Term		2,20,00,000	-
Short Term		-	-
INVESTMENTS - OTHERS	**6**	**16,10,88,685**	**15,34,73,184**
Long Term		16,10,88,685	6,32,77,000
Short Term		-	9,01,96,184
CURRENT ASSETS	7	39,40,98,691	19,15,16,047
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	1,91,68,159	5,27,22,950
TOTAL		**73,37,95,691**	**50,20,68,774**

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS	24

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-	Sd/-	Sd/-
C.P.Vittal	**Prof. Deepika R Gupta**	**Prof. M. Chandrasekhar**
Manager-F & A	**Coordinator (Admn.)**	**Director**

Date: 17th June, 2019
Place: Visakhapatnam

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 46 06/12/2019 19:08:55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Income and Expenditure Account for the Year ended 31st March 2019

(Amount in ₹)

Particulars	Schedule	2018-19	2017-18
INCOME			
Academic Receipts	9	9,22,49,170	5,60,48,561
Grants / Subsidies	10	8,77,97,856	15,43,71,584
Income from investments	11	1,09,66,616	74,74,810
Interest earned	12	3,21,655	4,17,977
Other Income	13	7,33,156	33,70,536
Prior Period Income	14	7,03,043	13,200
Provisions written back		17,04,968	-
TOTAL (A)		**19,44,76,464**	**22,16,96,668**
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment expenses)	15	6,73,22,901	3,76,97,612
Academic Expenses	16	8,25,43,018	7,40,61,793
Administrative and General Expenses	17	1,82,18,752	1,11,47,109
Transportation Expenses	18	37,23,569	33,90,998
Repairs & Maintenance	19	37,88,718	29,44,888
Finance costs	20	-	-
Depreciation	4	1,67,17,109	2,46,71,757
Other Expenses	21	-	-
Prior Period Expenses	22	18,24,777	4,57,427
TOTAL (B)		**19,41,38,844**	**15,43,71,584**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		**3,37,620**	**6,73,25,084**
Transfer to/(from) Designated Fund		-	-
Balance Being Surplus / (Deficit) Carried to Corpus/ Capital Fund (Sch-1)		**3,37,620**	**6,73,25,084**
Significant Accounting Policies	23		
Contingent Liabilities and Notes to Accounts	24		

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-	Sd/-	Sd/-
C.P.Vittal	**Prof. Deepika R Gupta**	**Prof. M. Chandrasekhar**
Manager-F & A	**Coordinator (Admn.)**	**Director**

Date: 17th June, 2019
Place: Visakhapatnam

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 47 06/12/2019 19:08:55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE - 1 CORPUS/CAPITAL FUND				
Particulars	**2018-19**		**2017-18**	
Balance at the beginning of the year = A + C		**31,80,95,972**		**18,02,00,364**
Opening balance of Capital Fund for Fixed Assets (A)	16,06,29,160		9,81,72,578	
Add: Grants from Government of India to the extent utilized for capital expenditure	4,97,73,668		6,24,16,544	
Add: Assets - Donations/Gifts	27,004		40,038	
Closing balance of Capital Fund for Fixed Assets (B)	**21,04,29,832**		**16,06,29,160**	
Opening balance of Corpus Fund (C)	**15,74,66,812**		**8,20,27,786**	
Add: Income from Investments made out of the funds	1,11,90,148		81,13,942	
Add: Excess of Income over expenditure transferred from Income & Expenditure Account	3,37,620		6,73,25,084	
Closing balance of Corpus Fund (D)	**16,89,94,580**		**15,74,66,812**	
Balance at the end of the year = B + D		**37,94,24,412**		**31,80,95,972**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 48 06/12/2019 19:08:55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE-2 DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
A.		
a) Opening balance	-	-
b) Additions during the year	2,22,00,000	-
c) Income from investments made of the funds	-	-
d) Accrued Interest on investments/Advances	76,665	-
Total (A)	**2,22,76,665**	**-**
B.		
Utilisation/Expenditure towards objectives of funds		
i) Capital Expenditure	-	-
ii) Revenue Expenditure	1,03,107	-
Total (B)	**1,03,107**	**-**
Closing balance at the year end (A - B)	**2,21,73,558**	**-**
Represented by		
Cash And Bank Balances	96,893	-
Investments	2,20,00,000	-
Interest accrued but not due	76,665	-
Total	**2,21,73,558**	**-**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 49 06/12/2019 19:08:55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 2A ENDOWMENT FUNDS

Sr. No.	Name of the Endowment	Opening Balance		Additions during the Year		Total		Expenditure on the Object during the year	Closing Balance		Total (10+11)
		Endowment	Accumulated Interest	Endowment	Interest	Endowment (3+5)	Accumulated Interest (4+6)		Endowment	Accumulated Interest	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	Vani Roja Foundation - Building Corpus	-	-	2,00,00,000	69,345	2,00,00,000	69,345	-	2,00,00,000	69,345	2,00,69,345
2	Vani Row Memorial Gold Medal - Corpus	-	-	20,00,000	7,320	20,00,000	7,320	-	20,00,000	7,320	20,07,320
3	Vani Row Memorial Gold Medal - Corpus Addition	-	-	2,00,000	-	2,00,000	-	1,03,107	96,893	-	96,893
	Total	**-**	**-**	**2,22,00,000**	**76,665**	**2,22,00,000**	**76,665**	**1,03,107**	**2,20,96,893**	**76,665**	**2,21,73,558**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 50 06/12/2019 19:08:55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3 CURRENT LIABILITIES, PROVISIONS & LOANS			
	Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
A.	**CURRENT LIABILITIES**		
	1. Deposits from staff	-	-
	2. Deposits from students	**65,62,133**	**52,23,738**
	a) Caution Deposits	33,51,410	21,90,990
	b) Mess advance	32,10,723	30,32,748
	3. Sundry Creditors (Goods & Services)	1,62,51,090	6,65,58,080
	4. Deposit-Others (including EMD, Security Deposit)	**21,29,125**	**37,02,206**
	5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS)	**49,49,416**	**31,09,790**
	a) Overdue	-	-
	b) Others	49,49,416	31,09,790
	6. Other Current Liabilities	**29,45,82,374**	**10,29,61,939**
	a) Receipts against sponsored Projects	2,90,760	-
	b) Unutilised Grants	**28,67,08,736**	**9,33,73,807**
	i) Revenue Grants	-	47,97,856
	ii) Capital Grants	6,39,92,416	8,85,75,951
	iii) Capital Grants (Permanent Campus)	22,27,16,320	-
	c) Fee received in Advance (PGCEP)	39,07,969	-
	d) Other liabilities	**36,74,909**	**95,88,132**
	i) Payable to Students	19,17,320	29,47,006
	ii) Payable to Faculty	13,41,919	62,17,896
	iii) Payable to Staff	64,601	1,16,295
	iv) Payable - Others	3,51,069	3,06,935
	Total (A)	**32,44,74,138**	**18,15,55,753**
B.	**PROVISIONS**		
	1. Gratuity	32,19,049	12,12,860
	2. Accumulated Leave Encashment	30,03,137	9,95,023
	3. Others (International Immersion)	-	2,09,166
	Total (B)	**62,22,186**	**24,17,049**
C.	**LOAN - HEFA**		
	1. Loan	15,00,000	-
	2. Interest	1,397	-
	Total (C)	**15,01,397**	**-**
	Total (A+B+C)	**33,21,97,721**	**18,39,72,802**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 51 06/12/2019 19:08:55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE - 3 (a) SPONSORED PROJECTS

Sr. No.	Name of the Project	Opening Balance as on 01.04.2018		Receipts/Recoveries during the year	Total	Expenditure during the year	Closing Balance as on 31.03.2019	
		Credit	Debit				Credit	Debit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Corporate Data Management	-	-	3,91,760	3,91,760	1,01,000	2,90,760	-
2	Women Start up Program	-	-	15,73,155	15,73,155	15,73,155	-	-
	Total	-	-	**19,64,915**	**19,64,915**	**16,74,155**	**2,90,760**	-

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3 (b) SPONSORED FELLOWSHIPS AND SCHOLARSHIPS

Sr. No.	Name of Sponsor	Opening Balance as on 01.04.2018		Receipts/Recoveries during the year	Total	Expenditure during the year	Closing Balance as on 31.03.2019	
		Credit	Debit				Credit	Debit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
		-	-	-	-	-	-	-
	Total	-	-	-	-	-	-	-

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 52 06/12/2019 19:08:56

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(c) UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
A. Government of India		
Balance B/F	9,33,73,807	5,76,82,426
Add: Receipts during the year	**32,65,00,000**	**25,00,00,000**
Revenue Grants	**8,30,00,000**	17,00,00,000
Capital Grants	2,00,00,000	8,00,00,000
Capital Grants (Permanent Campus)	22,35,00,000	-
Add: Interest on Unutilised Grants	**44,06,453**	**24,79,509**
Revenue Grants	-	-
Capital Grants	41,90,133	24,79,509
Capital Grants (Permanent Campus)	2,16,320	-
Total (a)	**42,42,80,260**	**31,01,61,935**
Less: Refunds	-	-
Less: Utilized for Expenditure		
Utilised for Revenue expenditure	8,77,97,856	15,43,71,584
Utilized for Capital Expenditure	4,87,73,668	6,24,16,544
Utilized for Capital Expenditure (Permanent Campus)	10,00,000	-
Total (b)	**13,75,71,524**	**21,67,88,128**
Unutilized carried forward (a-b) = A	**28,67,08,736**	**9,33,73,807**
Unutilised Revenue Grants	-	**47,97,856**
Unutilised Capital Grants	6,39,92,416	8,85,75,951
Unutilised Capital Grants (Permanent Campus)	22,27,16,320	-
B. UGC grants		
Unutilized carried forward = B	-	-
C. Grants from State Govt.		
Unutilized carried forward = C	-	-
Grand Total (A+B+C)	**28,67,08,736**	**9,33,73,807**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 53 06/12/2019 19:08:56

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

SCHEDULE 4 -FIXED ASSETS	
Under this head, classification and disclosures shall be as follows:	
1. Land	Includes freehold land and leasehold land, to be shown distinctly
2. Site Development	
3. Buildings	Include Institution's buildings like college buildings, office buildings,staff residential buildings, hostel buildings, temporary structures and sheds.
4. Plant and machinery	Include air conditioners, water/air coolers, generator sets, television sets, fire extinguishers, etc.
5. Electrical Installation	Include electrical fixtures and fittings such as fans, and tube light fittings
6. Tube wells & water supply system	Tubewells and water supply systems may be shown as a distinct category
7. Office equipment	Include such items as fax machines, photocopiers, EPABX, typewriters, duplicating machines, Refrigerators etc.
8. Laboratory & Scientific Equipment	Include such items as microscopes, telescopes, dissection equipment, glass apparatus,measurement instruments and other types of laboratory equipment,
9. Audio Visual Equipment	Include Television sets, overhead projector, Tape Recorders. DVD/ VCD Player, Camera,Movie Projectors etc
10. Furniture, fixtures and Fittings	Include items such as desks/benches, cabinets, almirahs, tables, chairs, partitions, etc
11. Computers/Peripherals	Include computers, printers and other peripherals like , UPS etc.
12. Sports Equipment	Include items such as table tennis table, gym equipment.
13. Vehicles	Include Buses, lorries, vans, Cars, scooters, etc.
14. Library Books and Scientific Journals	Library books will include books/ Scientific Journals
15. Intangible assets	Include computer software, patents & trade marks, E Journals specified separately.
16. Capital Work-In• Progress	Fixed assets in the course of construction should be shown against this head till they are ready for their intended use. Plant, machinery and equipment acquired and pending installation and commissioning should also be included here.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 54 06/12/2019 19:08:56

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 55

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS (Total of 4A + 4B + 4D)

S. No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2018-19				Net Block	
		Op Balance 01.04.2018	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2019	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2019	31.03.2018
1	Land	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	Site Development	5,39,55,500	-	-	5,39,55,500	-	-	-	-	5,39,55,500	5,39,55,500
3	Buildings	2,84,80,443	48,60,955	-	3,33,41,398	2,84,80,442	9,72,191	-	2,94,52,633	38,88,765	1
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	Sewerage & Drainage	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	Electrical Installation and equipment	96,55,692	29,08,497	-	1,25,64,189	96,55,691	5,81,699	-	1,02,37,390	23,26,799	1
8	Plant and Machinery	1,00,85,751	2,71,200	-	1,03,56,951	10,73,038	5,17,848	-	15,90,886	87,66,065	90,12,713
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	Office Equipment	16,37,628	18,60,291	-	34,97,919	2,05,894	2,62,344	-	4,68,238	30,29,681	14,31,734
11	Audio Visual Equipment	2,56,47,919	49,19,164	-	3,05,67,083	46,78,124	22,92,531	-	69,70,655	2,35,96,428	2,09,69,795
12	Computers & Equipment	64,96,590	46,37,873	-	1,11,34,463	24,64,682	22,26,893	-	46,91,575	64,42,888	40,31,908
13	Furniture, Fixtures & Fittings	1,55,72,877	53,55,519	-	2,09,28,396	24,03,765	15,69,629	-	39,73,394	1,69,55,002	1,31,69,112
14	Vehicles	43,000	-	-	43,000	12,100	4,300	-	16,400	26,600	30,900
15	Library books & Scientific Journals	23,01,763	7,68,797	-	30,70,560	5,47,076	3,07,056	-	8,54,132	22,16,428	17,54,687
16	Small Value Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total (A)	**15,38,77,405**	**2,55,82,296**	**-**	**17,94,59,701**	**4,95,20,812**	**87,34,491**	**-**	**5,82,55,303**	**12,12,04,398**	**10,43,56,593**
17	Capital Work In Progress **(B)**	-	42,61,830	-	42,61,830	-	-	-	-	42,61,830	-

06/12/2019 19:08:56

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS (Total of 4A + 4B + 4D) Contd.

S. No	Intangible Assets	Op Balance 01.04.2018	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2019	Dep Opening Balance	Amortization for the year	Deductions/ Adjustments	Total Amortization/ Adjustments	31.03.2019	31.03.2018
18	Computer Software	31,40,471	17,66,586	-	49,07,057	31,40,471	7,06,634	-	38,47,105	10,59,952	-
19	E-Journals	36,11,284	1,81,89,960	-	2,18,01,244	36,11,284	72,75,984	-	1,08,87,268	1,09,13,976	-
20	Patents	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Total (C)		**67,51,755**	**1,99,56,546**	**-**	**2,67,08,301**	**67,51,755**	**79,82,618**	**-**	**1,47,34,373**	**1,19,73,928**	**-**
Grand Total (A+B+C)		**16,06,29,160**	**4,98,00,672**	**-**	**21,04,29,832**	**5,62,72,567**	**1,67,17,109**	**-**	**7,29,89,676**	**13,74,40,156**	**10,43,56,593**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 56 06/12/2019 19:08:56

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 57

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4A - Assets from MHRD Grants

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2018-19					Net Block	
		Op Balance 01.04.2018	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2019	Dep Opening Balance	Rate	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2019	31.03.2018
1	Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2	Site Development	5,39,55,500	-	-	5,39,55,500	-	-	-	-	-	5,39,55,500	5,39,55,500
3	Buildings	2,84,80,443	48,60,955	-	3,33,41,398	2,84,80,442	20.00%	9,72,191	-	2,94,52,633	38,88,765	1
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	Sewerage & Drainage	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	Electrical Installation and equipment	96,55,692	29,08,497	-	1,25,64,189	96,55,691	20.00%	5,81,699	-	1,02,37,390	23,26,799	1
8	Plant and Machinery	1,00,85,751	2,71,200	-	1,03,56,951	10,73,038	05.00%	5,17,848	-	15,90,886	87,66,065	90,12,713
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	Office Equipment	16,37,628	18,60,291	-	34,97,919	2,05,894	07.50%	2,62,344	-	4,68,238	30,29,681	14,31,734
11	Audio Visual Equipment	2,56,47,919	49,19,164	-	3,05,67,083	46,78,124	07.50%	22,92,531	-	69,70,655	2,35,96,428	2,09,69,795
12	Computers & Equipment	64,96,590	46,37,873	-	1,11,34,463	24,64,682	20.00%	22,26,893	-	46,91,575	64,42,888	40,31,908
13	Furniture, Fixtures & Fittings	1,55,72,877	53,55,519	-	2,09,28,396	24,03,765	07.50%	15,69,629	-	39,73,394	1,69,55,002	1,31,69,112
14	Vehicles	43,000	-	-	43,000	12,100	10.00%	4,300	-	16,400	26,600	30,900
15	Library Books	20,84,553	7,41,793	-	28,26,346	5,07,613	10.00%	2,82,635	-	7,90,248	20,36,098	15,76,940
16	Small Value Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total(A)	**15,36,59,953**	**2,55,55,292**	**-**	**17,92,15,245**	**4,94,81,349**	**-**	**87,10,070**	**-**	**5,81,91,419**	**12,10,23,826**	**10,41,78,604**
17	Capital Work In Progress **(B)**	-	42,61,830	-	42,61,830	-		-	-	-	42,61,830	-

06/12/2019 19:08:56

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4A - Assets from MHRD Grants Contd.

S.No	Intangible Assets	Op Balance 01.04.2018	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2019	Dep Opening Balance	Rate	Amortization for the year	Deductions/ Adjustments	Total Amortization/ Adjustments	31.03.2019	31.03.2018
18	Computer Software	31,40,471	17,66,586	-	49,07,057	31,40,471	40.00%	7,06,634	-	38,47,105	10,59,952	-
19	E-Books	36,11,284	1,81,89,960	-	2,18,01,244	36,11,284	40.00%	72,75,984	-	1,08,87,268	1,09,13,976	-
20	Patents	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Total (c]		**67,51,755**	**1,99,56,546**	**-**	**2,67,08,301**	**67,51,755**		**79,82,618**	**-**	**1,47,34,373**	**1,19,73,928**	**-**
Grand Total (A+B+C)		**16,04,11,708**	**4,97,73,668**	**-**	**21,01,85,376**	**5,62,33,104**		**1,66,92,688**	**-**	**7,29,25,792**	**13,72,59,584**	**10,41,78,604**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 58 06/12/2019 19:08:56

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 59

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4B Assets from Projects/ Other Grants

S. No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2018-19				Net Block	
		Op Balance 01.04.2018	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2019	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2019	31.03.2018
1	Land										
2	Site Development										
3	Buildings										
4	Roads & Bridges										
5	Tubewells & Water Supply										
6	Sewerage & Drainage										
7	Electrical Installation and equipment										
8	Plant and Machinery										
9	Scientific & Laboratory Equipment										
10	Office Equipment										
11	Audio Visual Equipment										
12	Computers & Equipment										
13	Furniture, Fixtures & Fittings										
14	Vehicles										
15	Library Books										
16	Small Value Assets										
	Total(A)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	**Capital Work In Progress (B)**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

NIL

S.No	Intangible Assets	Op Balance 01.04.2018	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2019	Dep Opening Balance	Amortization for the year	Deductions/ Adjustments	Total Amortization/ Adjustments	31.03.2019	31.03.2018
18	Computer Software	NIL									
19	E-Journal										
20	Patents										
	Total (C)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Grand Total (A+B+C)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

06/12/2019 19:08:57

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4C - INTANGIBLE ASSETS

SL No.	Asset Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2018-19					Net Block	
		Op Balance 01.04.2018	Additions	Deduc-tions	Cl Balance 31.03.2019	Depreciation/ Amortizations Opening Balance	Rate	Depreciation/ Amortization for the year	Deduc-tions/ Adjust-ments	Total Depreciation/ Amortization	31.03.2019	31.03.2018
1	Computer Software	31,40,471	17,66,586	-	49,07,057	31,40,471	40.00%	7,06,634	-	38,47,105	10,59,952	-
2	E - Journals	36,11,284	1,81,89,960	-	2,18,01,244	36,11,284	40.00%	72,75,984	-	1,08,87,268	1,09,13,976	-
3	Patents & Copyrights	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total	**67,51,755**	**1,99,56,546**	**-**	**2,67,08,301**	**67,51,755**		**79,82,618**	**-**	**1,47,34,373**	**1,19,73,928**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4(C) (i) PATENTS AND COPYRIGHTS

Particulars	Op Balance 01.04.2018	Addition	Gross	Amortization	Net Block 2018-19	Net Block 2017-18
A. Patents Granted	-	-	-	-	-	-
Total	-	-	-	-	-	-

Particulars	Op Balance 01.04.2018	Addition	Gross	Patents Granted/ Rejected	Net Block 2018-19	Net Block 2017-18
B. Patents Pending in respect of Patents applied for	-	-	-	-	-	-
Total	-	-	-	-	-	-
C. Grand Total (A+B)	-	-	-	-	-	-

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 60 06/12/2019 19:08:57

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 61

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4D Others (Assets-Donations)

S. No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2018-19				Net Block	
		Op Balance 01.04.2018	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2019	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2019	31.03.2018
1	Land	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	Site Development	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	Buildings	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	Sewerage & Drainage	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	Electrical Installation and equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	Machinery & Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	Office Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	Audio Visual Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	Computers & Peripherals	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	Furniture, Fixtures & Fittings	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	Vehicles	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15	Lib. Books & Scientific Journals	2,17,210	27,004	-	2,44,214	39,462	24,421	-	63,883	1,80,331	1,77,748
16	Small Value Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Total		2,17,452	27,004	-	2,44,456	39,462	24,421	-	63,883	1,80,573	1,77,990
17	Capital Work In Progress	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Grand Total		**2,17,452**	**27,004**	**-**	**2,44,456**	**39,462**	**24,421**	**-**	**63,883**	**1,80,573**	**1,77,990**

Note:	The additions during the Year include additions from:	
	Gifted	27,004
	Earmarked Funds	-
	Sponsored Projects	-
	Own Funds	-
	Total	**27,004**

06/12/2019 19:08:57

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 5 INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
1. Term Deposits with Banks		
Long Term	2,20,00,000	-
Short Term	-	-
Total	**2,20,00,000**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 5 (A) INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS (FUND WISE)		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
1. Endowment Fund Investments	2,20,00,000	-
Total	**2,20,00,000**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 6 INVESTMENTS-OTHERS		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
1. Term Deposits with Banks		
Long Term	16,10,88,685	6,32,77,000
Short Term	-	9,01,96,184
Total	**16,10,88,685**	**15,34,73,184**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 62 06/12/2019 19:08:57

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 7 CURRENT ASSETS		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
1. Stock	**4,63,544**	**3,53,668**
a) Medical	18,713	-
b) Electrical	18,965	-
c) Stationery	4,25,866	3,53,668
2. Sundry Debtors	**7,87,576**	**2,24,365**
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	-	-
b) Others	**7,87,576**	**2,24,365**
- IIMB	6,99,507	2,24,365
- PGP - Working Professionals	88,069	-
3. Cash and Bank Balances	**39,16,50,754**	**19,05,08,947**
a) With Scheduled Banks	**39,15,72,559**	**19,04,93,519**
- In Current Accounts	73,388	54,562
- In Term deposit Accounts	38,33,58,573	17,35,25,683
- In Savings Accounts	79,35,598	60,274
- In Flexi Accounts	2,05,000	1,68,53,000
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) Cash in Hand	78,195	15,428
4. Post Office Savings Accounts	-	-
5. Other Current Assets	**11,96,817**	**4,29,067**
a) CGST Input Tax Credit	-	74,092
b) SGST Input Tax Credit	-	74,092
c) IGST Receivable/Input Tax Credit	8,18,892	6,483
d) TDS Refund Receivable	3,77,925	2,74,400
Total	**39,40,98,691**	**19,15,16,047**

(Amount in ₹)

ANNEXURE A	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
I. Savings Bank Accounts	79,35,598	60,274
II. Flexi Account	2,05,000	1,68,53,000
III. Current Account	73,388	54,562
IV. Term Deposits with Scheduled Banks	38,33,58,573	17,35,25,683
Total	**39,15,72,559**	**19,04,93,519**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 63 06/12/2019 19:08:57

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8 LOANS,ADVANCES & DEPOSITS		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
1. Advances to employees: (Non-interest bearing)	-	**15,000**
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)	-	-
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received	-	**39,759**
4. Prepaid Expenses	**90,04,142**	**44,37,022**
a) Insurance	13,78,994	14,97,398
b) Academic Expenses	59,48,107	27,26,092
c) Administration Expenses	1,15,317	1,979
d) Repairs & Maintenance	15,61,724	2,11,553
5. Deposits	**4,65,686**	**2,69,961**
a) Telephone & Internet	10,500	8,000
b) Lease Rent	70,000	70,000
c) Others deposits	3,85,186	1,91,961
6. Income Accrued	**96,98,331**	**79,61,208**
a) On Investments from Corpus/Capital Fund	75,68,275	39,93,628
b) On Investments from Earmarked/ Endowment Funds	76,665	-
c) On Investments-Others	5,33,710	14,88,071
d) Unutilised Capital Grants	15,19,681	24,79,509
7. Others - Grants Receivable - MHRD	-	**4,00,00,000**
8. Claims Receivable	-	-
TOTAL	**1,91,68,159**	**5,27,22,950**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 64 06/12/2019 19:08:57

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 9 ACADEMIC RECEIPTS

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
Academic		
1. Tuition fee		
a) PGP	8,66,56,818	5,57,20,988
b) PGP - Working Professionals	55,44,375	-
Total (A)	**9,22,01,193**	**5,57,20,988**
Examinations	-	-
Total (B)	-	-
Other Fees		
1. Application fee	16,500	-
2. Fine/Miscellaneous fee	31,477	2,57,573
Total (C)	**47,977**	**2,57,573**
Sale of Publications	-	-
Total (D)	-	-
Other Academic Receipts - Registration fee for workshops	-	**70,000**
Total (E)	-	**70,000**
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**9,22,49,170**	**5,60,48,561**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 65 06/12/2019 19:08:57

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 10 GRANTS/SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
Balance B/F	9,33,73,807	5,76,82,426
Add: Receipts during the year	32,65,00,000	25,00,00,000
Revenue Grants	**8,30,00,000**	**17,00,00,000**
Capital Grants	2,00,00,000	8,00,00,000
Capital Grants (Permanent Campus)	22,35,00,000	-
Add: Interest on Unutilised grants	44,06,453	24,79,509
Revenue Grants	-	-
Capital Grants	41,90,133	24,79,509
Capital Grants (Permanent Campus)	2,16,320	-
Total (A)	42,42,80,260	31,01,61,935
Less: Utilised for Expenditure		
Utilised for Revenue expenditure	**8,77,97,856**	**15,43,71,584**
Utilized for Capital Expenditure	4,87,73,668	6,24,16,544
Utilized for Capital Expenditure (Permanent Campus)	10,00,000	-
Total (B)	13,75,71,524	21,67,88,128
Balance C/F (C = A - B)	28,67,08,736	9,33,73,807
Unutilised Revenue Grants	-	**47,97,856**
Unutilised Capital Grants	6,39,92,416	8,85,75,951
Unutilised Capital Grants (Permanent Campus)	22,27,16,320	-

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 66 06/12/2019 19:08:58

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 11 INCOME FROM INVESTMENTS

Particulars	Current Year 2018-19		Previous Year 2017-18		Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
	Corpus/ Capital fund	Endowment fund	Corpus/Capital fund	Endowment fund	Other Investments	
1. Interest on Term Deposits	36,21,873	-	41,20,314	-	1,04,32,906	59,86,739
2. Income accrued but not due on Term Deposits	75,68,275	76,665	39,93,628	-	5,33,710	14,88,071
3. Others	-	-	-	-	-	-
Total	**1,11,90,148**	**76,665**	**81,13,942**	**-**	**1,09,66,616**	**74,74,810**
Transferred to Respective Funds	1,11,90,148	76,665	81,13,942	-	-	-
Balance	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,09,66,616**	**74,74,810**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 12: INTEREST EARNED

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) On Savings Accounts with scheduled banks	2,97,699	4,17,977
b) IIMB	23,956	-
Total	**3,21,655**	**4,17,977**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 13 OTHER INCOME

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) Income from Land & Buildings	-	-
b) Sale of Institute's publications	-	-
c) Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/ sports carnival	2,75,000	69,300
d) Others		
1. Income from consultancy / M D P	66,000	30,96,000
2. Misc. receipts (Sale of tender form, waste paper, etc.)	95,661	34,000
3. Room Rent	1,34,116	1,30,336
4. Recovery from Staff etc.,	1,62,379	40,900
Total	**7,33,156**	**33,70,536**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 67 06/12/2019 19:08:58

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 14 PRIOR PERIOD INCOME

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) Interest earned (IIMB)	6,75,551	-
b) Other Income	27,492	13,200
Total	**7,03,043**	**13,200**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 15 STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) Salaries and Wages	4,53,71,476	2,40,95,873
b) Allowances and Bonus	72,51,822	26,10,985
c) Contribution to PF	3,53,970	3,42,760
d) Contribution to Other Fund (NPS)	23,18,995	10,04,483
e) Staff Welfare Expenses	18,89,203	5,19,217
f) Retirement and Terminal Benefits	40,36,664	20,94,958
g) Recruitment & Training	33,31,649	68,12,418
h) Others - Faculty Development Expenses	27,69,122	2,16,918
Total	**6,73,22,901**	**3,76,97,612**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 15 A EMPLOYEES RETIREMENT AND TERMINAL BENEFITS

Particulars	Gratuity	Leave Encashment	Total
Opening Balance as on 01-04-2018	12,12,860	9,95,023	22,07,883
Addition : Capitalized value of Contributions Received from other Organizations	-	-	-
Total (a)	12,12,860	9,95,023	22,07,883
Less: Actual Payment during the Year (b)	-	22,361	22,361
Balance Available on 31.03.2019 (c) = (a-b)	12,12,860	9,72,662	21,85,522
Provision required on 31.03.2019 as per Actuarial Valuation (d)	**32,19,049**	**30,03,137**	**62,22,186**
Provision to be made in the Current year (d-c)	20,06,189	20,30,475	40,36,664
Total	**20,06,189**	**20,30,475**	**40,36,664**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 68 06/12/2019 19:08:58

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 16 ACADEMIC EXPENSES		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
a) Expenses on seminars/workshops (International Immersion)	71,15,911	39,92,260
b) Payment to visiting faculty (incl travel & Accom)	1,60,01,156	2,52,36,520
c) Examination	6,54,952	4,31,314
d) Student Welfare expenses	7,92,931	8,08,388
e) Admission expenses	37,51,915	10,11,184
f) Convocation expenses	16,90,038	23,86,457
g) Publications/Course Materials	44,73,893	32,28,129
h) Stipend/merit scholarship-Financial Aid	33,60,000	37,80,000
i) Subscription Expenses	85,55,177	35,53,085
j) Placement expenses	26,78,998	26,48,525
k) Students Hostel Expenses	2,48,95,847	1,90,71,985
l) Programme Expenses	62,96,364	61,54,069
m) Other Programme Expenses (PGCEP,FPM,WSP,MDP)	22,75,836	17,59,877
TOTAL	**8,25,43,018**	**7,40,61,793**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 69 06/12/2019 19:08:58

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 17 ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES		
Particulars	**Current Year 2018-19**	**Previous Year 2017-18**
A Infrastructure	**36,09,476**	**18,85,131**
a) Electricity and power	20,01,928	18,64,620
b) Insurance	24,874	20,511
c) Rent, Rates and Taxes (including property tax)	**15,82,674**	**-**
i) Rent	15,29,654	-
ii) Rates	53,020	-
B Communication	**2,87,809**	**1,94,601**
d) Postage and Stationery	1,71,398	1,47,121
e) Telephone, Fax and Internet Charges	1,16,411	47,480
C Others	**1,43,21,467**	**90,67,377**
f) Printing and Stationery (consumption)	11,08,021	8,46,937
g) Travelling and Conveyance Expenses	6,25,437	7,53,662
h) Auditors Remuneration	3,82,320	3,82,320
i) Professional Charges	3,84,131	3,84,827
j) Advertisement and Publicity	23,38,462	9,81,408
k) Magazines & Journals	13,839	25,637
l) Institution functions	2,39,377	8,00,500
m) Security Charges	14,54,892	12,42,634
n) Meeting Expenses (BOG,BWC,FIAC & other Committees)	66,16,668	27,60,161
o) Office Expenses	9,59,912	6,85,420
p) Others	**1,98,408**	**2,03,871**
i) Bank Charges	1,72,308	92,577
ii) Website Designing Expenses	23,600	1,08,794
iii) Professional Tax	2,500	2,500
TOTAL	**1,82,18,752**	**1,11,47,109**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 70 06/12/2019 19:08:58

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2019

(Amount in ₹)

SCHEDULE 18 TRANSPORTATION EXPENSES

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) Vehicle (Taxi) hiring expenses	37,23,569	33,90,998
Total	**37,23,569**	**33,90,998**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 19 REPAIRS & MAINTENANCE

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) Buildings	4,16,364	5,19,649
b) Plant & Machinery	11,800	5,074
c) Office Equipment	52,200	48,613
d) Computers	24,34,133	19,12,968
e) Cleaning Material & Services	8,74,221	4,58,584
Total	**37,88,718**	**29,44,888**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 20 FINANCE COSTS

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) Bank Charges	-	-
Total	**-**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 21 OTHER EXPENSES

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	-	-
b) Irrecoverable Balances Written- off	-	-
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations	-	-
Total	**-**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 22 PRIOR PERIOD EXPENSES

Particulars	Current Year 2018-19	Previous Year 2017-18
a) Academic expenses (IIMB & others)	17,63,786	3,763
b) Administrative expenses	33,495	3,35,516
c) Repairs & Maintenance	27,496	1,18,148
Total	**18,24,777**	**4,57,427**

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 71 06/12/2019 19:08:58

SCHEDULE 23

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **BASIS FOR PREPARATION OF ACCOUNTS**

The Financial Statements are prepared under the historical cost convention method and on the accrual basis of accounting, in accordance with the MHRD Guidelines and Accounting Principles for Central Higher Educational Institutions.

2. **REVENUE RECOGNITION**

2.1 Fees from students (except Tuition Fees) and Interest on Savings Bank Account are accounted on cash basis. Tuition Fees collected separately for each semester is accounted on accrual basis.

2.2 Interest on term deposits with banks is accounted on accrual basis.

3. **FIXED ASSETS AND DEPRECIATION**

3.1 Fixed Assets are stated at cost of acquisition including inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition, installation and commissioning.

3.2 Land received as government grant, free of cost, was valued at a nominal value as per principles of Accounting Standard -12 issued by the ICAI and is set up by credit to the Capital Fund and included under Fixed Assets.

3.3 Books received as gifts are valued at selling prices printed on the books, where prices are not printed, the value is based on assessment.

3.4 Fixed assets are valued at cost less accumulated depreciation. Depreciation on fixed assets is provided on straight line method (SLM), at the applicable rates as specified in MHRD prescribed schedule (given below). However, in the case of Building and Electrical Installations & Equipment, the value is amortised in consonance with lease agreement entered into, with Andhra University.

Tangible Assets:

1	Land	0%
2	Site Development	0%
3	Buildings (Refurbishment cost of leasehold building)	5 Years as per agreement
4	Electrical Installation & Equipment on leasehold building	
5	Machinery & Equipment	05.00%
6	Office Equipment	07.50%
7	Audio Visual Equipment	07.50%
8	Computers & Peripherals	20.00%
9	Furniture, Fixtures & Fittings	07.50%
10	Vehicles	10.00%
11	Library Books & Scientific Journals	10.00%

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 72 06/12/2019 19:08:58

Intangible Assets (Amortization):

1	E- Journals	40.00%
2	Computer Software	40.00%

3.5 Depreciation is provided for the whole year on additions during the year.

3.6 Where an asset is fully depreciated, it is carried at a residual value of Re.1 in the Balance Sheet and is not further depreciated. Thereafter, depreciation is calculated on the additions of each year separately at the rate of depreciation applicable for that asset head.

3.7 Assets, the individual value of each of which is Rs.2000/- or less (except library books) are treated as Small Value Assets. 100% depreciation is provided in respect of such assets at the time of their acquisition. However physical accounting and control are continued by the holders of such assets.

4. **INTANGIBLE ASSETS:**

4.1 E-Journals and Computer Software are grouped under Intangible Assets.

4.2 Electronic Journals (E-Journals) are separated from Library Books in view of the limited benefit that could be derived from the on-line access provided. E-Journals are not in a tangible form, but capitalized in view of the magnitude of expenditure and the benefits derived from these assets being perpetual in nature. Depreciation is provided in respect of E-journals at the prescribed higher rate.

4.3 Expenditure on acquisition of software has been separated from computers and peripherals, as apart from being intangible assets, the rate of obsolescence in respect of these is very high. Depreciation is provided in respect of software at the prescribed higher rate.

4.4 The Software, E-Databases, E-Journals etc, whose life is equal to or less than 1 year is apportioned between the accounting periods as per utilisation and are considered as revenue expenditure and grouped under subscription fee.

5. **STOCK:**

Expenditure on purchase of stores is accounted as revenue expenditure, except that the value of closing stocks as on 31st March 2019 is set up as inventories by reducing the corresponding revenue expenditure on the basis of information obtained from the departments concerned. They are valued at cost.

6. **RETIREMENT BENEFITS:**

6.1 Retirement benefits i.e. New Pension Scheme (NPS) and Provident Fund are recognised and charged to Revenue on the basis of actual liability.

6.2 Provision for Gratuity is made on the basis of actuarial valuation and charged to Revenue.

6.3 Provision for Leave Encashment is made on the basis of actuarial valuation and charged to Revenue.

7. **INVESTMENTS:**

7.1 Long term investments are carried at their cost or face value, whichever is lower. However any permanent diminution in their value as on the date of the Balance Sheet is provided for.

7.2 Short Term investments are carried at their cost or market value (if quoted), whichever is lower.

7.3 Funds which are not immediately required for expenditure are invested as flexi deposits on

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 73 06/12/2019 19:08:58

short-term basis with the operating bank i.e. Andhra Bank, leaving a minimum balance in Savings Bank Account.

8. **CORPUS/CAPITAL FUND:**

Capital Fund is created to the extent of Fixed Assets capitalized during the year. The Fund is created mainly out of Grant from Government of India, and other Grants.

The balance of Corpus Fund and General Fund from Earmarked Funds (Schedule-2) are merged and regrouped under Corpus/Capital Fund (Schedule-1); and, Surplus/Deficit from Income and Expenditure is transferred to Corpus/Capital Fund (Schedule-1).The income from investments on accrual basis is credited to the Fund.

9. **EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS:**

These funds are earmarked for specific purposes. Those with large balances also have investments in Term Deposits with banks. The income from investments on accrual basis is credited to the respective Funds. The expenditure and advances are debited to the Fund. The assets created out of Earmarked Funds where the ownership vests in the Institution, are merged with the assets of the Institution by crediting an equal amount to the Capital Fund. The balance in the respective Funds is carried forward and is represented on the assets side by the balance at Bank, Investments and Accrued interest.

Corpus Fund and General Fund created under Earmarked Funds in the earlier years now stand merged and regrouped to Corpus/Capital Fund – Schedule 1.

10. **GOVERNMENT GRANTS**

10.1 Government Grants (MHRD) are accounted on realisation basis. However, where a sanction for release of grant pertaining to the financial year is received before 31st March and the grant is actually received in the next financial year, the grant is accounted on accrual basis and an equal amount is shown as recoverable from the Grantor.

10.2 To the extent utilised towards Capital Expenditure (on Accrual Basis) Government Grants are transferred to the Capital Fund.

10.3 Government Grants for meeting Revenue Expenditure (on Accrual Basis) are treated, to the extent utilised, as income of the year in which they are realised.

10.4 Unutilised grants are carried forward and exhibited as a current liability in the Balance Sheet.

11. **INCOME TAX**

The income of the Institute is exempt from Income Tax under Section 10(23c) of the Income Tax Act, 1961. No provision for tax is therefore made in the accounts.

SCHEDULE 24

CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS

1. **CAPITAL COMMITMENTS :**

There were no pending contracts remaining to be executed on capital account as on 31.03.2019.

2. **FIXED ASSETS:**

1.1 Additions in the year to Fixed Assets of ₹.497.74 lakh include Assets purchased out of MHRD Funds (₹.497.74 lakh). The Assets have been set up by credit to Capital Fund.

1.2 Land received as government grant, free of cost, was valued at a nominal value as per principles of Accounting Standard-12 issued by the ICAI. The valuation was at the rate of ₹.1/- per acre or part thereof (241.5 Acres)

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 74 06/12/2019 19:08:58

1.3 The Institute has entered into an MoU with Andhra University to take part of its campus on lease for a period of 3 years, with total area measuring about 18360 Sq. ft. w.e.f. 21st September 2015 for its operations. The said lease was extended on 14/12/2017 for a further period of 5 years up to 20th September 2023. Additions made during the year for Buildings and Electrical Installation & Equipment are depreciated over 5 years as per the renewed (current) lease agreement. Additions from subsequent years will be depreciated in consonance with the extended lease agreement entered into, with Andhra University.

1.4 The Software, E-Databases, E-Journals etc. bought for perpetual use are classified as Intangible Assets and they are amortized accordingly.

Software, E-Databases, E-Journals etc. whose life is equal to or less than 1 year has been apportioned between the accounting periods as per utilisation. Whereas, renewal agreements for a period of 1 year or less than 1 year were considered as revenue expenditure and grouped under subscription fee.

3. **EXPENDITURE IN FOREIGN CURRENCY:**

1. Travel ₹.26,36,641/-

2. Others (Library) ₹.1,53,93,182/-

4. **CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES AND DEPOSITS**

4.1 Current assets, Loans, Advances and Deposits have a value on realisation in the ordinary course, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

4.2 Term Deposits were made as per GOI Guidelines and the Institute's Investment Policy, in scheduled commercial banks to the tune of ₹. 3833.59 lakh.

5. **EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS:**

The Institute has received a Donation of ₹.222.00 Lakh during the year 2018-19 and the same is disclosed under Schedule 2A.

Corpus Fund and General Fund created under Earmarked Funds in the earlier years now stand merged and regrouped under Corpus/Capital Fund – Schedule 1.

6. **GOVERNMENT AND UGC GRANTS:**

6.1 Grants are received from MHRD under three 'Grants-in-Aid' heads, viz. GIA-35 (Creation of Capital Assets), GIA-31 (General) and GIA-36 (Salaries).

6.2 Out of the Capital Grant received, the amount incurred during the year towards Capital Expenditure is for ₹.497.74 lakh and is transferred to Capital Fund.

6.3 Grant received towards General and Salary expenditure, of ₹.877.98 lakh is considered as income and shown in Income and Expenditure Account.

6.4 The Institute is funded by MHRD grants only, for meeting both capital and revenue expenditure.

7. The details of balances in Savings Bank Accounts, Current Accounts and Fixed Deposit Accounts with banks are enclosed as Annexure 'A' to the Schedule of Current Assets.

8. Current Liabilities, Provisions & Loans include HEFA Loan of ₹ 15.00 lakh drawn during the year, against the sanction of ₹.445.00 Crore towards construction of Permanent Campus, is shown under Schedule 3.

9. Liabilities/Provisions outstanding, and which are no longer required as on the date of Balance Sheet are written back and the amount is shown under Income as "Provisions written back". Claims against such provisions, if any, arising hereafter, will be charged off in the year of claim.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 75 06/12/2019 19:08:58

10. Previous year's figures have been regrouped wherever necessary.

11. Schedule 1 to 24 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet at 31st March 2019 and the Income & Expenditure Account for the year ended on that date.

12. All the employees of the Institute are covered by New Pension Scheme (NPS) and were allotted PRA numbers by the National Securities Depository Limited (NSDL) – Central Record Keeping Agency (CRA). During the Year 2018-19, ₹.23.19 lakh has been contributed by the Institute towards equal contribution of employer for NPS fund. In respect of employees who joined on lien basis, the Institute's Provident Fund contribution along with employee's contribution during the lien period has been transferred to their respective principal offices, where the PF account is maintained.

13. The Institute has been granted Certificate of Exemption u/s 80G of Income Tax Act,1961 with effect from the Assessment Year 2019-20.

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-	Sd/-	Sd/-
C.P.Vittal	**Prof. Deepika R Gupta**	**Prof. M. Chandrasekhar**
Manager-F & A	**Coordinator (Admn.)**	**Director**

Date: 17th June, 2019
Place: Visakhapatnam

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 76 06/12/2019 19:08:59

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 77 06/12/2019 19:08:59

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Receipts and Payments Account for the year ended 31st March 2019

(Amount in ₹)

Receipts	2018-19	2017-18	Payments	2018-19	2017-18
I. Opening Balance			I. Expenses		
a) Cash Balances	15,428	87,660	a) Establishment Expenses	6,32,08,907	1,17,68,345
b) Bank Balances			b) Academic Expenses	8,96,46,584	2,09,45,077
i) In Current Accounts	54,562	-	c) Administrative Expenses	1,84,04,288	39,24,113
ii) In Savings Accounts	60,274	10,16,756	d) Transportation Expenses	37,23,569	-
ii) In Flexi Accounts	1,68,53,000	2,33,95,000	e) Repairs & Maintenance Expenses	51,57,854	1,10,670
			f) Prior Period Expenses	18,24,777	-
II. Grants Received			II. Expenditure on Fixed Assets and Capital Works - in - Progress		
a) From Government of India (MHRD)			a) Fixed Asset	4,55,11,838	6,24,16,544
i) Revenue Expenses	12,30,00,000	13,03,45,850	b) Capital Works - in - Progress	42,61,830	-
ii) Capital Expenses	24,35,00,000	9,29,69,150	III. Other Payments (Creditors & Statutory)	4,88,41,539	32,067,994
b) From State Government	-	-			
c) From other sources	-	-			
III. Academic Receipts	9,62,93,435	5,47,90,595	**Total Capital and Revenue payments (I+II+III)**	**28,05,81,186**	**13,12,32,743**
IV. Receipts against Earmarked/Endowment Funds	2,22,00,000	-	IV. Payments against Earmarked/ Endowment Funds	1,03,107	-
V. Receipts against Sponsored Projects / Schemes	19,64,915	-	V. Payments against Sponsored Projects/ Schemes	16,74,155	-
VI. Receipts against sponsored Fellowships and scholarships	-	-	VI. Payments against Sponsored Fellowships/Scholarships	-	-
VII. Income on Investments from			VII. Investments and Deposits made		
a) Earmarked/Endowment funds	-	-	a) Out of Earmarked/Endowments funds	2,20,00,000	-
b) Other Investments	2,49,02,759	1,07,81,619	b) Out of own funds (Investments - Others)	14,73,55,744	15,34,73,184
VIII. Interest received on			VIII. Term Deposits with Scheduled Banks	38,33,58,573	17,35,25,683
a) Bank Deposits	-	-			
b) Loans and Advances	-	-			
c) Savings Bank Accounts	2,97,699	4,17,977			

(Amount in ₹)

Receipts	2018-19	2017-18	Payments		
IX. Investments encashed			IX. Refunds of Grants	-	-
a) Out of Earmarked/Endowments funds	-	-	X. Deposits and Advances		
b) Out of own funds (Investments - Others)	13,97,40,243	8,18,31,660	a) Caution Deposit to Students	9,39,580	997,439
X. Term Deposits with scheduled Banks encashed	17,35,25,683	3,168,340	b) Mess Advance to Students	1,23,12,025	557,961
			c) Other Payments to students	8,89,686	3,318,003
			d) EMD/SD Refund	56,05,807	2,927,918
			e) Deposits and advances made (from other than students)	1,95,725	-
XI. Other income (including Prior Period Income)	7,60,648	34,84,680	XI. Closing Balances		
XII. Deposits and Advances			a) Cash Balances	78,195	15,428
a) Caution Deposit from Students	21,00,000	12,20,000	b) Bank Balances		
b) Mess Advance from Students	1,24,90,000	82,18,600	i) In Current Accounts	73,388	54,562
c) Other Recoveries from students	-	-	ii) In Savings Accounts	79,35,598	60,274
d) Staff Advances recovery	15,000	2,12,619	iii) In Flexi Accounts	2,05,000	1,68,53,000
e) Deposits (from other than students)	-	-			
f) EMD/SD received	40,32,726	61,37,000			
XIII. Miscellaneous Receipts including Statutory Receipts	-	2,58,417			
XIV. Any Other Receipts					
a) HEFA Loan	15,01,397	-			
b) Receipts from IIMB	-	6,46,80,272			
Total	**86,33,07,769**	**48,30,16,195**	**Total**	**86,33,07,769**	**48,30,16,195**

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-	Sd/-	Sd/-
C.P.Vittal	**Prof. Deepika R Gupta**	**Prof. M. Chandrasekhar**
Manager-F & A	**Coordinator (Admn.)**	**Director**

Date: 17th June, 2019
Place: Visakhapatnam

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 78 06/12/2019 19:08:59

जितेंद्र एस. करपे,
Jitendra S. Karape, IA&AS

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४.
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No.PDA(C)/CEA/Unit-I/PA/IIMV/SAR 2018-19/2019-20/224 Date 12.09.2019

Dear Sir,

Audit of Annual Accounts of The Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV) for the year 2018-19, was conducted in July 2018. Significant comments on accounts are included in the Separate Audit Report issued separately to the Government of India, Ministry of Human Resource Development, New Delhi and a copy marked to you. Some of the observations, which were not included in the Separate Audit Report, meriting the attention of the Management are detailed below to enable your office to take necessary corrective action.

1. The Institute has provided depreciation on LED TV @ 20 percent on written down value method instead of 7.5 percent prescribed as per the MHRD format which resulted in overstatement of depreciation and understatement of surplus to the extent of ₹6,125.

2. Prior period expenditure of ₹1210 (Voucher No.63 dt.01.05.2018) paid towards travel expenses-Staff Domestic was booked under Schedule-17 Administrative and General expenses instead of Schedule-22 Prior period expenses. This has resulted in overstatement of expenditure under Schedule-17 and understatement of Prior period expenses under Schedule-22 to the tune of ₹1210.

With Best Regards,

Yours sincerely,

Prof. M. Chandrasekhar, Director,
Indian Institute of Management,
Visakhapatnam.

Phone No. : 040-23232069 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 79 06/12/2019 19:09:01

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४.

OFFICE OF THE
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No PDA(C)/CEA/Unit-I/PA/IIMV/SAR 2018-19/ 2019-20/ 223 Date 12.09.2019

सेवामें
सचिव,
भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चशिक्षा विभाग, 'सी' विंग,शास्त्री भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली -110 001

महोदय,

विषय भारतीय प्रबंधन संस्थान,विशाखापत्तनम, के वर्ष 2018-19, पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Indian Institute of Management Visakhapatnam (IIMV), for the year 2018-19, Annexure thereof and one copy of the Annual Accounts for the year2018-19, are forwarded herewith.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter alongwith the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

Sd/-

Principal Director of Audit (Central)

Endt No.PDA(C)/CEA/Unit-I/PA/IIMV/SAR 2018-19/ 2019-20/ 223 - 12.09.2019

Copy to Prof. M. Chandrasekhar, Director, Indian Institute of Management Visakhapatnam, Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam - 530 003, Andhra Pradesh, alongwith one copy of Annual Accounts for the year 2018-19 (English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2018-19 (3 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

निदेशक/ केंद्रीयव्ययलेखापरीक्षा
DIRECTOR/ CEA

Phone Nos : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 80 06/12/2019 19:09:03

Separate Audit Report on the Accounts of the Indian Institute of Management, Visakhapatnam for the year ended 31 March 2019

We have audited the attached Balance Sheet of the Indian Institute of Management, Visakhapatnam (Institute), as at 31 March 2019, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 23(3) of the Indian Institutes of Management Act, 2017. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account dealt with by this Report have been drawn in the

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 81 06/12/2019 19:09:04

Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Human Resource Development, for Central Educational Institutions.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A General

A.1 The misclassification of construction of compound wall (₹ 5.39 crore) under Site development instead of under 'Buildings' needs to be rectified.

A.2 The caution deposits pertaining to both ex-students and current students were combined under Current Liabilities (Schedule 3), without splitting as required under MHRD guidelines which needs to be rectified.

A.3 The total expenditure in respect of both teaching and non-teaching staff was exhibited under one head, without classifying separately as required under MHRD guidelines which needs to be rectified.

B. Grants-in-aid

Out of Grants-in-aid of ₹ 32.65 crore received during the year (including ₹ 1.00 crore received in March 2019), together with unutilised balance of ₹ 9.34 crore pertaining to previous year, and interest earned of ₹ 0.44 crore, totaling ₹ 42.43 crore, IIMV utilised a sum of ₹ 13.76 crore, leaving a balance of ₹ 28.67 crore unutilized as on 31st March 2019.

C. Management letter

Deficiencies which have not been included in this Report have been brought to the notice of the Institute through a Management Letter issued separately for remedial/ corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 82 06/12/2019 19:09:06

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2019; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***Surplus*** for the year ended on that date.

Principal Director of Audit (Central)

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 83 06/12/2019 19:09:07

ANNEXURE

1. **Adequacy of Internal Audit System:** The assignment of Internal Audit was entrusted to M/s Manohar Chowdhary & Associates, a Chartered Accountants firm, which completed the audit for the year 2018-19.

2. **Adequacy of Internal Control System.** Internal Control System was not adequate due to improper accounting of various transactions.

3. **System of Physical verification of fixed assets:** Physical verification of fixed assets was completed for the year 2018-19 and no discrepancies were noticed in audit.

4. **System of Physical verification of inventory:** Physical verification of Inventory was completed for the year 2018-19 and no discrepancies were noticed in audit.

5. **Regularity in payment of statutory dues:** Statutory dues were paid regularly.

निदेशक/ केंद्रीय व्यय लेखा परीक्षा
DIRECTOR/ CEA

IIMV 4th Annual Report 2018-2019 Hindi-English Combined.indd 84 06/12/2019 19:09:09

विद्या परं दैवतम्

IIM

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
आंध्रा बैंक स्कूल ऑफ बिजनेस बिल्डिंग, आंध्र विश्वविद्यालय कैम्पस, विशाखपट्टणम 530 003.
आंध्र प्रदेश, भारत वेबसाइट: www.iimv.ac.in

Indian Institute of Management Visakhapatnam
Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam 530 003
Andhra Pradesh, India Website: www.iimv.ac.in